



भारत का राजपत्र

The Gazette of India

प्राधिकार से प्रकाशित

PUBLISHED BY AUTHORITY

सं० 10] नई दिल्ली, शनिवार, मार्च 5, 1977 (फाल्गुन 14, 1898)

No. 10] NEW DELHI, SATURDAY, MARCH 5, 1977 (PHALGUNA 14, 1898)

इस भाग में भिन्न पृष्ठ संख्या दी जाती है जिससे कि यह अलग संकलन के रूप में रखा जा सके

(Separate paging is given to this Part in order that it may be filed as a separate compilation)

भाग III—खण्ड 1

PART III—SECTION 1

उच्च न्यायालयों, नियन्त्रक और महालेखापरीक्षक, संघ लोक सेवा आयोग, रेल विभाग और भारत सरकार के संलग्न और अधीन कार्यालयों द्वारा जारी की गई अधिसूचनाएँ

(Notifications issued by the High Courts, the Comptroller and Auditor General, the Union Public Service Commission, the Indian Government Railways and by Attached and Subordinate Offices of the Government of India)

संघ लोक सेवा आयोग

नई दिल्ली-110011, दिनांक 14 जनवरी 1977

सं० पी०/1878-प्रशासन-I —रक्षा शरीर किया विज्ञान और समर्कर्गी विज्ञान का रक्षा संस्थान, दिल्ली छावनी में वरिष्ठ वैज्ञानिक अधिकारी I डा० के० श्रीवास्तव को 31-12-1976 के अपराह्न से आगामी आदेशों तक, संघ लोक सेवा आयोग के कार्यालय में अवर सचिव के पद पर नियुक्त किया गया है।

प्र० ना० मुखर्जी
अवर सचिव

कृते अध्यक्ष,
संघ लोक सेवा आयोग

नई दिल्ली-110011, दिनांक 31 जनवरी 1977

सं० पी०/556-प्रशासन-I—केन्द्रीय सचिवालय सेवा के स्थायी चयन भेड़ अधिकारी तथा संघ लोक सेवा आयोग में स्थानापन्न सलाहकार श्री एम० एम० टॉमस को, राष्ट्रपति द्वारा 31-1-1977 के अपराह्न से वार्धक्य निवर्तन आयु के पश्चात् बढ़ाई गई सेवा की 1-486 जीआई/76

अवधि की समाप्ति पर सरकारी सेवा से सेवा निवृत्ति की अनुमति प्रदान की जाती है।

दिनांक 1 फरवरी 1977

सं० पी०/556-प्रशासन-I —संघ लोक सेवा आयोग में 31-1-1977 (अपराह्न) से सलाहकार [के पद से सेवा निवृत्ति श्री एम० एम० टॉमस को, राष्ट्रपति द्वारा 1-2-1977 से 30-11-1977 तक की अतिरिक्त अवधि के लिए उमी हैमियन में पुनर्नियुक्त किया जाता है।

प्र० ना० मुखर्जी
अवर सचिव
संघ लोक सेवा आयोग

गृह मंत्रालय

महानिदेशक केन्द्रीय रिजर्व पुलिस दल

नई दिल्ली-110001, दिनांक 14 फरवरी 1977

सं० श्र० II-1038/75-स्थापना —महानिदेशक केन्द्रीय रिजर्व पुलिस दल ने डाक्टर श्रीमती ऊरा जैन को, 28-1-77 के

पूर्वाह्नि केवल 3 माह के लिये, अथवा उस पद पर नियमित नियुक्ति होने तक, इनमें जो भी पहले हो उस तारीख तक केन्द्रीय रिजर्व पुलिस दल में कनिष्ठ चिकित्सा अधिकारी के पद पर तदर्थं रूप में नियुक्त किया है।

सं० ओ०-II-28/77 स्थापना—गांधीपति श्री एस० सी० विद्यार्थी, मध्य प्रदेश संघर्ग के भारतीय पुलिस सेवा अधिकारी को केन्द्रीय रिजर्व पुलिस बल में उनकी प्रतिनियुक्ति पर उप-महानिरीक्षक के पद पर नियुक्त करते हैं।

2. श्री विद्यार्थी ने केन्द्रीय रिजर्व पुलिस बल के उप-महानिरीक्षक, इम्फाल के पद का कार्यभार दिनांक 18 जनवरी 1977 के पूर्वाह्नि से संभाला।

दिनांक 15 फरवरी 1977

सं० ओ०-II-1040/76-स्थापना—महानिदेशक केन्द्रीय रिजर्व पुलिस दल ने डाक्टर एम० श्रीनिवासा रेडी को, 18-1-77 के पूर्वाह्नि केवल 3 माह के लिये, अथवा उस पद पर नियमित नियुक्ति होने तक, इनमें जो भी पहले हो उस तारीख तक केन्द्रीय रिजर्व पुलिस दल में कनिष्ठ चिकित्सा अधिकारी के पद पर तदर्थं रूप में नियुक्त किया है।

दिनांक 16 फरवरी 1977

सं० ओ०-II-523/69-स्था—अपनी भल राज्य सरकार, उड़ीसा को प्रत्यावर्तित होने पर श्री जे० एम० सिंह ने दिनांक 15 जनवरी 1977 के अपराह्न से सहायक कमाण्डेन्ट 48 बटा तियन केन्द्रीय रिजर्व पुलिस बल के पद का कार्यभार छोड़ा।

ए० के० बन्धोपाध्याय
महारक्षक निदेशक (प्रशासन)

भारतीय लेखा परीक्षा तथा लेखा विभाग

हैदराबाद, दिनांक 9 फरवरी 1977

सं० ई० बी०-I-8-132/76-77/4254—महालेखाकार, आन्ध्र प्रदेश, हैदराबाद कार्यालय के अधीन लेखा सेवा के स्थायी सदस्य श्री एस० वेदारामन को महालेखाकार आन्ध्र प्रदेश, हैदराबाद द्वारा वेतन-मान रु० 840-40-1000 ई० बी० 40-1200 पर उसी कार्यालय में स्थानापन्थ लेखा अधिकारी के पद पर 31-1-1977 (AN) के पूर्वाह्नि से तब तक आगे आदेश न दिये जाएं, नियुक्त किया जाता है। यह पदोन्नति उनसे वरिष्ठ सदस्यों के द्वाये पर प्रतिकूल प्रभाव डालने वाली नहीं है।

एस० आर० मुखर्जी
प्रबंध उप-महालेखाकार (प्रशासन)
सहायक महालेखाकार (प्रशासन)

महालेखाकार का कार्यालय, केरल

तिरुवनन्तपुरम, दिनांक 7 फरवरी 1977

सं० स्थापना प्र०/7/9-86/जिल्द 2/314—महालेखाकार कार्यालय, केरल, के निम्नोक्त स्थानापन्थ लेखा अधिकारियों को प्रत्येक के नाम के सामने लिखित तारीख से 840-40-1000-ई० रो० 40-1200 ई० के लेखा अधिकारियों के ग्रेड में मौलिक क्षमता में महालेखाकार, केरल, सहर्ष नियुक्त करते हैं :—

- | | |
|-----------------------------|-----------|
| 1. श्री ए० चन्द्रशेखरन | 1-11-1976 |
| 2. श्री वी० वी० कुट्टिशंकरन | 1-1-1977 |

आर० एस० अध्यर
उप-महालेखाकार (प्रशासन)

मुख्य लेखा परीक्षक का कार्यालय

पूर्वी रेलवे

कलकत्ता, दिनांक 7 फरवरी 1977

सं० एन०/8/76—श्री आर० के० मुखानी स्थानापन्थ लेखा परीक्षा अधिकारी का स्वर्गवास 23 जनवरी 1977 को हो गया है।

गू० डॉ० आचार्य

मुख्य लेखा परीक्षक पूर्वी रेलवे

कार्यालय : निदेशक लेखा परीक्षा रक्षा सेवाये

नई दिल्ली, दिनांक 10 फरवरी 1977

सं० ए० प्रशासन 130/76—निदेशक लेखा परीक्षा, रक्षा सेवाये, निम्ननिखित अधिन लेखा सेवा के स्थाई सदस्यों को उनके सामने प्रसिद्ध तिथि से लेखा परीक्षा अधिकारी के स्थानापन्थ रूप में श्रागामी आदेश तक, महर्ष नियुक्त करते हैं।

क्र०	नाम	कार्यालय जहाँ नियुक्ति की गई	नियुक्ति की सिद्धि है
सं०			

सर्वश्री

- | | | |
|-----------------------|--|---------|
| 1. वी० बी० वैकटाङ्गणन | वरिष्ठ उप मुख्य
लेखा परीक्षक
आयुध फैक्टरी
जबल पुर। | 20-1-77 |
| 2. डॉ० सी० सेन | वरिष्ठ उप निदेशक
लेखा परीक्षा रक्षा
सेवाये पूर्वी, कमान,
पटना | 17-1-77 |
| 3. डॉ० के० कोनार | वरिष्ठ उप मुख्य
लेखा परीक्षक
आयुध फैक्टरी
कानपुर। | 5-1-77 |

जी० द्वारकानाथन
प्रबंध उप-निदेशक लेखा परीक्षा
रक्षा सेवाये

रक्षा लेखा विभाग

कार्यालय, रक्षा लेखा महा नियंत्रक

नई दिल्ली-22, दिनांक 5 फरवरी 1977

सं० 71019 (8)/76-प्रशा० II—राष्ट्रपति, सन् 1975 में संघ लोक सेवा आयोग द्वारा ली गई सम्मिलित प्रतियोगिता परीक्षा के परिणामस्वरूप भारतीय रक्षा लेखा सेवा में, निम्नलिखित व्यक्तियों को, उनके सामने लिखी तारीख से परिवीक्षाधीनों के रूप में, सहर्ष नियुक्त करते हैं।

क्र० सं०	नाम	नियुक्ति की तारीख
1.	श्री गौतम शेन	13-7-76 (अपराह्न)
2.	श्री दिलीप कुमार चक्रवर्ती	8-11-76 (पूर्वाह्न)
3.	श्री सुनील माथुर	2-11-76 (पूर्वाह्न)
4.	श्री गुरुनरकर मधीर	5-11-76 (पूर्वाह्न)
5.	श्री वीरभद्र राव बेलग	14-7-76 (पूर्वाह्न)
6.	श्री के० निरंजन राव	14-7-76 (पूर्वाह्न)
7.	श्री एन० पी० चौहान	8-11-76 (पूर्वाह्न)
8.	श्री तरसेम लाल	2-11-76 (पूर्वाह्न)

दिनांक 8 फरवरी 1977

सं० 18238/प्रशा० II—राष्ट्रपति ने श्री पी० सी० टण्डन, रक्षा लेखा उप नियंत्रक को 4-11-76 (पूर्वाह्न) से अनिवार्य रूप से सेवा निवृत्त कर दिया है, और तदनुसार उन्हें 4-11-76 (पूर्वाह्न) से रक्षा लेखा विभाग की नफरी से निकाल दिया गया है।

पी० के० रामानुजम
रक्षा लेखा अपर महा नियंत्रक (प्रशा०)

रक्षा मंत्रालय

डी० जी० ओ० एफ० मुख्यालय सिविल, सेवा
महानिदेशालय, आईनैन्स फैक्टरियाँ
कलकत्ता, दिनांक 7 फरवरी 1977

सं० 3/77/जी०—वार्धक्य निवृत्ति आयु प्राप्त करने पर, श्री रमनी रंजन नाग, स्थानापन्न ए० एग० ओ० मौलिक एवं स्थायी सहायक दिनांक 31-1-1977 (अपराह्न) से सेवा निवृत्त हुए।

डी० पी० चक्रवर्ती
सहायक महानिदेशक प्रशा०-II
मुख्य महानिदेशक, आईनैन्स फैक्टरियाँ

कार्यालय

मुख्य नियंत्रक, आयात-निर्यात का कार्यालय
नई दिल्ली, दिनांक 14 फरवरी 1977
आयात तथा निर्यात व्यापार नियंत्रण
(स्थापना)

सं० 6/533/58-प्रशासन (राज०)—राष्ट्रपति, केन्द्रीय सचिवालय सेवा के प्रबलण वर्ग के स्थानापन्न अधिकारी और इस कार्यालय में उप-मुख्य नियंत्रक, आयात निर्यात, श्री ए० रामचन्द्रन को 1-1-1977 के पूर्वाह्न से प्रागामी आवेदों के जारी होने तक इस कार्यालय में स्थानापन्न रूप से संयुक्त मुख्य नियंत्रक, आयात-निर्यात के रूप में नियुक्त करते हैं।

सं० 6/645/61-प्रशासन (राज०)—श्री एन० टी० आत्मारमाणी को संयुक्त मुख्य नियंत्रक, आयात-निर्यात के कार्यालय बम्बई में 20-1-1977 (दोपहर पूर्व) से नियंत्रक, आयात एवं निर्यात के पद पर बहाल किया जाता है।

इस कार्यालय की अधिसूचना सं० 6/645/61-प्रशासन (राजपत्रित) दिनांक 6 फरवरी, 1976 को एतद् द्वारा रद्द किया जाता है।

दिनांक 15 फरवरी, 1977

सं० 6/806/67-प्रशासन (राज०)—राष्ट्रपति, केन्द्रीय सचिवालय सेवा के अनुभाग अधिकारी वर्ग में स्थायी श्री र इस कार्यालय में नियंत्रक, आयात-निर्यात, श्री आर० पी० बसु को उसी सेवा के वर्ग I में स्थानापन्न रूप से कार्य करने के लिए 1-1-77 से 28-2-77 तक की और आगे की प्रबलिय के लिए या जब तक स्थान खाली है इन में जो भी पहले हो, उस तक के लिए नियुक्त करते हैं।

2. राष्ट्रपति, श्री आर० पी० बसु को मुख्य नियंत्रक, आयात-निर्यात, के कार्यालय नई दिल्ली में उपर्युक्त प्रबलिय के लिए उप-मुख्य नियंत्रक, आयात-निर्यात के रूप में भी नियुक्त करते हैं।

दिनांक 16 फरवरी 1977

सं० 6/713/63 -प्रशासन (राज०)—राष्ट्रपति, केन्द्रीय सचिवालय सेवा के अनुभाग अधिकारी वर्ग में स्थायी श्री र इस कार्यालय में नियंत्रक, आयात-निर्यात, श्री एन० ए० कोहली को स्थानापन्न रूप से कार्य करने के लिए 1-1-77 से 28-2-77 तक की और आगे की प्रबलिय के लिए या जब तक स्थान खाली है, इन में जो भी पहले हो, उस तक के लिए नियुक्त करते हैं।

2. राष्ट्रपति, श्री एन० ए० कोहली को मुख्य नियंत्रक, आयात-निर्यात के कार्यालय, नई दिल्ली में उपर्युक्त प्रबलिय के लिए उप-मुख्य नियंत्रक, आयात-निर्यात के रूप में भी नियुक्त करते हैं।

ए० एस० गिल
मुख्य नियंत्रक, आयात-निर्यात

वस्त्र आयुक्त का कार्यालय

बम्बई, दिनांक 29 जनवरी 1977

सं० सी० ई० आर०/१/७७—सूती वस्त्र (नियंत्रण) आदेश, 1948 के खंड 22 में प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए मैं एतद्वारा वस्त्र आयुक्त की अधिसूचना सं० सी० ई० आर०/१/६८ दिनांक 2 मई, 1968 में निम्नलिखित अतिरिक्त संशोधन करता हूं, अर्थात् :—

उक्त अधिसूचना के पैराग्राफ एक के परन्तुक (दो) और परंतुक (तीन) क्रमशः परन्तुक (तीन) और परंतुक (चार) के रूप में पुनरंकित होंगे और निम्न परंतुक (दो) के रूप में अंतःस्थापित किया जाएगा, अर्थात् :—

“(दो) वर्षते कि सूती वस्त्र (नियंत्रण) आदेश, 1948 के खंड 21 ए के० अंतर्गत वस्त्र आयुक्त द्वारा दिये आदेशों के अनुसरण में 1 जनवरी 1977 से आरंभ होने वाली अवधियों के लिये विहित न्यूनतम परिमाण के निमित्त कनाई कारखाना रखने वाले उत्पादक द्वारा उत्पादित तथा पेक नियंत्रित धोती, नियंत्रित साड़ी, नियंत्रित लांगकलाथ, नियंत्रित शटिंग, नियंत्रित ड्रिल और नियंत्रित ट्सर का अधिकारतम एकम पेकड़ी मूल्य, जो अनुसूची ए-छः (भाग एक, दो और तीन सहित) में दिये गये सूत्र के अनुसार संगणित किया है, 75.5% में बढ़ा दिया जाएगा।”

सं० सी० ई० आर०/३/७७—सूती वस्त्र नियंत्रण आदेश, 1948 के खंड 22 में प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए मैं एतद्वारा वस्त्र आयुक्त की अधिसूचना सं० सी० ई० आर०/३/६९ दिनांक 19 सितम्बर 1969 में निम्नलिखित अतिरिक्त संशोधन करता हूं, अर्थात् :—

उक्त अधिसूचना में पैराग्राफ दो बी० के० बाद निम्नलिखित पैराग्राफ अंतःस्थापित किये जाएंगे, अर्थात् :—

“दो सी०—नियंत्रित धोती और नियंत्रित साड़ी को छोड़ कर अन्य नियंत्रित वस्त्र जो सूती वस्त्र (नियंत्रण) आदेश, 1948 के खंड 21 ए के अंतर्गत वस्त्र आयुक्त के आदेशों के अनुसार और 1 जनवरी 1977 से आरंभ होने वाली अवधियों के लिए विहित न्यूनतम परिमाण के तर्थ पेक नियंत्रित धोती या साड़ी, एक टुकड़ा (मिंगल) के रूप में पेक होने पर, उसके मुख्यपट्ट पर “उपभोक्ता मूल्य प्रति टुकड़ा” इन शब्दों और उपभोक्ता मूल्य प्रति टुकड़ा की राशि अंकों और शब्दों में और “उत्पाद-शुल्क शहित-स्थानिक कर अतिरिक्त “इन शब्दों की मोहर लगाई जाएगी।

सेकण्ड्स—जिनकी परिभाषा निम्नलिखित पैराग्राफ छः (4) (इ) में दी गई है—की दशा में ‘सेकण्ड्स’ ये शब्द और निम्नलिखित टिप्पणी दो के अनुसार ऐसे सेकण्ड्स के लिये संगणित उपभोक्ता मूल्य की अंकों में राशि।

निम्नलिखित टिप्पणी दो के अनुसार ऐसे सेकण्ड्स के लिये संगणित उपभोक्ता मूल्य की अंकों में राशि।

दो ई—सूती वस्त्र (नियंत्रण) आदेश, 1948 के खंड 21 ए के अंतर्गत वस्त्र आयुक्त के आदेशों के अनुसार और 1 जनवरी 1977 से आरंभ होने वाली अवधियों के लिये विहित न्यूनतम परिमाण के तर्थ पेक नियंत्रित धोती, या नियंत्रित साड़ी जोड़ी के रूप में पेक होने पर, उसके मुख्यपट्ट पर तथा दूसरे टुकड़े के छोर पर, किनारी से 2.54 सेंटी-मीटर से अधिक दूरी पर नहीं “उपभोक्ता मूल्य प्रति टुकड़ा” इन शब्दों और उपभोक्ता मूल्य प्रति टुकड़ा की राशि अंकों तथा शब्दों में और “उत्पाद-शुल्क शहित-स्थानिक कर अतिरिक्त” इन शब्दों की मोहर लगाई जाएगी।

सेकण्ड्स—जिनकी परिभाषा निम्नलिखित पैराग्राफ छः (4) (ई) में दी गई —की दशा में ‘सेकण्ड्स’ ये शब्द और निम्नलिखित टिप्पणी दो के अनुसार ऐसे सेकण्ड्स के लिये संगणित उपभोक्ता मूल्य की अंकों में राशि।

दो ई—सूती वस्त्र (नियंत्रण) आदेश, 1948 के खंड 21 ए के अंतर्गत वस्त्र आयुक्त के आदेशों के अनुसार और जनवरी 1977 से आरंभ होने वाली अवधियों के लिये विहित न्यूनतम परिमाण के तर्थ पेक नियंत्रित धोती या साड़ी, एक टुकड़ा (मिंगल) के रूप में पेक होने पर, उसके मुख्यपट्ट पर “उपभोक्ता मूल्य प्रति टुकड़ा” इन शब्दों और उपभोक्ता मूल्य प्रति टुकड़ा की राशि अंकों और शब्दों में और “उत्पाद-शुल्क शहित-स्थानिक कर अतिरिक्त “इन शब्दों की मोहर लगाई जाएगी।

सेकण्ड्स—जिनकी परिभाषा निम्नलिखित पैराग्राफ छः (4) (ई) में दी गई है—की दशा में ‘सेकण्ड्स’ यह शब्द और निम्नलिखित टिप्पणी दो के अनुसार ऐसे सेकण्ड्स के लिये संगणित उपभोक्ता मूल्य की अंकों में राशि।

टिप्पणी एक—पैराग्राफ दो सी, दो ई और दो ई के निमित्त, ‘उपभोक्ता मूल्य’ से तात्पर्य 31-12-1976 को नियंत्रित वस्त्र के लिये लागू खुदरा मूल्य और उसी तारीख को देय उत्पाद-शुल्क का योग से है लेकिन जिसमें स्थानिक कर, यदि देय हो, शामिल नहीं है।

टिप्पणी दो—सेकण्ड्स का उपभोक्ता मूल्य, जिसकी मोहर लगाना आवश्यक है, वस्त्र आयुक्त की अधिसूचना सं० सी० ई० आर०/१/६८ दिनांक 2 मई 1968 के पैराग्राफ एक में विहित आधार पर संगणित सेकण्ड्स का तारीख 31-12-1976 को लागू खुदरा मूल्य और उसी तारीख को उस पर देय उत्पाद-शुल्क का योग से है, लेकिन इसमें स्थानिक कर, यदि देय हो, शामिल नहीं है।

दो एफ—उपर्युक्त पैराग्राफ दो सी, दो ई और दो ई के संदर्भ में नियंत्रित वस्त्र पर लगाये जाने वाले विहित मार्किंग के अतिरिक्त अन्य सभी मार्किंग, पैराग्राफ दो की

मव (3) (4) और (5) में विहित मार्किंग को छोड़कर, की मोहर ऐसे नियंत्रित वस्त्र के मुख पट्ट पर लगाई जाएगी।

(गौरी शंकर भार्गव)
संयुक्त वस्त्र आयुक्त

उद्योग मंत्रालय
(श्रीदेविक विकास विभाग)
विकास आयुक्त (लघु उद्योग) का कार्यालय

नई दिल्ली, दिनांक 24 दिसम्बर 1976

सं० ए०-19018 (262)/76-प्रशा० (जी०)—विकास आयुक्त (लघु उद्योग), नई दिल्ली, आगे और आदेश दिये जाने तक, लघु उद्योग सेवा संस्थान, हैदराबाद के लघु उद्योग संबर्द्धन अधिकारी श्री एम० बेंकट रेड्डी को लघु उद्योग विकास संगठन में सहायक निदेशक (ग्रेड-2) के पद पर स्थानापन्न रूप में नियुक्त करते हैं।

2. महायक निदेशक (ग्रेड-2) के रूप में नियुक्त हो जाने पर, श्री एम० बेंकट रेड्डी ने 8 नवम्बर, 1976 के पूर्वाह्न से लघु उद्योग सेवा संस्थान, जयपुर में सहायक निदेशक (ग्रेड-2) के पद का कार्यभार संभाल लिया।

सं० ए० 19018 (266)/76-ए० (जी०)—विकास आयुक्त (लघु उद्योग), असम, मेघालय, शिलांग के महालेखाकार के कार्यालय के लेखा अधिकारी श्री अमलेन्द्र मुकर्जी को, 11 नवम्बर, 1976 (पूर्वाह्न) से लघु उद्योग सेवा संस्थान, कलकत्ता में लेखा अधिकारी के पद पर प्रति नियुक्त करते हैं।

(वी० बेंकटरायुलु)
उप-निदेशक (प्रशासन)

पूर्ति तथा निपटान महानिदेशालय
(प्रशासन अनुभाग-1)

नई दिल्ली, दिनांक 10 फरवरी 1977

सं० प्र०-1/1/(453)—स्थायी अधीक्षक तथा पूर्ति तथा निपटान महानिदेशालय, नई दिल्ली में स्थानापन्न सहायक निदेशक (ग्रेड II) श्री परशोत्तम मिह 31 जनवरी, 1977 के अपराह्न से निवृत्तमान आयु (50 वर्ष) होने पर सरकारी सेवा में निवृत्त हो गये।

कीरत सिंह
उप निदेशक (प्रशासन)
कृत महानिदेशक, पूर्ति तथा निपटान

इस्पात और खान मंत्रालय
(इस्पात विभाग)

लोहा और इस्पात नियंत्रण

कलकत्ता-20, दिनांक 3 फरवरी 1977

सं० ई० 1-12 (94)/75 (.)—निवृत्तमान आयु में उपनीत होने के कारण श्री एस० बी० बासु, जो कि वरिष्ठ उप लेखा

प्रधान, वाणिज्य, कार्य तथा विविध कलकत्ता के कार्यालय में सेखा अधिकारी के पद पर तथा लोहा और इस्पात नियंत्रण कलकत्ता के कार्यालय में प्रतिनियुक्त पर लेखा अधिकारी के पद पर नियुक्त थे 31 जनवरी 1977 के दिप्रहर से कार्य निवृत्त हो गये हैं।

सं० प्रशा० पी० एफ० (44) (.)—निवृत्त की आयु उपनीत होने के कारण श्री मनीमय धोष, उप सहायक लोहा और इस्पात नियंत्रण 31 जनवरी, 1977 के दिप्रहर से कार्य निवृत्त हो गये हैं।

ए० सी० चट्टोपाध्याय
उप निदेशक (प्रशासन)
कृते लोहा और इस्पात नियंत्रण।

भारतीय भूवैज्ञानिक सर्वेक्षण

कलकत्ता-13, दिनांक 8 फरवरी 1976

सं० 638/बी—भारतीय भूवैज्ञानिक सर्वेक्षण के निम्नलिखित अस्थायी अधिकारियों को उसी ग्रेड में उनके सामने दर्शायी गई सिधि में स्थायीबन् घोषित किया जा रहा है :—

क्र० सं०	नाम	पदनाम	स्थायीबन् घोषित करने की तिथि				
			1	2	3.	4	
सर्व श्री							
1. ए० प्रसाद	.	महायक भूवैज्ञानिक	26-3-71				
2. पी० के० सिन्हा	.	"	9-5-71				
3. डी० भादुरी	.	"	6-11-71				
4. ए० के० बसु०	.	"	8-2-74				
5. जी० एस० अहमद	.	"	2-3-74				
6. टी० के० साहा	.	"	4-2-74				
7. बी० आर० राव	.	"	15-5-74				
8. आर० के० रजदान	.	"	2-9-74				
9. अनिल सक्सेना	.	"	22-3-74				
10. एस० के० बसु	.	"	23-4-74				
11. बी० के० श्रीवास्तवा	.	"	24-3-74				
12. बी० डी० मलबार्ना	.	"	3-4-74				
13. बिनय धोष	.	"	19-5-74				
14. एस० एस० जैन	.	"	16-10-74				
15. के० के० पी० सिंह	.	"	23-11-74				
16. योगिन्द्र ज्यूर्शी	.	"	9-11-74				
17. मुशील कुमार	.	"	6-10-74				
18. एस० जयराम	.	"	18-11-74				
19. पी० सी० गोस्वामी	.	"	1-11-74				
20. डा० ए० के० भट्टाचार्य	.	"	25-9-74				
21. श्री एस० नरसिंहा	.	"	1-10-74				

1	2	3	4
सर्वश्री			
22. आर० एस० नेही	"	1-10-74	
23. एस० गंगोपाध्याय	"	8-11-74	
24. ए० बन्दोपाध्याय	"	18-11-74	
25. एस० जी० कुल्ला	"	6-4-75	
26. ए० के० लाल	"	15-11-74	
27. एन० दयाल	"	15-11-74	
28. अलोक सेन	"	3-12-74	
29. एस० के० आनन्द	"	24-9-74	
30. टी० वेंकटरमेया	"	24-9-74	
31. राम लाल	"	24-9-74	
32. सी० राममोहन	"	4-11-74	
33. ए० के० मुख्योपाध्याय	"	8-11-74	
34. बी० के० प्राथार्या	"	22-12-74	
35. पी० एन० सिंहा	"	16-11-74	
36. ए० के० सिंहा	"	4-10-74	
37. चमन लाल	"	8-10-74	
38. डी० एस० सिसोदिया	"	22-12-74	
39. डी० एन० राहते	"	25-10-74	
40. डी० ए० रापा	"	11-10-74	
41. ए० ए० के० सिंहा	"	8-8-75	
42. बी० आर० बाबू	"	23-8-75	
43. श्रीमती कृष्णा राय चौधुरी	"	12-6-75	
44. श्री आर० बी० राव	"	29-8-75	
45. ए० के० चक्रवर्ती	शिफ्ट बास	24-2-75	
46. एस० के० विस्वास	"	1-3-75	
47. एस० एन० श्रीबास्तवा	"	22-3-75	
48. के० सी० पी० सिंह	"	6-10-75	
49. के० एस० एस० राव	"	25-4-75	
50. सी० एल० बी० आर० आमजनेयूस्	"	18-7-75	
51. ए० एस० राव	"	1-7-75	
52. बी० के० प्रसाद	"	31-7-75	
53. बी० के० वर्मा	सहायक रसायनक	7-8-73	
54. जी० पी० पारिक	"	4-3-73	

बी० के० एस० वरदन
महा निवेशक

(खान विभाग)
भारतीय खान व्यूरो

नागपुर, दिनांक 8 फरवरी 1977

सं० ए० 19011 (119)/75-स्था० ए०—राष्ट्रपति श्री
ए० सी० बनरजी, कनिष्ठ खनन भूवैज्ञानिक, भारतीय खान
व्यूरो को दिनांक 20 जनवरी, 1977 के पूर्वाह्न से आगामी आदेश

होने तक उसी विभाग में स्थानापन्न रूप में वरिष्ठ खनन भूवैज्ञानिक
के पद पर सहर्ष नियुक्ति प्रदान करते हैं।

दिनांक 14 फरवरी 1977

सं० ए० 19011 (138)/76-सि० ए०—राष्ट्रपति श्री के०
हतुमंता राव, सहायक खान नियंत्रक, भारतीय खान व्यूरो को दिनांक
21 जनवरी, 1977 के पूर्वाह्न से आगामी आदेश होने तक उसी
विभाग में स्थानापन्न रूप में उप खान नियंत्रक के पद पर सहर्ष
नियुक्ति प्रदान करते हैं।

एल० सी० रणधीर
प्रशासन अधिकारी
हृते नियंत्रक

भारतीय सर्वेक्षण विभाग
महासर्वेक्षक का कार्यालय

देहरादून, दिनांक 15 फरवरी 1977

सं० सी० /724-एस० ओ० एस० (ए)—निम्नलिखित
अधिकारियों को भारतीय सर्वेक्षण विभाग में 550-25-750 द०
रो० 30-900 रु के बेतनमान में उनके सामने वी गयी तारीखों
से अगसे आदेश दिये जाने तक सहायक भण्डार अधिकारी (श्रूप
'बी' पद) के पद पर स्थानापन्न रूप में नियुक्त किया जाता है।

नाम तथा पदनाम	पदोन्नति की तारीख	कार्यालय	जिस में नियुक्ति किया गया है।
---------------	----------------------	----------	--

1. श्री बी० डी० शर्मा स्टोर असिस्टेन्ट सलेक्शन ग्रेड	10-11-76 (प्रपराह्न)	ज्योड़ीय एवं अनु- संधान शाखा, देहरादून।
2. श्री रमेश गुप्ता स्टोर असिस्टेन्ट सलेक्शन ग्रेड	27-1-77 (पूर्वाह्न)	पूर्वोत्तर संकिल, शिलांग।

के० एल० खोसला
मेजर जनरल
भारत के महासर्वेक्षक

भारतीय प्राणि सर्वेक्षण

कलकत्ता-2, दिनांक 10 फरवरी 1977

सं० एक० 75-219/75-स्था०/3007—रेगिस्ट्रान
क्षेत्रीय केन्द्र, भारतीय प्राणि सर्वेक्षण जोधपुर, के डा० मुहम्मद हयात,
अस्थाई सहायक प्राणिवैज्ञानिक, का अपनी इच्छानुसार दिया गया
त्यागन्पत्र 22 दिसम्बर (प्रपराह्न) 1976 से मुजूर कर लिया
गया है।

डा० स० खेरा
संयुक्त निवेशक-प्रभारी

सूचना और प्रसारण मंत्रालय
विज्ञापन और दृश्य प्रचार निदेशालय
नई दिल्ली-1, दिनांक 9 फरवरी 1977

सं० ए० 19012/1/77-स्थापना-2—श्री डॉ सी० राऊत को विज्ञापन और दृश्य प्रचार निदेशक इस निदेशालय के क्षेत्रीय प्रदर्शनी कार्यालय अहमदाबाद में 20 जनवरी, 1977 (पूर्वाह्न) से अगले आदेश तक स्थानापन्न क्षेत्रीय प्रदर्शनी अधिकारी नियुक्त करते हैं।

आर देवासर
उप निदेशक (प्रशासन)
झूते विज्ञान और दृश्य प्रावधार निदेशक

स्वास्थ्य सेवा महानिदेशालय
नई दिल्ली, दिनांक 10 फरवरी 1977

सं० 7/1 (II)/75-सी० जी० एच० एस० 1, भाग I—निवर्तन आयु के हो जाने के फलस्वरूप केन्द्रीय सरकार स्वास्थ्य योजना, दिल्ली में कनिष्ठ चिकित्सा अधिकारी डा० (श्रीमती) कोशल्या शर्मा ने 31 मार्च, 1976 अपराह्न से अपने पद का कार्यभार छोड़ दिया है।

राज कुमार जिन्दल
उप निदेशक प्रशासन

नई दिल्ली, दिनांक 10 फरवरी 1977

सं० ए० 12025 (II)/17/76 प्र० I—स्वास्थ्य सेवा महानिदेशक ने श्री बी० आर० सरोए को 10 सितम्बर 1976 से आगामी आदेशों तक स्वास्थ्य सेवा महानिदेशालय, नई दिल्ली के केन्द्रीय औषधि मानक नियंत्रण संगठन में औषधि मानक सेल में अस्थायी आधार पर तकनीकी अधिकारी के पद पर नियुक्त किया है।

दिनांक 17 फरवरी 1977

सं० 28-8/70-प्रशासन-1—सेवानिवृत्ति की आयु प्राप्त करने के फलस्वरूप क्षेत्रीय सभन्वय संगठन, राष्ट्रीय मलेरिया उम्मूलन कार्यक्रम बंगलोर के डा० एन० एल० सीतारमन, सहायक निदेशक (कीटविज्ञान) ने 31 दिसम्बर, 1976 को अपराह्न में अपने पद का कार्यभार त्याग दिया।

शाम लाल कुठियाला
उप निदेशक प्रशासन

नई दिल्ली, दिनांक 16 फरवरी 1977

सं० ए० 22012/53/76-के० स्वा० से० I—केन्द्रीय स्वास्थ्य सेवा के जी० डॉ ओ० मेरें १ के एक अधिकारी डा० के० के० के० सेवानी ने अपने तबादले के फलस्वरूप 16 नवम्बर 1976 के पूर्वाह्न को विमान पतन स्वास्थ्य संगठन, अम्बर्ह में उप विमान पतन स्वास्थ्य

अधिकारी के पद का कार्यभार छोड़ दिया तथा 25 नवम्बर 1976 के पूर्वाह्न को पतन स्वास्थ्य संगठन, कांसला में उप पतन स्वास्थ्य अधिकारी के पद का कार्यभार संभाल लिया।

के० बेणुगोपाल
उप निदेशक प्रशासन

भारा परमाणु अनुसंधान केन्द्र
(कार्मिक प्रभाग)

बम्बई-400085, दिनांक 15 जुलाई 1976

सं० 5/1/76/स्था० II/1701—भारा परमाणु अनुसंधान केन्द्र के नियंत्रक स्थानापन्न सहायक श्री कावुमपडिकल राधवन पिले चन्द्रन पिले को सहायक कार्मिक अधिकारी श्री सी० जी० सुकुमारन, जिन्हें छुट्टी प्रदान की गई है, के स्थान पर 19-4-76 से 21-5-1976 तक के लिये स्थानापन्न महायक कार्मिक अधिकारी नियुक्त करते हैं।

सं० 5/1/76/स्था० II/1702—भारा परमाणु अनुसंधान केन्द्र के नियंत्रक आशुलिपिक (वरिष्ठ) श्री अडुकुडुकम कुम्हंबू नायर को सहायक कार्मिक अधिकारी श्री पी० आर० राजगोपालन, जिन्हें छुट्टी प्रदान की गई है, के स्थान पर 20-5-76 से 25-6-76 तक के लिये इसी अनुसंधान केन्द्र में स्थानापन्न सहायक कार्मिक अधिकारी नियुक्त करते हैं।

एस० कृष्णमूर्ति
उप स्थापना अधिकारी

बम्बई-85, दिनांक 21 अक्टूबर 1976

सं० पी० ए०/३४ (१)/७३-आर० ४—भारा परमाणु अनुसंधान केन्द्र के नियंत्रक यहाँ के एक स्थाई सहायक सुरक्षा अधिकारी श्री येंकुरिसि वेलापुल्ली राजन को अस्थाई रूप से निम्नलिखित काल के लिये स्थानापन्न सुरक्षा अधिकारी नियुक्त करते हैं।

27 अक्टूबर, 1975 (पूर्वाह्न) से 29 नवम्बर 1975 (अपराह्न)।

19 अप्रैल, 1976 (पूर्वाह्न) से 5 जून, 1976 (अपराह्न)।

दिनांक 27 दिसम्बर 1976

सं० पी० ए०/७३ (९)/७६-आर०-४—भारा परमाणु अनुसंधान केन्द्र के नियंत्रक यहाँ के एक स्थाई सहायक मंट्रन श्रीमती तारा रामचंद्र बलसामकर को 1 जुलाई, 1976 के पूर्वाह्न से आगामी आदेशों तक के लिये तद्देश आधार पर इसी अनुसंधान केन्द्र में स्थानापन्न मंट्रन नियुक्त करते हैं।

पी० उम्मीकृष्णन
उप स्थापना अधिकारी (भ)

बम्बई-400085, दिनांक 8 फरवरी 1977

संदर्भ : जी०/८०३/श्री नोटिस ड/स्थाप०-IV/993—निम्न-
निखित आदेश जो इस अनुसंधान केंद्र के कारीगर 'बी' श्री पी० गंगा-
धरन को उनके पाते से 10 जनवरी, 1977 को रमीदी रजिस्ट्री
द्वारा भेजा गया था, डाकखाने के प्राधिकारियों की 13-1-77 की
इस अध्युक्ति 'बिना कुछ कहे छोड़ दिया' के साथ अवितरित लौट
आया। इसलिये आदेश राजपत्र में प्रकाशित किया जाता है।

आदेश

केन्द्रीय सिविल सेवाएं (अस्थायी सेवा) नियमावली, 1965
के नियम 5 के उपनियम (1) के अनुसार, मैं इसके द्वारा इस अनु-
संधान केंद्र के निर्लंबणीकरण एवं अहिसाक इंजीनियरी प्रभाग के
अस्थायी कारीगर ('बी') श्री पी० गंगाधरन को नोटिस देता हूँ कि
इस नोटिस के उन्हें तामिल होने अथवा, जैसी वस्तुस्थिति हो,
दिये जाने के दिनांक से एक महीने के बाद के दिनांक से उनकी सेवायें
समाप्त हो जायेंगी।

दिनांक 10 फरवरी 1977

सं० एफ० 127/टी० एम० य००/स्थापना 5/1088—
निम्नलिखित आदेश जो इस अनुसंधान केंद्र के कारीगर 'ए'
श्री जी० जे० फरनांडिस को उनके पाते से 7 जनवरी, 1977 को
रमीदी रजिस्ट्री द्वारा भेजा गया था। डाकखाने की प्राधिकारियों की
18-1-1977 की इस अध्युक्ति, 'प्रेषिती ने भारत छोड़ दिया' के
साथ अवितरित लौट आया। इसलिये आदेश राजपत्र में प्रकाशित
किया जाता है।

आदेश

केन्द्रीय सिविल सेवाएं (अस्थायी सेवा) नियमावली, 1965
के नियम 5 के उप नियम (1) के अनुसार, मैं इसके द्वारा इस
अनुसंधान केंद्र के बाह्य अनुरक्षण यूनिट के कारीगर 'ए' श्री जी० जे०
फरनांडिस को नोटिस देता हूँ कि इस नोटिस के उन्हें तामिल होने
अथवा, जैसी वस्तुस्थिति हो, दिये जाने के दिनांक से एक महीने के
बाद के दिनांक से उनकी सेवायें समाप्त हो जायेंगी।

पृथ्वी राज मेर
अध्यक्ष, कार्मिक प्रभाग

बम्बई-5, दिनांक 10 फरवरी 1977

सं० बी०/६२०/लेखा/स्थापना-7/1243—वार्धक्य निवर्तन
की आयु हो जाने पर, इस अनुसंधान केंद्र के एक स्थायी उच्च श्रेणी
लिपिक और स्थानापन्न सहायक लेखाधिकारी श्री शंकर विष्णु
भावे 31 जनवरी, 1977 के अपराह्न से सरकारी सेवा से निवृत्त
हो गये।

एस० रंगनाथन
उप स्थापना अधिकारी

क्रय एवं भंडार निवेशासय

बम्बई-400001, दिनांक 6 जनवरी 1977

सं० ई० पी० एम०/ए/11013/32 (ए)/76/स्थापना/
443—परमाणु ऊर्जा विभाग के क्रय एवं भंडार निवेशक, भंडार
यूनिट (क्रय एवं भंडार निवेशालय) परमाणु ऊर्जा प्रभाग,
हैदराबाद के स्थायी भंडारी नथा स्थानापन्न मुख्य भंडारी श्री वजीर
चन्द को, श्री अरविन्द पांडे, सहायक भंडार अधिकारी, जिन्हें छुट्टी
प्रदान की गई है, के स्थान पर 5 नवम्बर, 1976 के अपराह्न से
15 जनवरी, 1977 के अपराह्न तक तदर्थे आधार पर स्थानापन्न
स्वप्न में सहायक भंडार अधिकारी नियुक्त करते हैं।

वी० पी० चौपड़ा
प्रशासन अधिकारी

पर्यटन और नागर विभानन मंत्रालय

भारत मौसम विज्ञान विभाग

नई दिल्ली, दिनांक 10 फरवरी 1977

सं० ई० (I) 04318—वेधशालाओं के महानिवेशक,
वेधशालाओं के उप-महानिवेशक, (जलवायु विज्ञान), पुणे के
कार्यालय में व्यावसायिक सहायक श्री एच० आर० गोपेश्वर को
17-1-77 के पूर्वाह्न से 31-3-1977 तक 74 दिन की अवधि के
लिए स्थानापन्न महायक मौसम विज्ञानी के पद पर नियुक्त करते हैं।

श्री गणेशन, स्थानापन्न सहायक मौसम विज्ञानी वेधशालाओं के
उप-महानिवेशक, (जलवायु विज्ञान), पुणे के कार्यालय में ही नैनात
रहेंगे।

सं० ई० (I) 05773—वेधशालाओं के महानिवेशक,
वेधशालाओं के उप-महानिवेशक, (उपकरण), नई दिल्ली के कार्यालय
में व्यावसायिक गहायक श्री आर० एम० सक्सेना को 17-1-77
के पूर्वाह्न से 31-3-77 तक 74 दिन की अवधि के लिए स्थानापन्न
महायक मौसम विज्ञानी के पद पर नियुक्त करते हैं।

श्री सक्सेना, स्थानापन्न सहायक मौसम विज्ञानी वेधशालाओं
के उप-महानिवेशक (उपकरण) नई दिल्ली के कार्यालय में ही तैनात
रहेंगे।

सं० ई० () 04193—वेधशालाओं के महानिवेशक,
निवेशक, प्रादेशिक मौसम केन्द्र, कलकत्ता के कार्यालय में व्यावसायिक
महायक श्री के० के० भौमिक को 20-1-77 के पूर्वाह्न से 31-3-77
तक 71 दिन की अवधि के लिए स्थानापन्न सहायक मौसम विज्ञानी
के पद पर नियुक्त करते हैं।

श्री भौमिक, स्थानापन्न सहायक मौसम विज्ञानी निवेशक,
प्रादेशिक मौसम केन्द्र, कलकत्ता के कार्यालय में ही तैनात रहेंगे।

सं० ई० (I) 05481—वेधशालाओं के महानिवेशक, वेध-
शालाओं के महानिवेशक के मुख्य कार्यालय, नई दिल्ली में
व्यावसायिक सहायक श्री एस० एन० भान को 26-1-77 के

पूर्वाह्न से 31-3-77 तक 65 दिन की अवधि के लिए स्थानापन्न सहायक मौसम विज्ञानी के पद पर नियुक्त करते हैं।

श्री भान, स्थानापन्न सहायक मौसम विज्ञानी वेधशालाओं के महानिदेशक के मुख्य कार्यालय, नई दिल्ली में ही तैनात रहेंगे।

सं० ई० (I) 05485—वेधशालाओं के महानिदेशक, वेधशालाओं के महानिदेशक के मुख्य कार्यालय, नई दिल्ली के कार्यालय में व्यावसायिक सहायक श्री एम० डी० कुन्द्रा को 2-2-77 के पूर्वाह्न से 31-3-77 तक 58 दिन की अवधि के लिए स्थानापन्न सहायक मौसम विज्ञानी के पद पर नियुक्त करते हैं।

श्री कुन्द्रा, स्थानापन्न सहायक मौसम विज्ञानी वेधशालाओं के महानिदेशक के मुख्य कार्यालय नई दिल्ली में ही तैनात रहेंगे।

एम० आर० एन० मणिन
मौसम विज्ञानी (स्थापना)
इसे वेधशालाओं के महानिदेशक

महानिदेशक नागर विमानन का कार्यालय

नई दिल्ली, दिनांक 16 दिसम्बर 1976

सं० ए-31011/1/73-ई०सी०—राष्ट्रपति ने निम्नलिखित अधिकारियों को उनके नामों के सामने दी गई तारीखों से तकनीकी अधिकारी के ग्रेड में स्थायी रूप में नियुक्त किया हैः—

क्र०	अधिकारी का नाम	दिनांक
सं०		
1.	श्री वी० के० वर्मा	21-11-74
2.	श्री ए० पी० एस० खन्ना	3-10-75
3.	श्री एस० के० कक्कड़	3-10-75
4.	श्री रिसाल सिंह	3-10-75
5.	श्री प्रवीण सेठ	3-10-75

दिनांक 17 जनवरी 1977

सं० ए-32013/14/76-ईसी—राष्ट्रपति ने निम्नलिखित पाँच तकनीकी अधिकारियों को जो तदर्थ आधार पर वरिष्ठ तकनीकी अधिकारी के पद पर कार्य कर रहे हैं, 1 दिसम्बर, 1976 (पूर्वाह्न) से अन्य आदेश होने तक नियमित आधार पर नागर विमानन विभाग में वरिष्ठ तकनीकी

अधिकारी के पद पर नियुक्त किया है। उनकी तैनाती उनके नामों के सामने दिए गए स्टेशनों पर की गई हैः—

क्र०	नाम	तैनाती स्टेशन
सं०]		
1.	श्री ए० पी० एस० खन्ना	निदेशक, रेडियो निर्माण एवं विकास एक, सफदरजंग एयरपोर्ट, नई दिल्ली।
2.	श्री एस० के० कक्कड़	वैमानिक संचार स्टेशन, पालम
3.	श्री रिसाल मिह	वैमानिक संचार स्टेशन, नागपुर।
4.	श्री डी० सी० मेहता	नियंत्रक संचार, दिल्ली
5.	श्री प्रवीण सेठ	महानिदेशक नागर विमानन मुख्यालय, नई दिल्ली।

दिनांक 8 फरवरी, 1977

सं० ए-32013/3/76-ई० ए०—राष्ट्रपति ने निम्नलिखित अधिकारियों को 19 अक्टूबर, 1976 से अन्य आदेश होने तक नागर विमानन विभाग में स्थानापन्न रूप में विमानन क्षेत्र अधिकारी के पद पर नियुक्त किया हैः—

क्रम	नाम	तैनाती स्टेशन
सं०		
(1)	(2)	(3)
1.	श्री आर० डी० नायर	साताकुज
2.	श्री प्र० पी० कुंगरा	मुख्यालय में तकनीकी अधिकारी (पी)
3.	श्री एम० पी० खोसला	उदमपुर
4.	श्री के० एस० प्रसाद	दमदम
5.	श्री एन० डी० घोष	दमदम
6.	श्री रवि तन्त्रा	सफदरजंग
7.	श्री सी० आर० राव	राजकोट
8.	श्री कुन्दन लाल	ओरंगाबाद
9.	श्री जे० के० सरदाना	सफदरजंग
10.	श्री के० सी० मिश्रा	सी० ए० सी० टी०, इलाहबाद
11.	श्री जी० वी० के० नायर	सफदरजंग
12.	श्री डी० डी० सरदाना	सफदरजंग
13.	श्री के० एन० वेंकचेल्लैया	साताकुज

1	2	3
14.	श्री एस० दयाल	मुख्यालय में तकनीकी अधिकारी (ए० एस०)
15.	श्री एस० सी० सेखरी	पालम
16.	श्री एस० के० जैन	पालम
17.	श्री डी० रामानुजम	श्रीनगर
18.	श्री ए० टी० वर्गिज	कोयम्बटूर
19.	श्री के० बी० एस० राव	मद्रास
20.	श्री एन० पी० शर्मा	सफदरजंग
21.	श्री एस० के० बनर्जी	दमदम
22.	श्री आर० कोदड़एमन	तिरुचिरापल्ली
23.	श्री के० के० सक्सेना	पालम
24.	श्री ए० एम० थामम	मद्रास
25.	श्री एस० ए० राम	दमदम
26.	श्री एम० एम० शर्मा	आगरा
27.	श्री डी० सी० खरब	पालम
28.	श्री एस० एस० पिल्लै	लिंबेश्वरम
29.	श्री के० बी० के० खन्ना	पालम

2. एतद्वारा इस कार्यालय की दिनांक 18-1-1977 की अधिसूचना सं० ए-32013/3/76-ई०ए० रद्द की जाती है।

दिनांक 9 फरवरी 1977

सं० ए०-38012/1/77-ई०सी०—निवृत्ति आयु प्राप्त कर लेने के परिणामस्वरूप सरकारी सेवा से निवृत्त हो जाने पर रेडियो निर्माण और विकास यूनिट, सफदरजंग एयरपोर्ट, नई दिल्ली के श्री एस० रामानुजन, वरिष्ठ तकनीकी अधिकारी ने 31-1-1977 (अपराह्न) से अपने पद का कार्यभार त्याग किया है।

हरिहर नाथ रैना,
उपनिदेशक प्रशासन

नई दिल्ली, दिनांक 15 फरवरी 1977

सं० ए०-19012/2/77-हिन्दी—महानिदेशक नागर विमानन ने श्री बृजराज को 29-1-1977 (अपराह्न) से, तथा अगले आदेश होने तक नागर विमानन विभाग में तदर्थ आधार पर हिन्दी अधिकारी के पद पर नियुक्त किया है और उन्हें नियंत्रक,

केन्द्रीय रेडियो सामग्री भण्डार, नई दिल्ली के कार्यालय में तैनात किया है।

हरिहर नाथ रैना
उपनिदेशक प्रशासन
हृते महानिदेशक नागर विमानन

विदेश संचार सेवा
बम्बई, दिनांक 7 फरवरी 1977

सं० 1/421/77-स्था०—श्री आर० के० बंसल को 11 जनवरी, 1977 के पूर्वाह्न से और आगामी आदेशों तक विं सं० से०, स्विंग काम्पलेक्स, बम्बई में अस्थायी रूप से सहायक अधियंता नियुक्त किया जाता है।

सं० 1/422/77-स्था०—श्री इकबाल सिंह को 13 जनवरी, 1977 के पूर्वाह्न से और आगामी आदेशों तक विं सं० से०, स्विंग काम्पलेक्स, बम्बई में अस्थायी रूप से सहायक अधियंता नियुक्त किया जाता है।

पू० ग० दामले,
महानिदेशक

केन्द्रीय उत्पाद तथा सीमा शुल्क समाहर्तालिय

इलाहाबाद, दिनांक 14 फरवरी 1977

सं० 4/1977—समेकित मण्डल कार्यालय बरेसी में तैनात केन्द्रीय उत्पादन शुल्क वर्ग “ख” के स्थानापन्न अधीक्षक श्री देवेन्द्र मिश्र 30-11-1976 के दोपहर बाद से सरकारी सेवा से निवृत्त हो गए।

हरिहर नाथ रैना,
समाहर्ता

पटना, दिनांक 14 फरवरी 1977

मि० सं० II (7) 1-स्था०/77/1459—इस कार्यालय के स्थापना आदेश सं० 341/76 दिनांक 29-12-76 जो मि० सं० II (3) 51-स्था०/76/8262-89 दिनांक 29-12-76 के द्वारा जारी किया गया है, के अनुसार तीन कार्यालय अधीक्षक, केन्द्रीय उत्पाद शुल्क/सीमा शुल्क की पदोन्तति रु० 650-30-740-35-810-द० रो०-35-880-40-1000-द० रो०-40-1200/- रु० तथा नियमान्तर्गत देय समान्य भत्तों के सहित वैतनमान पर प्रशासन अधिकारी/सहायक मुख्य लेखा अधिकारी के रूप में किया गया। इस आदेश के अनुसरण में जैसा स्थापना आदेश सं० 10/77 दिनांक 10-1-77, मि० सं० II (3) 51-स्था०/76/1310-33 दिनांक 10-1-77 द्वारा ग्रांशिक संशोधन किया गया, निर्मांकित प्रशासन अधिकारी/सहायक मुख्य लेखा अधिकारी, केन्द्रीय उत्पाद शुल्क/सीमा शुल्क श्रेणी ‘ब’ के रूप में उनके नामों के सामने दिए गए

स्थान, तिथि और समय के अनुसार कार्यभार ग्रहण किया।

क्र० सं०	नाम	पद स्थापना के स्थान	कार्यग्रहण करने की तिथि
सर्वश्री			
1.	मो० मोजाहिरउद्दीन	सहायक मुख्य लेखा अधिकारी (वेतन एवं लेखा) केन्द्रीय उत्पाद शुल्क, पटना	4-1-77 (पूर्वाह्नि)
2.	एन० पी० सिन्हा	प्रशासन अधिकारी, केन्द्रीय उत्पाद प्रमण्डल, पटना	11-1-77 (पूर्वाह्नि)
3.	मो० आयूब	प्रशासन अधिकारी सीमा शुल्क प्रमण्डल फारबिसगंज	10-1-77 (पूर्वाह्नि)

**हरिनारायण साहू
समार्हा
केन्द्रीय उत्पाद शुल्क**

शिलांग, दिनांक 8 फरवरी 1977

सं० 1/77—केन्द्रीय आवगारी कलक्टरेट शिलांग के अस्थायी कार्यालय अधिकारी श्री एम० सी० श्याम के अगले आदेश जारी होने तक स्थानापन रूप में केन्द्रीय आवगारी लेखा परीक्षक (श्रेणी-ख) नियुक्त किया गया। श्री एम० सी० श्याम ने लेखा परीक्षक के रूप में दिनांक 17-12-77 (आपराह्नि) को शिलांग में कार्यभार संभाला।

के० एस० साहा,
कलक्टर

केन्द्रीय जल आयोग

नई विल्ली-22, दिनांक 6 दिसम्बर 1976

सं० क०-19012/604/76-प्रशा०-पांच—अध्यक्ष, केन्द्रीय जल आयोग अपने प्रसाद से श्री वी० अच्यूतन कुट्टी, पर्यावरण को केन्द्रीय जल आयोग में सहायक अभियंता के पद पर 650-30-740-35-810-द० रो०-35-880-40-1000-द० रो०-40-1200 रु० के वेतनमान में दिनांक 15-9-76 (पूर्वाह्नि) से आगामी आदेश होने तक पूर्णतया अस्थाई तथा तदर्थ रूप में नियुक्त करते हैं।

श्री अच्यूतन कुट्टी ने अन्वेषण वृत्त-एक फरीवाबाद के अन्तर्गत अंडमान अन्वेषण उप-प्रभाग सं० 3, पोर्ट ब्लेयर, में उपर्युक्त तिथि तथा समय से सहायक अभियंता का पदभार ग्रहण कर लिया है।

दिनांक 18 जनवरी 1977

सं० ए०-12017/5/76-प्रशा०-5—इस आयोग की अधिसूचना सं० ए०-12017/5/76-प्रशा०-5 दिनांक 11-8-76 के क्रम में अध्यक्ष, केन्द्रीय जल आयोग एतद्वारा श्री ए० के० पालित, अनुसंधान सहायक (विज्ञान-रसायन युप) को केन्द्रीय जल आयोग में वेतनमान रूपए 650-30-740-35-810-द० रो०-35-880-40-1000-द० रो०-40-1200 में पूर्णतः अस्थाई एवं तदर्थ आधार पर 9-11-1976 से 12-2-77 की कालावधि या ग्रेड के नियमित रूप से भरने तक, जो भी पहले हो, नियुक्त करते हैं।

जसवंत सिंह,
अवर सचिव
हृते अध्यक्ष, केन्द्रीय जल आयोग

प्रमुख इंजीनियर कार्यालय
केन्द्रीय लोक निर्माण विभाग

नई दिल्ली, दिनांक 8 फरवरी 1977

सं० 33/12/73-ई० सी०-9—राष्ट्रपति, संघ लोक सेवा आयोग द्वारा नामित श्री सुभाष कपूर को, केन्द्रीय लोक निर्माण विभाग में 1100-50-1600 रूपए (तथा सामान्य भत्ते) के वेतनमान में 1100/- रूपए प्रतिमास वेतन पर सामान्य शर्तों पर 1-2-1977 (पूर्वाह्नि) से वास्तुक के अस्थायी पद पर केन्द्रीय सिविल सेवा युप-ए नियुक्त करते हैं। परिवीक्षा काल में सफलतापूर्वक पूर्ण करने पर उनका सामान्य नियमों के अनुसार वेतन नियत किया जाएगा।

2. श्री कपूर 1-2-1977 पूर्वाह्नि से दो वर्ष की अवधि के लिए परिवीक्षा पर रखे जाते हैं।

3. श्री कपूर वास्तुक (वरिष्ठ वास्तुक (नई दिल्ली अंचल) एकक-5, के० का०, के० लो० नि० विभाग, नई दिल्ली में तैनात किए जाते हैं।

सं० 33/12/73-ई० सी०-9—राष्ट्रपति, संघ लोक सेवा आयोग द्वारा नामित श्री पी० शार० दास को, केन्द्रीय लोक निर्माण विभाग में 1100-50-1600 रूपए (तथा सामान्य भत्ते) के वेतनमान में 1300/- रूपए प्रतिमास वेतन पर सामान्य शर्तों पर 1-2-1977 (पूर्वाह्नि) से वास्तुक के अस्थायी पद पर (केन्द्रीय सिविल सेवा युप-ए) नियुक्त करते हैं।

श्री दास 1-2-1977 पूर्वाह्नि से दो वर्ष की अवधि के लिए परिवीक्षा पर रखे जाते हैं।

श्री दास, वास्तुक (मुख्य वास्तुक एकक), के० का०, के० लो० नि० विभाग, नई विल्ली में तैनात किए जाते हैं।

सु० स० प्रकाश राघव,
प्रशासन उप-निदेशक
हृते प्रमुख इंजीनियर

रेल मंत्रालय (रेलवे बोर्ड)

नई दिल्ली, दिनांक 1 फरवरी 1977

सं० 74/आर०ई०/161/1—रेलवे लाइन तथा परिसरों के सभी उपभोक्ताओं को अधिसूचित किया जाता है कि तुगलकाबाद यार्ड साइन नं० 5, 6 तथा 7 अप्र० अगवानी-एवं-खानगी सीधी लाइन (संरचना सं० 1520/टी०-1 से संरचना सं० य० आर० डी०/1 तक) तथा लाइन नं० 11 अप्र० तथा डाउन अगवानी लाइन (संरचना सं० य० आर० -11 से य० आर० डी०-11 तक) के खंडों में सिरोपरि कर्षण के तार दिनांक 31-1-1977 को या उसके बाद किसी भी दिन 25 के० बी० ए० सी० पर चालू कर दिए जाएंगे तथा उसी तारीख से सिरोपरि कर्षण तारों को सभी समय के लिए बिजलीयुक्त भाना जाएगा तथा किसी भी अनधिकृत व्यक्ति को उसके निकट नहीं जाना चाहिए और न ही कोई कार्य करना चाहिए।

सं० 74/आर०ई०/161/1—सर्व साधारण के सूचनार्थ यह अधिसूचित किया जाता है तुगलकाबाद यार्ड में संरचना सं० 1520/टी०-1 से संरचना सं० य० आर० डी०/1 तक के खण्डों में 25 के० बी० ए० सी० बिजली कर्षण के चालू हो जाने के सिलसिले में सक्रिय बिजली तारों को छूने या खतरनाक निकटता में जाने से अत्यधिक ऊंचाई के भार की रोक थाम के उद्देश्य से सड़क स्तर से ऊपर 4.67 मीटर (15 फुट 4 इंच) की ऊंचाई गेज लगाए गए हैं। जनता को एतद् द्वारा अधिसूचित किया जाता है कि वाहनों के लदान के प्रयोजन के लिए निर्दिष्ट उक्त ऊंचाई का पालन करें तथा यह सुनिश्चित करें कि सड़क वाहनों में वहन किया गया भार किसी भी स्थिति में ऊंचाई गेज का उत्तर्धन नहीं करता है।

अत्यधिक ऊंचाई वाले लदान में निम्नलिखित खतरे निहित हैं—

1. ऊंचाई गेज बाहर फेंक दिया जाएगा जिससे सड़क तथा रेलवे लाइन में बाधा उत्पन्न होगी।
2. वहन किया गया सामान या उपकरण (या स्वयं वाहन) क्षतिग्रस्त हो सकता है।
3. सक्रिय तारों को छूने या खतरनाक निकटता के कारण आग लग सकती है जिससे जीवन को खतरा हो सकता है।

बी० भोहत्ती,
सचिव, रेलवे बोर्ड

पूर्णी और पुनर्वास मंत्रालय

पूर्णी विभाग

राष्ट्रीय परीक्षण गृह

कलकत्ता-27, दिनांक 22 जनवरी 1977

सं० जी०-292/ए(स० उ०)—निदेशक, राष्ट्रीय परीक्षण गृह, कलकत्ता, सर्वेश्वी डी० के० राय, सहायक निदेशक

(यांत्रिकी) और बी० एन० सरकार, सहायक निदेशक (यांत्रिकी) (तदर्थे), राष्ट्रीय परीक्षण गृह, कलकत्ता को 26-11-71 से वैज्ञानिक अधिकारी (भौतिकी) वर्तमान में वैज्ञानिक अधिकारी (यांत्रिकी), राष्ट्रीय परीक्षण गृह, कलकत्ता के पदों पर स्थायी रूप से नियुक्त करते हैं।

एस० के० चट्टोपाध्याय,
सहायक निदेशक (प्रशासन)
हासे निदेशक
राष्ट्रीय परीक्षण गृह

विधि, न्याय और कम्पनी कार्य मंत्रालय
(कम्पनी कार्य विभाग)

कम्पनी रजिस्ट्रार का कार्यालय

कम्पनी अधिनियम, 1956 और उसिया स्टील कारपोरेशन प्राइवेट लिमिटेड (समापनअन्तर्गत) के विषय में
कलकत्ता, दिनांक 10 फरवरी 1977

सं० एल०/19650/एच०डी०/1832—कम्पनी अधिनियम, 1956 की धारा 445 की उपधारा 2 के अनुसरण में एतद् द्वारा यह सूचना दी जाती है कि आदरणीय उच्चन्यायालय कलकत्ता ने दिनांक 27-8-76 के आदेशानुसार उपरोक्त कम्पनी के समापन का आदेश दिया है और राजकीय समापक, उच्चन्यायालय, कलकत्ता को उसका राजकीय समापक नियुक्त किया है।

एन० एन० मौलिक,
कंपनियों का सहायक रजिस्ट्रार
पश्चिम बंगाल, कलकत्ता

कम्पनी अधिनियम 1956 और हाउसहोल्ड इण्डस्ट्रीज प्राइवेट लिमिटेड के विषय में

कलकत्ता, दिनांक 15 फरवरी 1977

सं० 23863/560(5)—कम्पनी अधिनियम, 1956 की धारा 560 की उपधारा (5) के अनुसरण में एतद् द्वारा सूचना दी जाती है कि हाउसहोल्ड इण्डस्ट्रीज प्राइवेट लिमिटेड का नाम आज रजिस्टर से काट दिया गया है और उक्त कम्पनी विघटित हो गई है।

कम्पनी अधिनियम 1956 और विज्यालक्ष्मी काटनमिल्स लिमिटेड के विषय में

कलकत्ता दिनांक 15 फरवरी 1977

सं० 12935/560(5)—कम्पनी अधिनियम, 1956 की धारा 560 की उपधारा (5) के अनुसरण में एतद् द्वारा सूचना दी जाती है कि विज्यालक्ष्मी काटनमिल्स लिमिटेड का नाम आज रजिस्टर से काट दिया गया है और उक्त कम्पनी विघटित हो गई है।

कम्पनी अधिनियम 1956 और हेवी प्रेचिंग्स् लिमिटेड के विषय में।

कलकत्ता, दिनांक 15 फरवरी 1977

सं० 25643/560 (5)—कम्पनी अधिनियम, 1956 की धारा 560 के उपधारा (5) के अनुसरण में एतद्वारा सूचना दी जाती है कि हेवी प्रेचिंग्स् लिमिटेड का नाम आज रजिस्टर से काट दिया गया है और उक्त कम्पनी विघटित हो गई है।

कम्पनी अधिनियम 1956 और फोटोप्से सेंडिकेट (इण्डिया) प्राइवेट लिमिटेड के विषय में।

कलकत्ता, दिनांक 15 फरवरी 1977

सं० 25494/560 (5)—कम्पनी अधिनियम, 1956 की धारा 560 की उपधारा (5) के अनुसरण में एतद्वारा सूचना दी जाती है कि फोटोप्से सेंडिकेट (इण्डिया) प्राइवेट लिमिटेड का नाम आज रजिस्टर से काट दिया गया है और उक्त कम्पनी विघटित हो गई है।

कम्पनी अधिनियम, 1956 और लन्दन किलर्स एण्ड डायर्स प्राइवेट लिमिटेड के विषय में।

कलकत्ता, दिनांक 15 फरवरी 1977

सं० 24069/560 (5)—कम्पनी अधिनियम, 1956 की धारा 560 की उपधारा (5) के अनुसरण में एतद्वारा सूचना दी जाती है कि लंदन किलर्स एण्ड डायर्स प्राइवेट लिमिटेड का नाम आज रजिस्टर से काट दिया गया है और उक्त कम्पनी विघटित हो गई है।

कम्पनी अधिनियम 1956 और तलमावेली एग्रिकलचर कार्पोरेशन लिमिटेड के विषय में।

कलकत्ता, दिनांक 15 फरवरी 1977

सं० 18377/560 (5)—कम्पनी अधिनियम, 1956 की धारा 560 की उपधारा (5) के अनुसरण में एतद्वारा सूचना दी जाती है कि तलमावेली एग्रिकलचर कार्पोरेशन लिमिटेड का नाम आज रजिस्टर से काट दिया गया है और उक्त कम्पनी विघटित हो गई है।

कम्पनी अधिनियम 1956 और दि चैस्ट रिपेर्टिंग कं० प्राइवेट लिमिटेड के विषय में।

कलकत्ता, दिनांक 15 फरवरी 1977

सं० 23208/560(5)—कम्पनी अधिनियम, 1956 की धारा 560 की उपधारा (5) के अनुसरण में एतद्वारा सूचना दी जाती है कि दि चैस्ट रिपेर्टिंग कं० प्राइवेट लिमिटेड का नाम आज रजिस्टर से काट दिया गया है और उक्त कम्पनी विघटित हो गई है।

कम्पनी अधिनियम 1956 और दि जूट केरियर्स प्राइवेट लिमिटेड के विषय में।

कलकत्ता, दिनांक 15 फरवरी 1977

सं० 8787/560(5)—कम्पनी अधिनियम, 1956 की धारा 560 की उपधारा (5) के अनुसरण में एतद्वारा सूचना दी जाती है कि दि जूट केरियर्स प्राइवेट लिमिटेड का नाम आज रजिस्टर से काट दिया गया है और उक्त कम्पनी विघटित हो गई है।

एस० सी० नाथ,
कम्पनियों का सहायक रजिस्ट्रार,
पश्चिम बंगाल।

नई दिल्ली, दिनांक 17 फरवरी 1977

सं० लिक्वी०/4136/28674—यतः सरिता बेनिफिट चिट फण्ड एण्ड फाईनेंस प्राइवेट लिमिटेड, (इन लिक्वीडेशन), जिसका रजिस्ट्रीकृत कार्यालय 4066, नया बाजार, देहली-6 में है, का परिसमापन किया जा रहा है।

और यतः, श्रधोहस्ताकर्ता के पास यह विष्वास करने का उन्नित कारण है कि कोई भी समापक कार्य नहीं कर रहा है और समापक द्वारा दी जाने वाली अपेक्षित स्टेटमेंट आफ एकाउन्ट (विवरणियां) छे कमर्ता मास की अवधि की नहीं दी गई है।

यतः अब, कम्पनी अधिनियम, 1956 (1956 का 1) की धारा 560 की उपधारा (4) के उपबन्धों के अनुसरण में एतद्वारा यह सूचना दी जाती है कि इस सूचना की तारीख से तीन मास का अवसान होने पर सरिता बेनिफिट चिट फण्ड एण्ड फाईनेंस प्राइवेट लिमिटेड (इन लिक्वीडेशन) का नाम, इसके प्रतिकूल कारण दर्शित न किए जाने पर रजिस्टर में से काट दिया जाएगा, और कम्पनी को विघटित कर दिया जाएगा।

आर० के० अरोड़ा,
सहायक कम्पनी रजिस्ट्रार,
दिल्ली एवं हरियाणा।

कम्पनी अधिनियम 1956 और एफीसेंट चिट फण्ड प्राइवेट लिमिटेड (परिसमापन में) के विषय में

नई दिल्ली, दिनांक 17 फरवरी 1977

सं० परिसमापन/2859—कम्पनी अधिनियम, 1956 की 560 की उपधारा (5) के अनुसरण में एतद्वारा सूचना दी जाती है कि एफीसेंट चिट फण्ड प्राइवेट लिमिटेड (परिसमापन में) का नाम आज रजिस्टर से काट दिया गया है और उक्त कम्पनी विघटित हो गई है।

कम्पनी अधिनियम 1956 और विजय महालक्ष्मी मोटर एण्ड जनरल फाईनेंस प्राइवेट लिमिटेड (परिसमापन में) के विषय में।

नई दिल्ली, दिनांक 17 फरवरी 1977

सं० परिसमापन/2973—कम्पनी अधिनियम, 1956 की धारा 560 की उपधारा (5) के अनुसरण में एतद्वारा सूचना दी जाती है कि विजय महालक्ष्मी मोटर एण्ड जनरल फाईनेंस प्राइवेट लिमिटेड (परिसमापन में) का नाम आज रजिस्टर से काट दिया गया है और उक्त कम्पनी विघटित हो गई है।

कम्पनी अधिनियम 1956 और कोमोडिटी क्रेडिट कारपोरेशन लिमिटेड (परिसमापन में) के विषय में।

नई दिल्ली, दिनांक 17 फरवरी 1977

सं० परिसमापन/1542—कम्पनी अधिनियम, 1956 की धारा 560 की उपधारा (5) के अनुसरण में एतद्वारा सूचना दी जाती है कि कोमोडिटी क्रेडिट कारपोरेशन लिमिटेड (परिसमापन में) का नाम आज रजिस्टर से काट दिया गया है और उक्त कम्पनी विघटित हो गई है।

कम्पनी अधिनियम, 1956 और फिल्म प्रोडक्शन फाईनेंस कारपोरेशन लिमिटेड (परिसमापन में) के विषय में।

नई दिल्ली, दिनांक 17 फरवरी 1977

सं० परिसमापन/1547—कम्पनी अधिनियम, 1956 की धारा 560 की उपधारा (5) के अनुसरण में एतद्वारा सूचना दी

जाती है कि फिल्म प्रोडक्शन फाईनेंस कारपोरेशन लिमिटेड (परिसमापन में) का नाम आज रजिस्टर से काट दिया गया है और उक्त कम्पनी विघटित हो गई है।

शार० के० अरोड़ा
सहायक रजिस्ट्रार आफ कम्पनीज़,
दिल्ली एवं हरियाणा।

कार्यालय, आयकर आयुक्त
नई दिल्ली, दिनांक 9 फरवरी 1977

(आयकर)

फ०सं०जुरि०/दिल्ली/2/76-77/45075—आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43वाँ) की धारा 124 की उपधारा (1) तथा (2) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए तथा इस विषय पर दिनांक 1-5-76 को आदेश सं० जुरि०/दिल्ली/2/76-77/2667 में आंशिक संशोधन करते हुए आयकर आयुक्त, दिल्ली-2, नई दिल्ली निदेश देते हैं कि आयकर अधिकारी डिस्ट्रिक्ट-6(10) के अधिकार क्षेत्र में आने वाले तथा जिनके नाम अंग्रेजी के अक्षर “एस” से आरम्भ होते हों ऐसे सभी व्यक्तियों या व्यक्तियों के बारे, आय या आय के बारे, मामलों या मामलों के बारे तथा उपरोक्त मद(क) में बताई गई फर्मों के सभी भागीदार व्यक्तियों के बारे में आयकर अधिकारी डिस्ट्रिक्ट-6(5) का समर्त्त अधिकार क्षेत्र, होगा तथा वे इनके बारे में अपने सभी कार्य करेंगे।

यह अधिसूचा 9-2-77 से लागू होगी।

जगदीश चन्द्र,
आयकर आयुक्त, दिल्ली-II, नई दिल्ली

प्ररूप आई० ई० एन० एस० —————

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-II, दिल्ली-1

नई दिल्ली, दिनांक 8 फरवरी 1977

निदश सं० आई० ए० सी०/एक्य०/११/१२३४/७६-७७—
यस: मुझे, एम० एस० [गोयला]
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
दृष्टके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ
के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है
कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपए
से अधिक है।

और जिसकी सं० बी-171 है तथा जो सराय रोहल्ला
दिल्ली में स्थित है (और इससे उपावड़ अनुसूची में और
पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय,
दिल्ली में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908
का 16) के अधीन, तारीख सितम्बर 1976

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रति-
फल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण
है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान
प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और
अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे
अन्तरण के लिए तथा पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से
उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया
है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम,
के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने
या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को,
जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922
का 11) या उक्त अधिनियम या धन-कर अधिनियम,
1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती
द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए
था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ को उपधारा (1) के
अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. श्री दिवान चन्द्र पुत्र श्री नेमा राम निवासी ए-47
सुभद्रा कालोनी, सराय रोहल्ला, दिल्ली रजिस्टर्ड जनरल
अटारनी, श्री प्यारा लाल पुत्र श्री सावन मल।

(अन्तरक)

2. श्री मोहिन्दर पाल पुत्र श्री दिवान चन्द्र, दिल्ली
बी 171 सुभद्रा कालोनी, दिल्ली। (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहिया करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तस्वीरी व्यक्तियों पर सूचना की
तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में
समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी
व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी
अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में
किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

एक सरकारी क्वार्टर नं० बी-171 सुभद्रा कालोनी,
सराय रोहल्ला, दिल्ली लीज हौल्ड अधिकारी सहित निम्न
प्रकार से घिरा है :

उत्तर : सङ्केत।

दधिण : सरकारी क्वार्टर।

पूर्व : रास्ता और पार्क।

पश्चिम : गली।

एम० एस० गोयला

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-11, दिल्ली नई दिल्ली

तारीख : 8 फरवरी 1977

मोहर :

प्रस्तुप आई० टी० एन० एस० —————

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269 घ(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-II, दिल्ली-1

नई दिल्ली, दिनांक 8 फरवरी 1977

निवेश सं० आई० ए० सी०/एस०/11/1235/76-77—
अतः मुझे, एम० एस० गोयला

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे १३ मे
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने
का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/- रुपये से अधिक है

और जिसकी सं० आई/136 है तथा जो कीर्ति नगर, दिल्ली
में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप
से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, दिल्ली
में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का
16) के अधीन, तारीख अक्टूबर, 1976

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों)
और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के
लिए तथा पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त
अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया
गया है—

(क) अन्तरण से हूई किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम,
या धनकर अधिनियम 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में
सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनु-
सरण में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा
(1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. ले० कर्नल राजित्दर सिंह उप्पल पुत्र श्री
बांका राम उप्पल निवासी 15 पोलो रोड, दिल्ली कैन्ट,
दिल्ली।
(अन्तरक)

2. श्री ज्ञान चन्द्र आनन्द पुत्र श्री विलायती राम आनन्द
निवासी आई 5 कीर्ति नगर, दिल्ली।
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाही करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी ग्राक्षेप—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बद्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो
भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर
पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यवित द्वारा ;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख
से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में
हितवद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधीक्षिताक्षरी
के पास लिखित में विये जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :——इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधि-
नियम के प्रधाया 20-क में परिभाषित हैं, वही
प्रयुक्त होगा जो उस प्रधाया में दिया गया है।

अनुसूची

जमीन का टुकड़ा जिसका क्षेत्रफल 331-2/3 वर्गगज
है जोकि प्लाट नं० 136 ब्लाक नं० आई, कीर्ति नगर,
नई दिल्ली में निम्न प्रकार से स्थित है :

उत्तर : सर्विस रोड 15 फुट

वक्षिण : जायदाद नं० आई 135

पूर्व : पार्क और 30 फुट की मड़क

पश्चिम : 15 फुट सर्विस रोड का हिस्सा

एम० एस० गोयला

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-II, दिल्ली, नई दिल्ली-1

तारीख : 8 फरवरी 1977

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एस० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-घ(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज-II, दिल्ली-1

नई दिल्ली, दिनांक 8 फरवरी, 1977

निर्देश सं० आई० ए० सी०/एक्य०/11/1236/76-77—
अतः मुझे, एम० एस० गोयला

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की धारा
269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी सं० एफ० 10/4 है तथा जो कुण्ड नगर,
दिल्ली में स्थित है (और इससे उपाखण्ड अनुसूची में
पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय
दिल्ली में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908
का 16) के अधीन, तारीख नवम्बर 1976
को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिये अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने
का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य,
उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पद्धति
प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया प्रति-
फल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक
रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अम्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या 'उक्त अधिनियम'
या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोगनार्थ अंतरिती द्वारा प्रकट महीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में
सुविधा के लिए;

अतः यह उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के
अनुसरण में, मैं, 'उक्त अधिनियम,' की धारा 269-घ की
उपशारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अथवा:—
3-486 GI/76

1. श्री मोहिन्दर सिंह पुत्र श्री सोहन लाल निवासी
एवं 15 ए, कुण्ड नगर, दिल्ली
(अन्तरक)

2. श्री राज कुमार शर्मा पुत्र श्री शंभू दस शर्मा
निवासी 1260/ए/ए आजाद गली, रोहतास नगर, दिल्ली
(अन्तरिती)

को यह सूचना आरी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के
लिए कार्यवाहियों करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आवेदन:—

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्सम्बद्धी व्यक्तियों पर सूचना
की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद
में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में
से किसी व्यक्ति द्वारा;
(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी व्यक्ति व्यक्ति द्वारा, अद्वैतस्ताक्षरी के पास
लिखित में किये जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में
परिभ्राष्ट हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय
में दिया गया है।

अनुसूची

आयवाद नं० एफ०-10/4 का आधा हिस्सा जोकि
83-1/2 बड़े गज भूमि पर बना है और कुण्ड नगर, दिल्ली-
51 में निम्न प्रकार से बिरा है:

पूर्व: सड़क।

पश्चिम: मकान नं० एफ०-9/4।

उत्तर: 1/2 हिस्सा मकान नं० एफ० 10/4।

दक्षिण: मकान नं० एफ० 10/5।

एम० एस० गोयला

सक्षम प्राधिकारी,
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),
अर्जन रेज-II, दिल्ली, नई दिल्ली

तारीख: 8 फरवरी, 1977

मोहर :

प्रलूप आई० टी० एन० एस० —————

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-घ(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

घर्जन-रेज-II, दिल्ली-1

नई दिल्ली, दिनांक 14 फरवरी 1977

निर्वेश सं० आई० ए० सी०/एक्य०/11/1238/76-77—
भ्रतः मुझे, एम० एस० गोयला
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/- रु से अधिक है

और जिसकी सं० 1706 है तथा जो सोहन गंज, सड़ी
मण्डी, दिल्ली में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में
पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय,
दिल्ली में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908
का 16) के अधीन तारीख नवम्बर 1976
को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने
का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य,
उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पद्धत
प्रतिशत अधिक है और भ्रतरक (भ्रतरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-
फल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक
रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के भ्रतरक
के बायित्व में कभी करने या उससे बचने में
सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य स्थानियों
को, जिन्हे भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या 'उक्त अधिनियम'
या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने
में सुविधा के लिए;

असः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के
अनुसरण में, 'उक्त अधिनियम', की धारा 269-घ की
उपधारा(1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

1. श्रीमती राज बाला पत्नी श्री नरेश चन्द निवासी
35 यू० ए० जयाहर नगर, दिल्ली । (अन्तरक)
2. श्री शीतल प्रसाद पुत्र श्री खेत्र मल निवासी
1490/95 पंजाबी मोहल्ला, सड़ी मण्डी, दिल्ली ।
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के घर्जन के
लिए कार्यवाहियाँ करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के घर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्सम्बद्धी व्यक्तियों पर सूचना
की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि आद
में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में
से किसी व्यक्ति द्वारा;
(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किये जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में व्यापक
परिभाषित हैं, वही प्रथ होगा, जो उस अध्याय
में दिया गया है।

अनुसूची

जमीन का टुकड़ा 71, चारदीवारी सहित, जिसका
म्युनिसिपल नं० 1706 वार्ड 12 तथा क्षेत्रफल 180 वर्गमील
है जो सोहन गंज, सड़ी मण्डी, दिल्ली-7 में निम्न प्रकार
से स्थित है:—

उत्तरः मकान नं० 1704-1705।

दक्षिणः मकान नं० 1706

पूर्वः गली।

पश्चिमः धरमशाला बिल्डिंग

एम० एस० गोयला
सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
घर्जन-रेज-II, दिल्ली, नई दिल्ली-1

तारीखः 14-2-1977

मोहरः

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की

धारा 269 घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-II, दिल्ली-1

नई दिल्ली, दिनांक 14 फरवरी, 1977

निर्देश सं० आई० ए० सी०/एक्य०/11/1237/76-77—

अतः मुझे, एम० एस० गोयला

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपए से अधिक है

और जिसकी सं० 1/2 हिस्सा है तथा जो जे-2/6 ए, राजौरी गाड़न, दिल्ली में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, दिल्ली में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख नवम्बर 1976

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के 15 प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित भें वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से ही किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269 ग के अनुसरण में, उक्त अधिनियम की धारा 269 घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, प्रथात् :—

1. श्री राम पियारा गोसाई पुत्र श्री गोसाई शंकर दास निवासी ई-13 रघुबीर नगर (जे० जे० कालोनी), नई दिल्ली।
(अन्तरक)

2. श्री हरनाम दास गोसाई पुत्र श्री गोसाई गणेश दास निवासी ई-12 रघुबीर नगर (जे० जे० कालोनी), नई दिल्ली।
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना का तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के प्रध्याय 20क में परिभ्रामित हैं, वही अर्थ होंगा जो उस प्रध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

की होल्ड फ्लाट का, आधा हिस्सा जिसका नं० 6 ए, फ्लाइ जे-2 क्षेत्रफल 87.56 वर्गगज (कुल क्षेत्रफल 175.12 वर्ग गज) है जोकि राजौरी गाड़न, नई दिल्ली में निम्न प्रकार से स्थित है:

उत्तर : फ्लाट नं० जे-2/6

वक्षिण : मकान नं० जे-2/6 भी

पूर्व : संविस रोड

पश्चिम : रोड।

एम० एस० गोयला
सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-II, दिल्ली, नई दिल्ली-1

तारीख : 14-2-1977

मौहर :

प्रकृष्ट प्राइंटी०एन०एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की

धारा 269वां (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, लखनऊ

लखनऊ, दिनांक 8 फरवरी 1977

निवेदण सं० 60-पी०/एक्य०—अतः मुझे, अमर सिंह बिसेन

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-वां के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपए से अधिक है

और जिसकी सं० एक मकान है तथा जो मो० अंगूरी बाग में स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकरण अधिकारी के कार्यालय फैजाबाद में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 21-६-१९७६

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और से अन्तरक (अन्तरको) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिस्ते भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या अन्तरक अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया या या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269वां के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269वां की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् :

1. श्री चुनी लाल

(अन्तरक)

2. श्रीमती प्रेमलता अरोड़ा

(प्रस्तरिती)

3. श्री चुनी लाल (वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आवेदन :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यवित्रियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अद्योहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :——इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में विद्या गया है।

अनुसूची

एक मकान जो मोहल्ला अंगूरी बाग, फैजाबाद में स्थित है।

अमर सिंह बिसेन

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, लखनऊ

तारीख : 8-2-1976

मोहर :

प्रकृष्ट प्राइंट ई० एन० एस०—

आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) की धारा
269व (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार
कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेज, लखनऊ

लखनऊ, दिनांक 14 फरवरी 1977

निवाश सं० 44-ज०/अर्जन—प्रतः मुझे, अमर सिंह
विसेन
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269व
के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण
है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-
रु० से अधिक है
और जिसकी सं० प्लाट नं० 18/3732 वर्ग फुट इत्यादि,
कुल 15814 वर्ग गज हैं तथा जो महावा स्टेट जिला
लखीमपुर खीरी में स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूची
में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी
के कार्यालय लखीमपुर खीरी में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम,
1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख 23-6-1976
को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के धृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने
का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य,
उसके धृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे धृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह
प्रतिशत से अधिक है और अम्तरक (अम्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में
वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-
नियम, के अधीन कर देने के अम्तरक के दायित्व में कमी
करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ब) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य मास्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर
अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोगमार्य
अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया
जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

प्रतः, अब, उक्त अधिनियम की धारा 269व के अनु-
सरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269व की उपधारा
(1) के अधीन निम्नलिखित अधिसियों, अर्थात्:—

- | | |
|--|------------|
| 1. कुंवर यशवंत सिंह | (अम्तरक) |
| 2. सरदार जुगराज सिंह | (अन्तरिती) |
| 3. ऋता (वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति
है) | |

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के
लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आमेप:—

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तस्वीरी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोइस्साक्षरी के
पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के प्रधान 20 क में परि-
भाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस प्रधानमें
में दिया गया है।

अनुसूची

एक प्लाट नं० 18/3732 वर्ग गज आदि कुल 15814
वर्ग गज जो महावा स्टेट जिला लखीमपुर खीरी में स्थित
है।

अमर सिंह विसेन
सम्म प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),
अर्जन रेज लखनऊ

तारीख : 14-2-1977

मोहर :

प्रलूप श्री० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269प (1) के अधीन सूचना।

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज, लखनऊ

लखनऊ, दिनांक 14 फरवरी, 1976

निर्देश सं० 77-बी०/अर्जन—अतः मुझे, अमर सिंह
विसेन

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-व
के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है
कि स्थायर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु०
से अधिक है

और जिसकी सं० एक प्लाट नम्बर 1/2739 वर्गगज है
तथा जो महाबा स्टेट जिला लखीमपुर खीरी में स्थित
है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित
है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय लखीमपुर खीरी
में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के
अधीन, तारीख 23-6-1976

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रति-
फल के लिये अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का
कारण है कि यथा पूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके
दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से
अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों)
के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित
उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखत में वास्तविक रूप से कथित नहीं
किया गया है :—

(क) अन्तरण से ही किसी आय की बाबत उक्त अधि-
नियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व
में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;
और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या धन्य आस्तियों
को, जिन्हे भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर
अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ
अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया
जाना चाहिये था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः श्री, उक्त अधिनियम की धारा 269ग के अनुसरण में
मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269 प की उपधारा (1) के
अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. श्रीमती कुंवर राणी सिद्धेश्वरी देवी (अन्तरक)
2. सरदार बलबेन्द्र सिंह (अन्तरिती)
2. ऋता (वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति
है)।

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के
लिए कार्यवाहिया करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी श्राक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना
की सामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद
में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से
किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन के भीतर उक्त स्थायर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोल्लास्ताकरी के पास
लिखित में किये जा सकेंगे।

एष्टोकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

एक प्लाट नाम 1/2739 वर्गगज इत्यादि कुल 15551
वर्गगज जो महाबा स्टेट जिला लखीमपुर खीरी में स्थित
है।

अमर सिंह विसेन
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेज, लखनऊ

तारीख : 14-2-1977

मोहर :

प्रलूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-व (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेज, लखनऊ

लखनऊ, विनांक 14 फरवरी 1977

निर्देश सं० १०-एम०/एक्य०—अतः मुझे, अमर सिंह
बिसेन

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे
इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की
धारा 269-व के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास
करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार
मूल्य 25,000/- रुपए से अधिक है

और जिसकी सं० मकान नं० 80 है तथा जो क्षेत्र स्थावर
लखनऊ में स्थित है (और इससे उपावरु अनुसूची में
पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय
लखनऊ में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का
16) के अधीन, तारीख 28-6-1976

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित
बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान
प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक
(अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे
प्रस्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, मिम्मलिखित
उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित
नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त
अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के
कायित्रि में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हे भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम या
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोगनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने
में सुविधा के लिए;

अतः, अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-व के
अनुसरण में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-व की
उपषारा(1) के अधीन निम्मलिखित व्यक्तियों, प्रर्यात्—

1. श्रीमती बसन्ती गोयल व श्रीमती विनोदनी गुप्ता
(अन्तरक)

2. श्री मिथिलेश कुमार व श्री दुर्गेश कुमार
(अन्तरिती)

3. खरीदार (यह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में
सम्पत्ति है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के
लिए कार्यवाहियां पूर्ण करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख
से 45 दिन की अवधि या सत्संबंधी व्यक्तियों पर
सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि,
जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर
पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में
हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अघोहस्ताक्षरी
के पास लिखित में किये जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

एक मकान नं० 80, जो मौहल्ला क्षेत्र स्थावर लखनऊ
में स्थित है।

अमर सिंह बिसेन
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेज, लखनऊ

तारीख : 14-2-1977

मोहर :

प्रक्रम प्राई० टी० एन० एस०

आयकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, लखनऊ

लखनऊ, दिनांक 14 फरवरी 1975

निवेश सं० 113-आर/अर्जन—अतः मुझे, अमर सिंह
बिसेन

आयकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त प्रधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ
के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण
है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-
रुपए से अधिक है

और जिसकी संलेख मकान नं० के-47/88-89 है तथा
जो बिश्वेशरगंज, बाराणसी में स्थित है (और इससे उपादान
अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजस्ट्रीकर्ता प्रधिकारी के
कार्यालय बाराणसी में रजिस्ट्रीकरण प्रधिनियम,
1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 27-6-1976
को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है मुझे यह विश्वास करने
का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य,
उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह
प्रतिशत अधिक है और अलारक (अन्तरकों) और
अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए क्य
पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित
में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त
प्रधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के
दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य प्राप्तियों
को जिन्हें भारतीय आय-कर प्रधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त प्रधिनियम, या धन-कर
प्रधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ
अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया
जाना चाहिए था, छिपाने में भुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त प्रधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण
में, मैं उक्त प्रधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, प्रथम :—

1. श्री बूज मोहन बिड़ला, लक्ष्मी निवास बिड़ला,
कृष्ण कुमार
(अन्तरक)

2. श्री रामेश्वर दास अग्रवाल, श्याम लाल मेहरा,
श्रीमती इमरती देवी, पुष्पलता अग्रवाल
(अन्तरिती)

3. विक्रेता (वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियों करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
प्रवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा ;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरण :— इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
प्रधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं,
वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है ।

अमरसिंह

मकान नं० के०-47/88-89 जो भोहल्ला बिश्वेशरगंज
बाराणसी में स्थित है ।

अमर सिंह बिसेन
सक्षम प्राधिकारी
'सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, लखनऊ ।

[तारीख : 14-2-1977]

मोहूर :

प्रसूप आई० टी० एम० एस०—————

श्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) का
धारा 269ष (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक श्रायकर आयुक्त (निरीक्षण)

अभियान रेंज, कानपुर

कानपुर, दिनांक 14 फरवरी 1977

निवेदण सं० अर्जन/402/मेरठ/76-77/409—प्रतः मुझे, एल०
एम० गुप्ता,

श्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम, कहा गया है) की धारा 269 ध
के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि
स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपए
से अधिक है

श्री जिसकी संलग्न अनुसूची के अनुसार है तथा जो अनु-
सूची के अनुसार में स्थित है (श्री इससे उपाख्य
अनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकरण अधिकारी के कार्यालय मेरठ में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908
(1908 का 16) के अधीन तारीख 22-6-1976
को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रति-
फल के लिए अस्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण
है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान
प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है श्रीर
अस्तरक (अन्तरकों) श्रीर अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे
अन्तरण के लिए तथ पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से
उक्त अस्तरण लिखत में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया
है—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधि-
नियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के विविध
में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;
और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य प्राप्तियों
को जिन्हें भारतीय आय कर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या घन-कर
अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ
अन्तरिती द्वारा प्रकट न ही किया गया था या किया
जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

प्रतः, अब उक्त अधिनियम, की धारा 269ग के
अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ष की
उपषासा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्पतः—
1—486GI/76

1. श्री ओम प्रकाश बतरा पुत्र स्व० लाल अन्द बतरा
निवासी पी०-14, मेडिकल कलेज, मेरठ। (अन्तरक)

2. डा० बिक्रम यादव पुत्र डा० मीरसिंह यादव निवासी
मानसरोवर कालोनी, प्लाट न० 7-ए, मवाना रोड,
मेरठ। (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां शुरू करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के संबंध में यदि कोई भी आक्षेप—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की सारीख से 45
दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की
तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में
समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी
व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी
अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में
किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों श्रीर पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20 के परिभाषित
है, वही प्रथम होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

अन्तरण सम्पत्ति एक नामोक्तम्बल दो मंजिला मकान
प्लाट न० 7-ए रक्कवा 270 वर्गगज बाके मानसरोवर
कालोनी, मवाना रोड, शहर मेरठ, 1,48,000/- रु० मूल्य
में हस्तान्तरित की गई है।

एल० एन० गुप्ता,
सक्षम प्राधिकारी
सहायक श्रायकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, कानपुर

तारीख : 14-2-1977

मोहर :

प्रस्तुप प्राई० टी० एन० एस०————

ग्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, महायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, भोपाल

भोपाल, दिनांक 1 फरवरी 1977

निवेश सं० प्राई० ए० सी०/एक्षी०/भोपाल/76-77/

790—अतः मुझे बी० के० सिन्हा

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है।

और जिसकी सं० खुली भूमि क्षेत्रफल 1,72,138 वर्ग फुट स्थित रंजीत विलास पैलेस, रत्नाम है, जो रत्नाम में स्थित है (और इससे उपाख्य अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, रत्नाम में रजिस्ट्रीकृत अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख 22-6-1976

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथ पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण निश्चित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की वापत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/ या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हे भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः यद्य, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. श्रीमन्त एच० एच० महाराजा, श्री लोकेन्द्रसिंग जी पुत्र श्री सुजानसिंह जी निवासी रत्नाम। (अन्तरक)

2. (1) श्री छोटेलाल जैन पुत्र श्री कनकमलजी जैन लोधा निवासी थावरिया बाजार पोस्ट सुराजपोर, रत्नाम।

(2) (अ) श्री मानचंद पुत्र श्री दौलचंदजी पटवा निवासी चौमुखीपुल, रत्नाम।

- (ब) श्रीमती सुशीला देवी, पत्नी श्री मानचंद जी पटवा, निवासी चौमुखी पुल, रत्नाम।
- (3) श्री अशोक कुमार जैन पुत्र श्री अमरचंद जैन निवासी मानक चौक, चौमुखी पुल, रत्नाम।
- (4) (अ) श्री पारसमसजी पुत्र श्री बाबूलालजी निवासी जैन कन्या शाला की गली चौमुखी-पुल, रत्नाम।
- (ब) श्री शांतिलाल पुत्र श्री बाबूलालजी बरघट निवासी जैन कन्या शाला की गली, चौमुखी पुल, रत्नाम।
- (5) (अ) श्री रमनलाल (ब) श्री बाबूलाल दोनों पुत्र श्री सूरजमलजी बोहरा निवासी धांस बाजार, रत्नाम।
- (6) श्री अनन्तलाल पुत्र श्री रत्नलालजी मूरत निवासी गौरवाड़ों का वास, रत्नाम।
- (7) (अ) श्री अमृतलाल पुत्र श्री लालचंद जी जैन (ब) श्रीमती सूरजबाई पुत्री श्री लालचंदजी जैन, निवासी दौलतगंज, रत्नाम।
- (8) श्री महेन्द्र कुमार पुत्र श्री सम्राट मलजी मालवीय निवासी धानमंडी, रत्नाम।
- (9) श्री जानकी लाल पुत्र श्री रामलालजी जैन स्टेडियम रोड, भोपाल।
- (10) श्री रत्नलाल पुत्र श्री कन्हैयालालजी जैन, निवासी पैसेसरोड, रत्नाम।
- (11) श्री सागरमलजी पुत्र श्री हीरालालजी मूढ़त, निवासी मानक चौक, रत्नाम।
- (12) श्री राजेन्द्र कुमार पुत्र श्री अमरचंदजी जैन, निवासी मानक चौक, रत्नाम।
- (13) श्री धीरजमल जी पुत्र श्री हीरालालजी मूढ़त, निवासी मानक चौक, रत्नाम।
- (14) श्री दीनदास जी पुत्र श्री आनंदीलालजी लूकिया, निवासी राममोहल्ला, रत्नाम।
- (15) श्री मनोहरलाल पुत्र श्री नाथलालजी बोहरा निवासी बीचलावास, रत्नाम।
- (16) श्री कान्तिलाल, पुत्र श्री भेलुलाल, मन्डत नये कोट के सामने, रत्नाम।
- (17) श्रीमती कान्ताबाई पुत्री श्री बृजलाल शाह, चांदनी चौक, रत्नाम।
- (18) श्री पारसमल पुत्र श्री रत्नलालजी पावेशा निवासी हरी राम दरवाजा रत्नाम।
- (19) श्री ईद रमल पुत्र श्री धनराज जी मूढ़त, निवासी नौलाईपुरा, रत्नाम।
- (20) श्रीमती कृष्णबाई निगम, निवासी नौलाईपुरा, रत्नाम।
- (21) श्रीमती कृ पुखराजबाई पुत्री श्री मानकलालजी महता द्वारा सुरेश क्लाउ एस्टोर, न्यू क्लाउ मार्केट रत्नाम।
- (22) श्री शैतानमल पुत्र श्री बाबूलालजी भाटेवरा, निवासी मानक चौक, रत्नाम।
- (23) श्री राजमल पुत्र श्री कन्हैयालालजी भाटेवरा, 5, बौलतगंज, रत्नाम।
- (24) श्री रमेशचंद पुत्र श्री रामप्रताप दागा, पैलेस के सामने, रत्नाम।
- (25) श्री शान्तिलाल पुत्र श्री मोतीलालजी पोरबाल निवासी बजाजखाना, रत्नाम।
- (26) श्री भेलुलाल पुत्र श्री अम्बालालजी जैन, निवासी रंगरेज रोड, रत्नाम।

- (27) (अ) श्री मिश्रीलाल, (ब) श्री हजारीमल, बोनों निवासी नीमबाला उपासरा, रतलाम।
- (28) श्रीमती प्यारीबाई पत्ती श्री जीवनराजजी द्वारा निहालचन्द जमकलाल, बजाजखाना, रतलाम।
- (29) श्री रोशनलाल कोठारी पुत्र श्री जमकलालजी कोठारी, द्वारा श्री निहालचन्द जमकलाल, बजाजखाना, रतलाम।
- (30) श्री बद्धमान पुत्र श्री राजमलजी चाणोदिया, निवासी नौलापुरा, रतलाम।
- (31) श्री आनन्दी लाल पुत्र श्री जमकलालजी मूणत निवासी सेठी का बाजार रतलाम।
- (32) श्री बसन्तीलाल पुत्र श्री मानकचंद द्वारा बसन्त मेडिकल स्टोर दालू भोवी बाजार, रतलाम।
- (33) श्री अमृतलाल पुत्र श्री मिश्रीमलजी लोधा, निवासी कोठारीबास, रतलाम।
- (34) श्री विमलचंद पुत्र श्री बद्धमानजी गांधी निवासी 15, साधू बाबू, रतलाम।
- (35) श्री नवरत्न पुत्र श्री सम्राटमलजी मालवीय, निवासी धानमंडी, रतलाम।
- (36) श्री भवरलाल जी घोटा पुत्र श्री जमकलालजी निवासी रामगढ़ रोड, रतलाम।
- (37) श्री शांतिलाल कटारिया पुत्र श्री चंपालालजी, चौमुखीपुल, रतलाम।
- (38) श्री प्रकाशचंद पुत्र श्री मनकलालजी भंडारी, निवासी बजाजखाना, रतलाम।
- (39) श्री नरेन्द्र कुमार पुत्र श्री कमरमलजी बोरदिया, निवासी बजाजखाना, रतलाम।
- (40) श्री इंद्रमल पुत्र श्री नानालालजी मंडोत, निवासी करड, तहसील पेटलाबद, जिला फाबुआ।
- (41) श्री नेमीचंद पुत्र श्री भरतलालजी गोयल निवासी बासीन्दा हवेली पेलेसरोड, रतलाम।
- (42) श्री मथ्यबकुमार पुत्र श्री जयन्तीलाल वर्मा निवासी पुरानी कोटे श्रीमालीबास, रतलाम।
- (43) श्री मोहनलाल पुत्र श्री सरदारमलजी टण्डन निवासी बीर सावरकर मार्ग, रतलाम।
- (44) श्री भवरलाल पुत्र श्री संतोषकुमार मूढ़त, निवासी चांदनी चौक, रतलाम।
- (45) श्री सुशील कुमार पुत्र श्री गेंदालालजी जैन निवासी धास बाजार, रतलाम।
- (46) श्री मंगलसिंह पुत्र श्री ओंकारसिंह निवासी हाकिमबाड़ा, रतलाम।
- (47) श्री अजीतसिंह पुत्र श्री ओंकारसिंह हाकिमबाड़ा, रतलाम।
- (48) श्री मांगीलाल पुत्र श्री राजमलजी बोगना निवासी चौमुखीपुल, रतलाम।
- (49) श्री रमेशचंद पुत्र श्री शैतानमलजी निवासी न्यू कलाथ मार्केट, रतलाम।
- (50) श्री भवरलाल पुत्र श्री कुन्दनमलजी द्वारा कृष्णा ट्रेडिंग धानमंडी, रतलाम।
- (51) श्री धीसालाल पुत्र श्री वीरेन्द्र कुमार जी द्वारा कृष्णा ट्रेडिंग धान मंडी, रतलाम।
- (52) श्री सूरजमलजी पुत्र श्री कपूरचंदजी निवासी नीमचौक, रतलाम।
- (53) श्री कातीलालजी पुत्र श्री जुहारमलजी निवासी राबटी, जिला रतलाम।
- (54) श्री पारसकुमार पुत्र श्री शांतिलालजी कटकाणी निवासी बजाजखाना, रतलाम।

- (55) श्री प्रकाशचंद पुत्र श्री शांतिलाल कटकाणी निवासी बजाजखाना, रतलाम।
- (56) श्री प्रदीपकुमार पुत्र श्री रोशनलाल जी कुंजावत निवासी कालेज रोड, रतलाम।
- (57) श्री महेशकुमार पुत्र श्री हीरालालजी निवासी बजाजखाना, रतलाम।
- (58) श्री जितेन्द्र कुमार पुत्र श्री हीरालालजी निवासी बजाजखाना, रतलाम।
- (59) श्री हंसमुखलाल पुत्र श्री कंचनलाल शाह, पैलेस रोड, रतलाम।
- (60) श्री मणीलाल पुत्र श्री सागरमलजी गुगलिया निवासी बजाजखाना, रतलाम।
- (61) श्री लालचंद पुत्र श्री हिमतमल लूणावत निवासी शायर अबूरता, रतलाम।
- (62) श्री शांतिलाल पुत्र श्री रामलाल पिपाड़ा निवासी बजाजखाना, रतलाम।
- (63) श्री डाढ़मचंद पुत्र श्री कालूरामजी द्वारा भारत अम्बेला फैक्टरी, मानक चौक, रतलाम।
- (64) श्री कनकमलजी पुत्र श्री रतनलालजी गांधी जिला फाबुआ।
- (65) बनीता कुमारी पुत्री सगरमलजी नलवाया निवासी बाबद, जिला मंदसीर।
- (66) श्रीमती शीला देवी पत्ती श्री कोमलसिंगजी नाहर, निवासी 18, धास बाजार, रतलाम।
- (67) श्री कोलमरायजी पुत्र श्री योगेन्द्रकुमारजी पांचाल, निवासी डालूमोदी बाजार, रतलाम।
- (68) श्रीमती रुपीबाई पत्ती श्री माध्यालालजी निवासी तोपखाना चौराहा, रतलाम।
- (69) श्री हीरालाल पुत्र श्री रतनलालजी कटारिया निवासी सेठी का बाजार, रतलाम।
- (70) श्री बाबूलाल पुत्र श्री चांदमलजी गांधी निवासी राबटीपेस्ट राबटी।
- (71) श्री अमृतलाल मोतीलालजी कटारिया, निवासी राबटी पोस्ट राबटी।
- (72) श्री समीरमल पुत्र श्री मोतीलाल गणत निवासी चौमुखीपुल, रतलाम।
- (73) श्री कन्हैयालाल पुत्र श्री मोतीलालजी मुढ़त चौमुखीपुल, रतलाम।
- (74) श्री बद्रीलाल पुत्र श्री बिहारीलालजी सोनी निवासी ताल (तहसील आलौट)।
- (75) (अ) श्री जमकलाल पुत्र श्री चांदमलजी भटगर निवासी हटीराम दरवाजा, रतलाम।
(ब) श्री पूनमचंदजी पुत्र श्री चांदमलजी भटगर निवासी हटी राम दरवाजा, रतलाम।

(अन्तरिक्षी)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हूँ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप:—

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तस्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अधिक बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-बद्ध किसी भन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अमृसूची

खुली भूमि क्षेत्रफल 1,72,138 वर्ग फुट स्थित रजीत विलास पैलेस, रत्नाम।

वी० के० सिन्हा
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, भोपाल

तारीख : 1-2-1977

मोहर :

प्रलेप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार
कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, भोपाल
भोपाल, दिनांक 5 फरवरी 1977

निवेश सं० आई० ए० सी०/एक्वी०/भोपाल/76-77/
791—अतः, मुझे, वी० के० सिन्हा

आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य, 25,000/- रु से अधिक है,

और जिसकी संख्या मकान है, जो इन्दौर में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, इन्दौर में रजिस्ट्रीकृत अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख 21-6-1976

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य, से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिये तथ याया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की आवस्त उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व, में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिये; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अर्थ आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था, या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिये;

मत: अब, उक्त अधिनियम की धारा 269ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्पातः:—

1. श्री विनयचन्द्र पुत्र श्री गोपालराव मिथवाप्रोकर निवासी 29, पुण्य कुंज, सोसायटी, अहमदाबाद (गुजरात)। (अन्तरक)

2. श्रीमती राजकुमारी पत्नी श्री डा० शान्तचंद्र पक्षाङ्गिया निवासी छोटी खाल टोली, इन्दौर। (अन्तरिती)

को यह सूचना आरी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिये एतद्वारा कार्यवाहियाँ शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अर्थ व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकें।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अमृसूची

मकान नं० 44 का आधा भाग, स्ट्रीट नं० 2, साउथ तुकोगंज, इन्दौर।

वी० के० सिन्हा
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, भोपाल

तारीख : 5-2-1977

मोहर :

प्रस्तुत प्राईंटी० एन० एस०—
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269व (1) के अधीन सूचना
भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेज, भोपाल
भोपाल, दिनांक 5 फरवरी 1977

निवेश सं० आई० ए० सी० एक्वी०/भोपाल/76-77/
792—अतः, मुझे, बी० के० सिन्हा

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269वा,
के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण
है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु०
से अधिक है

और जिसकी सं० खुली भूमि है, जो खालियर में स्थित है
(और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित
है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, खालियर में
रजिस्ट्रीकृत अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन
29-6-1976

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथा पूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथ पाया गया
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण सिखित में वारसविक
रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के
लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को जिन्हे भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम,
या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थी अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में
सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269वा के अनुसरण में,
मैं उक्त अधिनियम की धारा 269व की उपधारा (1) के अधीन,
निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

1. श्रीमत माधवराव सिंधिया पूर्व स्व० महाराजा
जीवाजी राव सिंधिया, खालियर। (अन्तरक)
2. बीमा सहकारी गृह निर्माण संस्था मर्यादित द्वारा
प्रेसिडेन्ट श्री जे० एम० मजूमदार, खालियर।
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहिया शुरू करता हूँ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप:—

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना
की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद
में समाप्त होती है, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से
किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो 'उक्त
अधिनियम' के अध्याय 20क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में
दिया गया है।

अनुसूची

खुली भूमि खेत्रफल 6,65,500 वर्ग फुट स्थित जय
विलास पैसेस, खालियर।

बी० के० सिन्हा
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेज, भोपाल

तारीख : 5-2-1977

मोहर :

प्रसूप आई० ई० एन० एस० —————

आयकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, भोपाल

भोपाल, दिनांक 9 फरवरी 1977

निर्देश सं० आई० ए० सी० एक्टी०/भोपाल/76-77/
798—अतः, मुझे वी० के० सिन्हा

आयकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त प्रधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ
के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि
स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु से
अधिक है।

और जिसकी सं० भूमि तथा मकान है, जो ग्वालियर में
स्थित है (और इससे उपांडड अनुसूची में और पूर्ण रूप से
र्धांगत है), रजिस्ट्रीफर्टी प्राधिकारी के कार्यालय, ग्वालियर
में रजिस्ट्रीफर्टी प्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के
अधीन तारीख 23-6-76

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने
का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके
दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से
अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों)
के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथ पाया गया प्रतिफल, निम्न-
लिखित उद्देश्य से उक्त प्रस्तरण लिखत में वास्तविक रूप से
कथित नहीं किया गया है—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त
प्रधिनियम, के अधीन कर देने के अस्तरक के दायित्व
में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;
और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को,
जिन्हें भारतीय आय-कर प्रधिनियम, 1922 (1922
का 11) या उक्त प्रधिनियम या धन-कर
प्रधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ
प्रस्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया
जाना आहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त प्रधिनियम, की धारा 269-घ के प्रनु-
सरण में, मैं, उक्त प्रधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्—

1. वि सिन्हिया इन्वेस्टमेन्ट प्रा० लि० द्वारा श्री धोम
प्रकाश भार्गव पुत्र श्री कन्हैया लाल निवासी गीता कालोनी,
लक्ष्मण, ग्वालियर।
(अन्तरक)

2. मैसर्स भारत बिल्डर्स द्वारा पार्टनर (1) श्री सुभाष
सामंती पुत्र श्री अनंतकुमार सामंती, (2) श्री विश्वनाथ
द्वाल पुत्र श्री गणेशीलाल खण्डेलवाल।
(अन्तरित)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के
लिए कार्यवाहिया करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आशेषः—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तस्वीरधी व्यक्तियों पर सूचना की
तारीख से 30 दिन की अवधि जो भी अवधि बाद में
समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से
किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी
अन्य व्यक्ति द्वारा, अघोहस्ताक्षरी के पास लिखित
में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
प्रधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं,
वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

भूमि तथा बिल्डिंग "मोती तबेला" बियरिंग सर्वे नं०
137 वार्ड नं० 26 स्थित "जय विलास पैलेस" लक्ष्मण,
ग्वालियर।

वी० के० सिन्हा
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, भोपाल

तारीख : 9-2-1977

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-व (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेज, भोपाल

भोपाल, दिनांक 14 फरवरी 1977

निर्देश सं० आई० ए० सी०-एक्वी०/भोपाल/76-77/
799—ग्रतः मुझे, वी० के० सिन्हा,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-व के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि राष्ट्रवाच सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपए से अधिक है

और जिसकी सं० भूमि है, जो रायपुर में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, रायपुर में रजिस्ट्रीकर्ता अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख 17-6-1976 को

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिये अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पम्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की वापस, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोगनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

ग्रतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-व के अनुसरण में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, ग्रन्ति :—

1. (1) श्री कान्ती लाल पुत्र श्री रुद्र भाई, निवासी सिविल लाईन, रायपुर।
(2) श्री नवल शंकर पुत्र श्री किशन ढबे निवासी सिविल लाईन, रायपुर। (अन्तरक)
2. (1) काजी हिमतभाई पुत्र श्री मुरारबेलू भाई निवासी रायपुर।
(2) श्रीमती शान्ती बाई पस्ती श्री बलभ जी निवासी रायपुर। (अन्तरिती)

को यह सूचना आरी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी प्राक्षेप :—

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के प्रधायाय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस प्रधायाय में दिया गया है।

अनुसूची

भूमि खसरा नं० 243/1, 244/2 क्षेत्रफल 26,572
वर्ग फुट स्थित ग्राम चिरलाडि, रायपुर।

वी० के० सिन्हा
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेज, भोपाल।

दिनांक : 14 फरवरी 1977
मोहर :

प्रूलप आई० टी० एन० एस०—

ग्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269व (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, भोपाल

भोपाल, दिनांक 14 फरवरी 1977

निदेश सं० आई० ए० सी० एक्वी/भोपाल/76-77/800—

अतः मुझे, बी० के० सिन्हा

ग्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-व
के अधीन सकाम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है
कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से
अधिक है,

और जिसकी सं० भूमि है, जो रायपुर में स्थित है (और इससे
उपबद्ध अनुसूची में और पूर्ण के रूप से वर्णित है),
रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय रायपुर में रजिस्ट्रीकर्ता
अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन 17-6-76 की
पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरिक्ष की गई है और मुझे यह विश्वास करने
का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके
दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से
अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अम्तरिती (अन्तरितियों)
के बीच ऐसे अन्तरण के लिये तथा पाया गया प्रतिफल, निम्न-
लिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखत में वास्तविक रूप से
कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से मुई किसी ग्राय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में
कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिये; और/या

(ख) ऐसी किसी ग्राय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हे भारतीय ग्रायकर अधिनियम 1922
(1922 का 11), या उक्त अधिनियम, या धन-कर
अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजन-
नार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट मर्ही किया गया था या
किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिये;

अतः, अब उक्त अधिनियम की धारा 269व के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269व की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित अक्षियों, अर्थात् :—

1. (1) श्री कान्ती लाल पुत्र श्री रुड़ाभाई निवासी सिविल
लाइन, रायपुर

(2) श्री जय सुखलाल पुत्र श्री नवल शंकर दबे नथा
सैफुद्दीन व मदर्हीन निवासी सिविल लाइन,
रायपुर
(अम्तरक)

2. (1) श्री काजी भाई,
(2) श्री हिमत भाई
(3) श्रीमती बेलूबाई पत्नी श्री धामजी
(4) श्रीमती मांता आई पत्नी श्री मोहनलाल
(5) श्रीमती सावित्री बाई पत्नी श्री बलभाई
सभी निवासी रायपुर।
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहिया करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी ग्रामेष :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की
तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद
में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से
किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी
अन्य व्यक्ति द्वारा, प्रधोहस्ताक्षरी के पास लिखित
में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही प्रथा होगा, जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अमुसूची

भूमि खसरा नं० 242/1, 244/2 खेतफल 35284
वर्ग फुट स्थित ग्राम मिरहलड़ि, रायपुर।

वी० के० सिन्हा
सकाम प्राधिकारी
सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, भोपाल
तारीख : 14-2-1977
मोहर :

प्रसूप आई० टी० एन० एस०————

प्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की

धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक प्रायकर प्रायुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, भोपाल

भोपाल, दिनांक 14 फरवरी 1977

निवेश सं० आई० ए० सी० एक्सी०/भोपाल/76-77/
801—प्रतः मुझे, बी० के० सिन्हा

प्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-घ के अधीन सक्षम प्राप्तिकारी को, यह विश्वास करने
का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/-रुपए से अधिक है

और जिसकी सं० दोमंजिल मकान है, जो सागर में स्थित
है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित
है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, सागर में रजिस्ट्री-
कर अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन
28-2-1976

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों)
और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अस्तरण के लिए
तय पाया गया प्रतिफल, सिमलिक्षित उद्देश्य से उक्त अन्तरण
सिखित में वास्तविक रूप से कथित महीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, 'उक्त
अधिनियम' के अधीन कर देने के अन्तरक के वायित्व
में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए
और; या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य प्राप्तियों
को जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या 'उक्त अधिनियम' या
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोगनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
या या किया जाना चाहिए या, छिपाने में सुविधा
के लिए;

प्रतः भव, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ के अनुसरण
में, मैं उक्त अधिनियम, की धारा 269-घ की उपधारा (1)
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—
5-486GI/76

1. श्री भारत सिंह चौहान पुत्र श्री मोती सिंह चौहान
निवासी रामपुरा वार्ड, सागर। (अन्तरक)

2. श्रीमती रामदेवी पुत्री श्री शंकर दत्त पाठक निवासी
रामपुरा वार्ड, सागर। (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियाँ करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आवेदन—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा प्रदोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में लिए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो 'उक्त
अधिनियम', के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं,
वही पर्यंत होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

मनुसूची

दो मंजिला मकान साथ में एक कुमार, ऑफिस 7350
वर्ग फुट स्थित सागर।

बी० के० सिन्हा
सक्षम प्राप्तिकारी
सहायक प्रायकर प्रायुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, भोपाल

तारीख : 14-2-1977
मोहर :

प्रस्तुप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269ए (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, भोपाल

भोपाल, दिनांक 14 फरवरी 1977

निवेश सं० आई० ए० सी०-एक्वी/भोपाल/76-77/
803—अतः मुझे, बी० के० सिन्हा

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे
इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है),
की धारा 269-ए के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह
विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका
उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है
और जिसकी सं० कृषि भूमि है, जो बैरासिया में स्थित
है (और इससे उपायद्वय अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित
है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, बैरासिया में रजिस्ट्री-
कृत अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन
8-6-76

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का
कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य,
उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह
प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिये तथ्य पाया गया
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में
वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हूई किसी भाय की बाबत, उक्त
अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के
लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी भाय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धन कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने
में सुविधा के लिए।

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ए के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ए की उपायारा (1) के
अधीन निम्नलिखित अधिकारी, अर्थात्:—

1. (1) श्री जालचन्द्र पुत्र श्री कुंदीलाल जैन।
(2) श्री भगवान पुत्र श्री नवलचन्द्र जैन निवासी
(अन्तरित)
2. (1) श्री सीताराम, (2) श्री भगवान सिंह दोनों
पुत्र श्री नाथूराम मैना निवासी ग्राम बूढ़ीरकला,
बैरासिया।
(अन्तरित)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी प्राक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की
कामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि वाले में
समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से
किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितमढ़
किए अथवा व्यक्ति द्वारा, प्रधोहस्ताकरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

पञ्चांगिकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20 के परिचायित
हैं, कहीं अर्थ होमा, जो उस अध्याय में
दिया गया है।

अनुसूची

कृषि भूमि जाता नं० 46, लोकपाल 15.206 हेक्टेयर
स्थित ग्राम परासी गुजर कला, बैरासिया।

बी० के० सिन्हा
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, भोपाल

तारीख : 14-2-77

मोहर :

प्रसूप शाई० टी० एन० पृ०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269व (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज, भोपाल

भोपाल, दिनांक 15 फरवरी 1977

मिर्देश सं० शाई० ए० सी०-एक्वी०/भोपाल/76-77/
804—अतः मुझे, बी० के० सिन्हा

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उत्तर अधिनियम' कहा गया है) की धारा 269व
के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है
कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-रु०
से अधिक है

और जिसकी संख्या भूमि है, जो हरदा में स्थित है (और
इससे उपायदृ अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है),
रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, हरदा में रजिस्ट्रीक्ट
अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख
23-6-1976

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का
कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके
दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्नह
प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिये तथा पाया गया
प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में
वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के प्रस्तरक के दायित्व
में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;
और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य सास्तियों
को, जिसे भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या छन-कर
अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोगनार्थं प्रस्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या
किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिये;

अतः, अब, उक्त अधिनियम की धारा 269व के अनुसरण में,
मैं, उक्त अधिनियम, की धारा 269व की उपधारा (1) के
अधीन, निम्नलिखित अधिकारी अर्थात् :—

1. श्री नारायण राव पुत्र श्री दामोदर राव जोशी
संयुक्त हिन्दू परिवार (1) श्री परसराम, (2) श्री
गनपतराव, (3) श्री रवीन्द्र कुमार, सभी पुत्र श्री नारायण
राव जोशी निवासी हरदा।
(अन्तरक)

2. (1) श्री शिवनाथ सिंह, (2) श्री हरी सिंह,
(3) श्री नाथ सिंह, (4) श्री कमल सिंह पुत्र श्री छतरा
सिंह, निवासी फड़ोला, हरदा।
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहिया शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्रमण :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्संबंधी अधिकारी पर सूचना की
तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद
में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त अधिकारी में से
किसी अधिकता द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य अधिकारी द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं,
वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

भूमि खसरा नं० 121/1, क्षेत्रफल 36.06 हेक्टर
स्थित ग्राम कड़ोला, हरदा।

बी० के० सिन्हा
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेज, भोपाल

तारीख : 15-2-1977

मोहर :

प्रसूप आई०टी० एम०एस०—

प्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269 थ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक प्रायकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, भोपाल

भोपाल, विनांक 15 फरवरी 1977

निर्देश सं० आई० ए० सी०-एक्वी०/भोपाल/76-77/
805—अतः मुझे, बी० के० सिन्हा
प्रायकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की धारा 269 थ
के अधीन सक्षम प्राविकारी को, यह विश्वास करने का कारण है
कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु०
से अधिक है,

और जिसकी सं० कृषि भूमि है, जो ग्वालियर में स्थित
है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित
है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, ग्वालियर में
भारतीय रजिस्ट्रीकर्ता अधिनियम, 1908 (1908 का 16)
के अधीन तारीख 30-6-76 को
पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल
के लिये, अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण
है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान
प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है
और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के द्वारा
ऐसे अन्तरण के लिये तथा पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य
से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया
गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी धार्य की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;
और/या

(ख) ऐसी किसी धार्य या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय प्रायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धन-कर अधिनियम 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः भव, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण, में
मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-थ की उपबारा (1) के
अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, घर्ता :—

1. (1) श्री अमोलसंग्रह सिंह, (2) श्री भगत सिंह बोनों पुत्र
श्री पारा सिंह निवासी लक्ष्मी बाई कालोनी, लक्ष्मकर ग्वा-
लियर द्वारा पावर आफ एटर्नी श्री अशीत सिंह पुत्र श्री
वीर सिंह निवासी खेड़ापती कालोनी, ग्वालियर (अन्तरक)

2. (1) श्री लालाराम पुत्र श्री रत्न सिंह, (2) श्री
विशाल सिंह पुत्र श्री सुरेशसिंह, (3) श्री बाबू सिंह पुत्र
श्री नरेन्द्र सिंह, (4) कैलाश सिंह (5) श्री महताम
सिंह, (6) श्री लालाराम निवासी केदार पुर परगना
(ग्वालियर) (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के
लिये कार्यवाहिया करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना
की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद
में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से
किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी
अन्य व्यक्ति द्वारा, अघोहस्ताक्षरी के पास लिखित
में किये जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो प्रायकर
अधिनियम, के अध्याय 20 के परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

कृषि भूमि आता नं० 48, क्षेत्रफल 135 बीघा 19
मिल्या स्थित ग्राम केदारपुर, ग्वालियर।

बी० के० सिन्हा
सक्षम प्राविकारी
सहायक प्रायकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, भोपाल

तारीख : 15-2-1977।

मोहर :

प्रस्तुत माई० टी० एन० एस०————

(1) श्रीमती मनोरमा देवी, पुराना अमला पत्ती सिवसागर टाउन।

(अन्तरक)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269 घ (1) के अधीन सूचना

(2) श्रीमती जामिनिदेवी, पुराना अमला पत्ती सिवसागर टाउन।

(अन्तरिती)

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज, सिलांग

सिलांग, थिनांक 26 फरवरी, 77

निवेश सं० ए० 128/सि०ब०/76-77-1281-89:—अतः
मुझे, एगबर्ट सिंग

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ
के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि
स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु
से अधिक है

और जिसकी सं० दाग सं० 4433 पि०पि० सं० 1754
है तथा जो सिवसागर टाउन में स्थित है (और इससे उपाबद्ध
अनुसूचि में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकरकर्ता अधिकारी
के कार्यालय नगर महल मौजा, आसाम में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम
करण 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख 10-८-७६
को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने
का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके
दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत
से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और (अन्तरिती)
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक
रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की आवृत्त, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के वायित्व में
कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अस्य आस्तियों को,
जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922
का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर
अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ
अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया या या किया
जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)
के अधीन निम्नलिखित धर्यांत् :—

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता हूँ,

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तस्वीरधी व्यक्तियों पर सूचना की
तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में
समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से
किसी व्यक्ति द्वारा,

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी
अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में
किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधि-
नियम, के अध्याय 20क में परिभाषित हैं, वही
अर्थ होंगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूचि

जमीन की माप 1 (एक) बिषा 3 (तीन) काठा 13
(तेरह) लेचा जो कि दाग सं० 4433 और पि० पि० सं० 1754
मौजा नगर महल, सिवसागर टाउन, आसाम में स्थित है।

एगबर्ट सिंग
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेज, सिलांग

तारीख : 26-२-७७

मोहर :

प्रलेप आई० टी० एन० एस०—

ग्रामकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ए(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक ग्रामकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-V, बम्बई

बम्बई-400002, दिनांक 8 फरवरी 1977

निवेदा सं० ए० आर० वी०/69513/76-77/—ग्रामः
मुम्बई, आर० जी० नेहरुकर

ग्रामकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ए के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी सं० सर्वे नं० 85 (पार्ट) और 87 (पार्ट)
है तथा जो बाटकोपर में स्थित है (और इससे उपावड्ह
अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के
कार्यालय, बम्बई में रजिस्ट्रीकृत अधिनियम,
1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख 23-6-1976
को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुम्बई यह विश्वास करने
का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य,
उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह
प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया प्रति-
फल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक
रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत 'उक्त
अधिनियम' के अधीन कर देने के अन्तरक
के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में
सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या भव्य प्राप्तियों
को, जिन्हें भारतीय ग्रामकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम
या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने
में सुविधा के लिए;

ग्रामः अब उक्त अधिनियम, की धारा 269-ए के
उपचारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, ग्रामीणः—

1. (1) करसन रावजी पटेल, (2) कानजी रावजी
पटेल, (3) गोविंद करसन पटेल, पाठनर मैसर्स के० आर०
पटेल एन्ड ब्रदर्स भावेश्वर नगर, म० गांधी रोड, बाटकोपर
बम्बई-77। (प्रस्तरक)

2. परमेश्वर निकेतन प्रिमाइसेस को० हा० सो०
लिमिटेड, "परमेश्वर धाम" ८वा रास्ता राजाबाड़ी बाटकोपर
बम्बई-77। (प्रस्तरिती)

3. जैसा कि अनुबन्ध 'ए' में है। (वह व्यक्ति, जिसके
अधिभोग में सम्पत्ति है)।

4. उक्त विवरण (वह व्यक्ति, जिसके बारे में अधो-
हस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

अनुबन्ध 'ए'

किराएदारों की सूची

ब्लॉक नं०	नाम	रु०
1	2	3
1.	श्री मनुभाई सुखलाल दफतरी	41,050.00
2.	श्री बलबन्तरी पुरुषोत्तम कामदार	38,850.00
3.	श्री रमेश एम० सुतिया और श्रीमती मधुकान्ता एम० सुतिया	41,950.00
4.	श्रीमती चन्द्रिका चुनिलाल ठक्कर और श्रीमती कुंजलता करसनदास ठक्कर	61,080.00
5.	श्री चन्द्रकान्त कनजी शाह और श्रीमती चन्द्रिका चन्द्रकान्त शाह	27,040.00
6.	श्रीमती कमलाबेन एन० वसा	41,050.00
7.	श्री प्रबीनकान्त ब्रजलाल संधरी और श्रीमती अरुणा प्रबीनकान्त संधरी	38,620.00
8.	श्रीमती उमा जे० अग्रवाल	41,950.00
9.	श्री जनकराज अग्रवाल	61,080.00
10.	श्री आर० आर० सोनी	27,040.00
11.	श्रीमती प्रतिभा गिरवारी लाल गुप्ता	41,230.00
12.	श्रीमती कमला एस० वरानी	38,620.00
13.	श्री किशोर प्रेमजी और श्रीमती पुष्पा किशोर	41,620.00
14.	श्री चिमनलाल दलीचंद मेहता	61,080.00
15.	श्री सुरेन्द्र अनुपचंद शाह	27,040.00
16.	श्री हंसराज भावसजी खसी और श्रीमती सुमतीबेन हंसराज खसी	41,050.00
17.	श्री ठाकरदास ज्ञानदेवराज गोराविड़ा	38,620.00
18.	श्री ब्रजलाल उजमशी मोदी	37,584.00
19.	श्रीमती गजराबेन दामोदरदास जोबालिया और श्रीमती मंजुला आर० जोबालिया और श्री दामोदर दास ए० जोबालिया	40,136.00

1	2	3
20.	श्री रावजी पनाकद ठक्कर	. 61,080.00
21.	श्रीमती चंपाबेन हरिलाल गांधी	. 41,950.00
22.	श्री मगनलाल हरिवास पटेल	. 38,620.00
23.	श्री विश्वनाथ जादवजी ठक्कर	. 41,230.00
24.	एम० बी० एसोसिएट्स	. 27,040.00
25.	श्री प्रेमचंद्र फूलचंद्र अडानी	. 61,080.00
26.	श्री बसंतीलाल एस० संघर्षी	. 41,950.00
27.	श्री बहादुरशी लालजी	. 38,620.00
28.	श्री ममहरलाल एम० संघर्षी	. 41,230.00
29.	श्री एम० बी० एसोसिएट्स	. 27,040.00
30.	श्रीमती विमला कांतिलाल मोदी	. 61,080.00
31.	श्री प्रानजीवन देवजी वेंदंत	. 41,950.00
32.	श्री प्रवीनचन्द्र रामनिकलाल वथानी और श्रीमती मनोरमा प्रवीनचन्द्र वथानी	. 38,620.00
33.	श्री प्रताप शामणी ठक्कर और श्रीमती इंदू प्रताप ठक्कर	. 41,230.00
34.	एम० बी० एसोसिएट्स	. 27,040.00

दुकान नम्बर

1.	मैसर्स के० आर० पटेल एंड ब्रदर्स (अनसोल्ड)	. . . 30,200.00
2.	मैसर्स के० आर० पटेल एंड ब्रदर्स (अनसोल्ड)	. . . 36,300.00
3.	श्रीराम रामनर्स एंड ब्रदर्स	. . . 30,200.00
4.	मैसर्स पी० आर० शर्मा एंड सम्स	. . . 20,000.00
5.	एम० बी० एसोसिएट्स	. . . 27,000.00
6.	एम० बी० एसोसिएट्स	. . . 27,000.00
7.	एम० बी० एसोसिएट्स	. . . 20,000.00
8.	एम० बी० एसोसिएट्स	. . . 30,200.00
9.	एम० बी० एसोसिएट्स	. . . 36,300.00
10.	रामनलाल नारायणकास भाँधी	. . . 30,200.00

17,04,180.00

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियों करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी व्याप्तिः—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी अवधियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त अवधियों में से किसी अवधित द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य अवधित द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किये जा सकेंगे।

स्पष्टीकरणः—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

धनुसूची

जमीन या मैदान का वह तमाम टुकड़ा या भाग जो किरोल धाटकोपर, बम्बई महानगर, बम्बई रजिस्ट्री जिले में और बम्बई उपनगर उप-जिले में भौजूव पड़ा हुआ है। माप में 1681.21 वर्ग मीटर (2011.00 वर्ग गज) या उसके आस-पास है और सर्वे नं० 85 (भाग) व 87 (भाग) लिए हुए हैं तथा इस प्रकार सीमावद्ध है कि उत्तर की ओर अंशतः वह सम्पत्ति जो “भरणोदय” कहलाती है और स्कीम नं० 18 के प्लाट नं० 11 पर बनी हुई है और अंशतः सार्वजनिक मार्ग, दक्षिण की ओर जमीन का वह खाली प्लाट जो के० जे० सोमेया द्रस्ट के ट्रस्टियों का है और जिसका सर्वे नं० 85 और 87 है। पश्चिम की ओर वह सम्पत्ति जो परमार विल्डिंग कहलाती है और उक्त स्कीम नं० 18 के प्लाट नं० 34 पर बनी हुई है। एवं पूर्व की ओर वह सम्पत्ति जो जामकोरवाई जमनावास बर्गीरह की है और गांव ठन भूमि पर बनी हुई है।

आर० जी० नेल्लरकर

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयकर (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-V, बम्बई

तारीख : 8-2-1977

मोहर :

प्रस्तुप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार
कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज-4, बम्बई
बम्बई, दिनांक 14 फरवरी 1977.

निर्देश सं० आई०/थ्र० पी० 240/76-77 :—असौ, मुझे,
जी० ए० जैसा

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की धारा 269-घ
के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण
है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-
रुपए से अधिक है

और जिसकी सं० प्लाट नं० 7, ब्लाक बी० सर्वे नं० 41
(भाग) है तथा जो ओशिवारा भाग में स्थित है (और इससे
उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता
अधिकारी के कार्यालय बम्बई, में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम,
1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 22-6-1976 को
पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रति-
फल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने
का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य,
उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह
प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में
आस्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अस्तरक के
वायिष्य में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी बन या अन्य आस्तियों
को जिन्हे भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या बनकर
अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ
अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया या या किया
जाना चाहिए या, छिपाने में सुविधा के लिए।

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के प्रानुसारण
में मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों प्रर्थातः :—

(1) मैसर्स वैराम जी जीजीभाय प० लिमिटेड, बैलडै
हाउस, दूसरा महला, भूमलोर मली फोर्ट, बम्बई-
400001 (अन्तरक)

(2) 1. श्री विश्वनाथ हरलालका

2. श्री विनोद कुमार हरलालका

3. श्रीमती गीनी देवी सेवा राम हरलालका
मै० गिनी सिल्क मिल्स के भागीदार, 232-34
कालवादेवी रोड, बम्बई-400002 (अन्तरिती)

(4) मैसर्स वीरा लैड डेवेलोपमेंट कारपोरेशन, इयाम
नगर, बीरा देसाई रोड, अधेरी (परिचम), बम्बई-
400058

(बह व्यक्ति, जिसके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता
है कि वह सम्पत्ति भ हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के
लिए कार्यावाहियों करता हैं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही
अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

जमीन या मैदान की वह तमाम टुकड़ा या भाग जो माप से
3707 वर्गज यानी 3099 वर्ग मीटर के लगभग बराबर है,
और जो गांव ओशिवारा नानुका अन्धेरी में मौजूद पड़ा हुआ है,
सर्वे नं० 41 (भाग) का छांग है और प्लाट नं० 7 ब्लाक बी० उस
मकान का है जो बीरा लैड डिवलपमेंट कारपोरेशन ने तैयार किया
है और इस प्रकार सीमाबद्ध है कि :—उत्तर की ओर प्लाट नं०
बी०-4, वक्षिणी की ओर प्लाट नं० बी०-8, पश्चिम की ओर
प्लाट नं० बी० 6 और पूर्व की ओर एक रोड है।

जी० ए० जैसा

सक्तम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज 4, बम्बई

तारीख : 14-2-77

मोहर :

प्र० रूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269ग (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार
कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-2, बम्बई
बम्बई-400002, दिनांक 15 फरवरी 1977

निदेश सं० श्र० इ०-2/2321-2/जून' 76 :—प्रतः, मुझे,
एम० जे० माथन,
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ख के अधीन सक्तम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण
है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-
से अधिक है

और जिसकी सं० सी० टी० एस० नं० 330 प्लॉट नं० 31 ख०
नं० 287 (अंग) है, तथा जो ज़ुहू विलेपालैं डेव्हॉ र्सीम
में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से
वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय बम्बई में रजिस्ट्री-
करण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख
21-6-1976

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के बूश्यमान
प्रतिफल वे लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने
का कारण है कि यथा पूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य,
उसके बूश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह
प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्त-
विक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोगनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

प्रतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनु-
सरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा
(1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

6—486जी०आई०/76

(1) श्री नलिन के० शाह और श्रीमती धनबाई के० शाह
(अन्तरक)

(2) श्री व्ही० जे० मेहता, व्ही० जे० मेहता और एन०
जे० मेहता (अन्तरिती)

(4) नवयुग को० ओप० हाऊ० सो० लिमिटेड
(वह व्यक्ति, जिसके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता
है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के
लिए कार्यवाहिया करता हूँ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना
की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि
बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों
में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के
पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परि-
भाषित हैं, वही अर्थ होगा जो, उस अध्याय
में दिया गया है।

अनुसूची

जमीन या मैदान आनुवंशिकियों का वह तमाम टुकड़ा या
भाग, जो विलेपालैं में, बम्बई नगर व उपनगर रजिस्ट्री जिला
व उप-जिले के अन्दर मौजूद पड़ा हुआ है, जिसका सी० टी०
एस० नं० 330 है, माप में 1066 वर्गमीट (यानी 891 वर्ग-
मीटर) या उसके आस पास है और जो प्लॉट नं० 31 है तथा
जो ज़ुहू विलेपालैं डिवलपमेंट स्कीम, सर्वे नं० 287 (भाग), वार्ड
नं० के-8185, के मूल प्लॉट नं० का हिस्सा है और इस प्रकार
सीमाबद्ध है। उक्त की ओर 100 फीट रोड नं० 1, दक्षिण की ओर
इसी स्कीम की वक्षणी सीमा, पूर्व की ओर प्लॉट नं० 32 और
पश्चिम की ओर प्लॉट नं० 30 है।

एम० जे० माथन

सक्तम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-2, बम्बई

तारीख : 15 फरवरी, 1977

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

(1) बी॒ रेमन्ड बूलन मिल्स सिंह०

(अन्तरक)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

(2) जे० के० केमिकल्स लि०

(अन्तरिती)

269 अ (1) के अधीन सूचना

(3) मैनेजिंग डारेनट्स और अन्य (वह व्यक्ति, जिसके

भारत सरकार

अधिभोग में संपत्ति है)

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज-1, बम्बई

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यदाहियां शुरू करता हूँ।

बम्बई-400002, दिनांक 14 फरवरी 1977

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्रमणः—

निवेश सं० अई॑/1/1656-1/जून-76—अतः मुझे,
बी० आर० अमीन,
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269अ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-
इ० से अधिक है

और जिसकी सं० सी० एस० 764 का मालाबार एण्ड कबाला
हिल डिवीजन है तथा जोभुलाभाई देसाई रोड में स्थित है
है (और इससे उपावड़ अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है),
रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, उप-रजिस्ट्रार, बंबई में रजि-
स्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख
1-6-1976

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के वृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने
का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य,
उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे वृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह
प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखत में
षास्त्रिक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से ह्रौं किसी आय की आबत उक्त अधि-
नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी
करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हे भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
घनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में
सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269अ के अनु-
सरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269अ की उपधारा
(1) के अधीन मिम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तरसंबंधी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि आदि में समाप्त होती हो, के भूत्तर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरणः—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो
उक्त अधिनियम के अध्याय 20क में
परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो, उस अध्याय
में दिया गया है।

अनुसूची

अनुसूची जैसा कि रजिस्ट्रीकृत विलेख सं० 1334/70/
बंबई, उप-रजिस्ट्रार अधिकारी द्वारा दिनांक 1-6-76 को रजि-
स्टर्ड किया गया है।

बी० आर० अमीन
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेज-1, बम्बई

तारीख : 14 फरवरी, 1977

मोहर :

प्रस्तुप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269४ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-1, बंबई

बम्बई-4000 002, विनांक 14 फरवरी 1977

निदेश सं० अ० इ० 1/1664-७/जून-७६ :—अतः, मुझे,
बी० आर० अमीन

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269४ के अधीन सकाम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है और जिसकी सं० सी० एस० नं० 568 (प्रश्न) कामालबार एण्ड कंबाला हिल डिवीजन तथा जो 135 अगस्त कांति मार्ग में स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, उप-रजिस्ट्रार, बंबई में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 1-६-1976

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथा पूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के शायित्य में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी छन या प्रथ्य आस्तियों को जिम्हे भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या छनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जामा जाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269४ के अनुसरण में, उक्त अधिनियम की धारा 269४ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अपति :—

(1) श्रीमती मिठीबाई दादाभाय मिस्ट्री 2. कवास मुन्चेरशाव मिस्ट्री 3. दिनशाव मुन्चेरशाव मिस्ट्री और 4. दिना खरशेव पटेल

(अन्तरक)

(2) अरिस्तू कम्प्लेक्शन्स प्रा० लि०

(अन्तरिती)

- (3) 1. श्रीमती जे० टी० मनसानी
2. श्रीमती बी० एस० मेहता
3. श्रीमती पुतलीबाई के० गोभाई
4. श्रीमती रुस्तमजी एन० झवेरी
5. श्रीमती दिना के० पटेल और
6. श्रीमती बी० एस० मेहता

(वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जम के लिए कार्यवाहियाँ शुरू करता हूँ।

उक्त संपत्ति के अर्जम के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी घटियाँ पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20क में परिभासित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अमुसूची

बंबई द्वीप में, बंबई के रजिस्ट्रेशन उप जिले में ग्वालिया टैक रोड (जोकि अब 'अगस्त कांति मार्ग' के नाम से जाना जाता है) की दक्षिण साइड में स्थित, पड़ी व श्रवस्तिप, पेंशन और टक्स लैंड या ग्राउंड का वह तमाम भाग अथवा खण्ड और उस पर बनी गृहघाटिकाएं, टेनामेंट्स या रिहायशी मकान सहित, जोकि दैमाइम मै 11282/१ वर्गगज जिसमें से 133. 09 वर्गगज जोकि 1963 में सड़क चौड़ी करने के लिए ले ली गई थी को कम करके करीब 9952/१ वर्गगज अर्थात् 8310.93 वर्गमीटर या उसके बराबर है और जो भू-राजस्व के कलक्टर की पुस्तकों में नई सं० 3039, नई सर्वेक्षण सं० 7148; सी० एस० सं० 568 (पार्ट) मलबार और कंबाला हिल डिवीजन और म्युनिसिपल बरों एवं करों के कलक्टर की पुस्तकों में ४-४-टी=वार्ड सं० 2934 और स्ट्रीट सं० 135 के अधीन रजिस्टर्ड है और इस प्रकार से घिरा हुआ है कि पश्चिम में अथवा पश्चिम की ओर नौशेरवान जी० आर० नजीर की ट्रस्ट प्राप्ती है, पूर्व में अथवा पूर्व की ओर प्राप्ती है जो पहले होर मसजी नौरोजी कलेक्टर तथा अन्य की थी, लेकिन अब कमल फैस्ट्रक्शन लिमिटेड की है, उत्तर में अथवा उत्तर की ओर ग्वालिया टैक रोड के (जोकि अब अगस्त कांति मार्ग के नाम से जानी जाती है) और दक्षिण में अथवा दक्षिण की ओर प्राप्ती है जो कि पहले होरमसजी नौरोजी कलेक्टर अब अन्य की थी लेकिन अब खेमचन्द बी० कोठारी और अन्य की है।

बी० आर० अमीन
सकाम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-1, बंबई

तारीख : 14 फरवरी, 1977

मोहर :

प्रृष्ठ पा० आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269वा (1) के प्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयकर (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-1, बम्बई

बम्बई 400 002, दिनांक 15 फरवरी 1977

निवेश सं० अ० ई० 1 /1662-7/ जून '76 :—अतः
मुझे, वी० आर० अमीन,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269वा के प्रधीन सकाम प्राधिकारी को यह विश्वास करने
का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार
मूल्य 25,000/- रुपए से अधिक है
और जिसकी सं० सी० टी० सर्वे नं० 3/723 मलबार और
कंबाल हील डिवीजन है तथा जो 29 करमाइकल रोड, में स्थित
है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है),
रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, उप-रजिस्ट्रार बम्बई में रजि-
स्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख
1-6-1976

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के
दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह
विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का
उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान
प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक
(अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे
अन्तरण के लिए तथा पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य
से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं
किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए ; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धन-
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा
के लिए;

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269वा के अनुसरण में,
मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269वा की उपधारा (1) के
अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

- (1) मैसर्स करमाइल्स प्राप्ट्री प्राइवेट लिमिटेड
(अन्तरिती)
- (2) बुलचुपा को० आपरेटीव सोसायटी लिमिटेड
(अन्तरिती)
- (3) किरायेदार 1. डॉ० टी० जी० होमेकरी
2. मी० डी० डी० थंगम
3. मी० एस० डी० सावत
4. वी० एस० एन० भारत ट्रस्ट
5. मी० आर० पी० वक्फिकार

- 6. श्रीमती नन्दा एन० पारकर
- 7. श्रीमती रजनी देवी जाजोड़ीया
- 8. क०० शामा देशमुख और मंगला देशमुख
- 9. औ छिं० के० शाह और डॉ० श्रीमती हंदु शाह
- 10. श्री अदी एफ० मर्चन्ट
- 11. एन० के० बजाज
- 12. श्री के० एन० दलाल और जी० एन० दलाल
- 13. श्रीमती जुबेवा के० अन्नी
- 14. श्री एस० एस० मीश्रा
- 15. श्रीमती बीमा एस० अग्रवाल
- 16. श्री पी० एम० निलोकेकर
- 17. श्री जी० आर० कपूर
- 18. श्रीमती कबीता वी० बोस
- 19. श्रीमती पुष्पा आर्य शास्त्राणि
- 20. श्री पी० पी० मेहता
- 21. श्री जी० टी० मात्ता
- 22. श्री सुन्दरदास देवसिंग और श्रीमती जानकी राणी
सुन्दरदास
- 23. श्रीमती एस० एस० भिवंडकर
- 24. मैसर्स मीरा एन्टरप्राइज
- 25. श्रीमती और श्री आर० वी० मलीया
- 26. श्री पी० एस० भतीजा
- 27. श्री और श्रीमती के० डी० खीलनानी
- 28. श्री सी० आर० पटेल
- 29. छिं० वी० पटेल
- 30. श्रीमती कमला जी० मीरचंदानी
- 31. डॉ० आर० पी० सोनावाला
- 32. श्रीमती पी० आर० सोनावाला
- 33. डॉ० आर० जै० शाह
- 34. डॉ० एन० एम० पंत
- 35. श्रीमती इला जे० मदन
- 36. श्रीमती केटी के० दाढ़ी बुरजोर
- 37. श्रीमती अबन एम० करकारीया
- 38. श्रीमती सुशीला छिं० शाह
- 39. श्री टी० वी० मिरचंदानी
- 40. श्री जी० ए० सदारंगानी
- 41. श्रीमती लक्ष्मी जा
- 42. श्री छिं० डी० मीरचंदानी
- 43. श्रीमती भाग जे० वधवानी
- 44. श्री एफ० एन० रवाडे
- 45. श्रीमती के० वायै० राजाबली
- 46. श्रीमती एल० सी० माहीमकर
- 47. श्री सी० जे० माहीमकर
- 48. श्रीमती पी० टी० भानसावी
- 49. श्रीमती शशीकला सी० पटेल और श्री राजेन्द्र
सी० पटेल
- 50. श्री धुनल सी० पटेल
(वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि, या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती है, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा ;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-के परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

अनुसूची जैसा कि रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 1820/72/बंबई रजिस्ट्रेशन के लिये दाखिल ता० 26-6-1972 को किया। और ता० 1-6-1976 को रजिस्ट्रर हुआ जोकि रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी बंबई में लिखा गया है।

वी० आर० अमीन
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज 1, बम्बई

तारीख : 15 फरवरी, 1977

मोहर :

प्ररूप आई०टी०एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के प्रधीन सूचना

भारत सरकार

कायालिय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज 1, बम्बई

बम्बई, 400002, दिनांक 15 फरवरी 1977

निदेश सं० अद० 1/1713-57/जून-76:—ग्रतः, मुझे, वी० आर० अमीन,
आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् ‘उक्त अधिनियम’ कहा गया है) की धारा 269-घ के प्रधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी सं० सी० एस० नं० 1744 का फोर्ट डिवीजन है तथा जो 68, मरीन ड्राइव में स्थित है (और इससे उपायद्वारा अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कायालिय, उप-रजिस्ट्रार, बंबई में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के प्रधीन, तारीख 15-6-1976

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के बृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके बृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे बृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरतियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) इस्तेशण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के प्रधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कर्मी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या धन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या ‘उक्त अधिनियम’, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था, या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

ग्रतः ग्रब, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ के अनुसरण में, मैं, ‘उक्त अधिनियम’, की धारा 269-घ की उपधारा (1) के प्रधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, ग्रथितः—

- (1) श्रीमती शान्ताबेन एच० पटेल और श्री सुरेश एच० पटेल (अन्तरक)
- (2) हेमप्रभा को० आप० हाउ० सो० लि० (अन्तरिती)
- (3) किरायेदार (यह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यधारियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेपः—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बद्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किये जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-के परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

अनुसूची जैसा कि रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 1020/71/बंबई रजिस्ट्रेशन के लिए दाखिल ता० 2-4-71 को किया। और ता० 15-6-76 को रजिस्टर हुआ जोकि रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी बंबई में लिखा गया है।

वी० आर० अमीन
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-1, बम्बई

तारीख : 15 फरवरी, 1977

मोहर :

प्रस्तुप आई० टी० एन० एस०—

प्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की घारा
269 घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज-1, बम्बई

बम्बई-400 002, दिनांक फरवरी 1977

निदेश सं० आइ० 1/1659-4/ जून-76 :—ग्रतः, मुझे,
बी० आर० भ्रमीन

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की घारा 269 घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विधास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य, 25,000/- रु० से अधिक है और जिसकी सं० सी० एस० नं० 2/736 11, करमाइकल रोड है तथा जो मालाबार एण्ड कंबाला हिल डिवीजन में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता प्राधिकारी के कार्यालय उप-रजिस्ट्रार बंबई में रजिस्ट्री-करण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख
1-6-1976

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के बृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विधास करने का कारण है कि यथा पूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके बृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे बृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से कुर्ह किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के वायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी छन या अन्य आस्तियों को जिन्हे भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या छन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया या या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

ग्रतः ग्रब उक्त अधिनियम की धारा 269ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की घारा 269घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) मैसरे अनार देवी शेवचंद्रय सूरजमल पोदवार
(अन्तरक)

(2) लेडी जेर बाई होमी मोदी 2. श्री रसी होमी मोदी
3. श्री काली होमी मोदी 4. श्री एच० एन० थदानी,
और 5. श्रीमती देवी एच० थदानी

(अन्तरिती)

(3) किरायेदारों की सूची

अन्तरिती जैमा क्रमांक नं० 2 और जपरासी

(वह व्यक्ति जिसके प्रधिभोग में सम्पत्ति है)
को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां मुरु करता हूँ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तस्वीरांशी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितवद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोदृसतात्त्वी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

इसमें ऊपर निर्दिष्ट पहली अनुसूची

पैशान और टैक्स पट्टे की जमीन का वह तमाम टुकड़ा या भाग, (जिसका उपकर माफ हो चुका है), उस पर खड़ी वाड़ियों, किराए के आवासों, निवासघरों जिन्हे "वी किलफ" नाम से जाना जाता है; अन्य ढांचों इमारतों सहित, जो कारमाइकल रोड के पूर्व की ओर, बंबई के रजिस्ट्री उप-जिले में और बंबई द्वीप में, मौजूद पड़ा हुआ है, माप से 2412.98 वर्गमीटर यानी 2886 वर्गज या उसके लगभग है, तथा भूराजस्व कलकटर के रिकार्ड में, कलकटर के पुराने नं० 638, कलकटर के नं० 2941, पुराने सर्वे नं० 81, नये सर्वे नं० 7086 (अंश) और 7087 (अंश) व कैडर ट्रूल सर्वे नं० 2/736, मलबार हिल व कंबाला हिल डिवीजन के अंतर्गत दर्ज है और म्यूनिसिपल रेड्स व टेक्सेस के कलकटर के रिकार्ड में झी० वार्ड नं० 3451 (1ए) व पुराने स्ट्रीट नं० 600 व नये स्ट्रीट नं० 11 के अंतर्गत दर्ज है और इस प्रकार यिरा हुआ है कि पूर्व की ओर वह संपत्ति जो पहले मानेकाजी पेटिट मैन्युफैक्चरिंग कं० लि० की थी अब बंबई महानगर निगम की है, पश्चिम की ओर उक्त कारमाइकल रोड, उत्तर की ओर सरकार की संपत्ति और दक्षिण की ओर अमृतलाल अमर-चंद माधवजी व मनीलाल अमरचंद माधवजी की संपत्ति है।

बी० आर० भ्रमीन

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज-1, बम्बई

तारीख : फरवरी, 1977

मोहर ।

प्रश्न प्राई० टी० एन० एस०—

(1) हरमुसजी दिनशाव बाढ़लीबाला।

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-घ (1) के अधीन सूचना

(अन्तरक)

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-1, बंबई

बम्बई-400 002, दिनांक 17 फरवरी 1977

(2) श्री जकरिया हाजी लतिफ अघादी, 2. अब्दुल रजाक हाजी वालिमोहमद और 3. जकरिया हाजी लतिफ अघादी, की लड़की जोहराबाई पार्टनर्स आफ मैंसर्स इम्बासी एकजीव्यूटर्स।

(प्रत्तिरिति)

(3) मैंसर्स आफ दि० प्रपोज़े वी० बेलासिस को० आप० हाउ० सो० लि०, बम्बई।
(वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिये कार्यवाहिया शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किये जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में यथा परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

(क) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य प्राप्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11), या उक्त अधिनियम या धनकर अधिनियम, 1957. (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ प्रत्यक्ष द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिये;

(ख) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य प्राप्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11), या उक्त अधिनियम या धनकर अधिनियम, 1957. (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ प्रत्यक्ष द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिये;

बी० आर० अमीन
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-1, बम्बई

तारीख : 17 फरवरी, 1977

मोहर :

धनः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ के अनुसरण में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन लिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

प्रस्तुप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269 घ(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार
कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेज-II, इलाहाबाद
अहमदाबाद, दिनांक 10 फरवरी 1977

निदेश सं० 506 /ए सी क्य० - 23 :—यतः, मुझे, पी०
एन० मिस्ल

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269 ख
के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण
है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-
रुपए से अधिक है

और जिसकी सं० रे० सं० नं० 122 हिस्सा नं० 1 है, तथा
जो काबिलपोर रोड, नवसारी में स्थित है (और इससे उपावढ
ग्रन्तुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी
के कार्यालय, नवसारी में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908
का 16) के अधीन, तारीख 21-7-1976

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्योक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल
का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और
अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय
पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित
में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त
अधिनियम, के अधीन कर देसे के अन्तरक के
घायित्र में कभी करने या उसके बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों,
को जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर
अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ
अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया या या किया
जाना आहिए था, ठिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनु-
सरण में, मैं उक्त अधिनियम, की धारा 269-घ की उपधारा
(1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, स्वार्थतः :—

- (1) 1. नगीनभाई लालजीभाई काबिलपोर, ता० नवसारी
2. रणछोडभाई लालजीभाई, बाबिलपोर, ता०
नवसारी (अन्तरक)
- (2) 1. मुकुद गोकलदास
2. भगवानजी ओढवजी भारफत : नवसारी स्टोन
कं०, स्टेशन रोड, नवसारी।
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियों शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आवेदन :—

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की सामील से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिस्पद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो 'उक्त
अधिनियम', के अध्याय 20 के में यथा-
परिभासित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय
में दिया गया है।

अनुसूची

खुली जमीन जिसका रे० सं० नं० 122 हिस्सा नं० 1 कुल
माप 0 एकड़ 26 गुणा है तथा जो काबिलपोर रोड, नवसारी
में स्थित है जैसा कि रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी नवसारी के जुलाई,
1976 के रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 843/76 में प्रदर्शित है।

पी० एम० मिस्ल
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेज-II, अहमदाबाद

तारीख : 10-2-1977
मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०————

(1) श्री अब्दुलकादर हाजि।

(अन्तरक)

आयकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43)

की धारा 269 घ (1) के अधीन सूचना

(2) 1. श्री ई० जोन मात्यु 2. मेरी मात्यु।

(अन्तरिती)

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, एरणाकुलम

एरणाकुलम, दिनांक 14 फरवरी 1977

निदेश सं० एन० सी० 115/76-77:—यतः, ममे, एम०
एन० चन्द्रचूटन नायर

आयकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त प्रधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है और जिसकी सं० अनुसूची के अनुसार है, जो तलिपरम्पर में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्जित है), रजिस्ट्रीकर्ता प्राधिकारी के कार्यालय, तेलिच्चेरि में भारतीय रजिस्ट्रीकरण प्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 8-6-76

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और ममे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत प्रधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथ पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से दूर्वा किसी भाय की बावत, उक्त प्रधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसो किसी आय या किसी धन या मन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर प्रधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त प्रधिनियम, या धनकर प्रधिनियम 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तर्गत द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहें था छिपाने में सुविधा के लिए;

ग्रतः अब, उक्त प्रधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त प्रधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों प्रर्णतः:—
7—486GI/76

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षय—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यवितयों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि आद में समाप्त होती है, के भीतर पूर्वोक्त व्यवितयों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किये जा सकेंगे।

इष्टीकारण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त प्रधिनियम के अध्याय 20 के यथापरिभासित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

Heaters of Rubber estate in R.S. No. 28/1A2 in Taliparamba Taluk.

एम० एन० चन्द्रचूटन नायर
सक्षम प्राधिकारीसहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, एरणाकुलम

तारीख : 14-2-1977

मोहर :

प्रस्तुत आई० टी० एन० एस०————

(1) श्री अब्दुल कादर ज़ाजि ।

(अन्तरक)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की

धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, प्रणाकुलम

प्रणाकुलम, दिनांक 14 फरवरी 1977

निदेश सं० एन० सी० 116/76-77:—यतः, मुझे, एम०
एन० चन्द्रचूटन नायरआयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की धारा 269-ख
के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है
कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25000/- रुपए
से अधिक हैऔर जिसकी मं० अनुसूची के अनुसार है, जो तलिपरम्परा
में स्थित है (और इससे उपाधिकारी में और पूर्ण रूप से वर्णित
है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, तेलिच्चेरि में
रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन,
तारीख 24-6-1976को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने
का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके
दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत
अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों)
के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित
उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं
किया गया है:—(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाष्पत, उक्त अधिनियम,
के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने
या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

अनुसूची

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य अस्तित्यों को
जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922
का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधि-
नियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ
अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया
जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;41/2 acres of rubber estate with buildings in R. Sy. No.
28/1A2 in Taliparamba Taluk.यतः अब, उक्त अधिनियम का धारा 269-ग के अनुसरण में,
उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के
अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(2) 1. जोन मात्यु 2. मेरी मात्यु

(अन्वयिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्रोपः—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की
तापील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद
में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से
किसी व्यक्ति द्वारा ;(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में द्वितीय द्विसी
अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में
किए जा सकेंगे ।स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में यथापरि-
भाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय
में दिया गया है ।

अनुसूची

एम० एन० चन्द्रचूटन नायर

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, प्रणाकुलम

तारीख : 14-2-1977

मोहर : }

प्ररूप आई० टी० एन० एस०

(1) श्री लृका॒

(अन्तरक)

प्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269 घ (1) के प्रधीन सूचना

- (2) 1. श्री जेम्स
2. श्री वर्गीम
3. श्री रोसी

(अन्तरिती)

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयक्षत (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, एरणाकुलम

एरणाकुलम, दिनांक 14 फरवरी 1977

निवेश मं० एल० सी० 117/76-77 :—यतः, मुझे, एस०
एन० चन्द्रचूटन नायर,

प्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ
के प्रधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है
कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु०
रु० श्रद्धिक है

और जिसकी मं० अनुसूची के अनुसार है, जो मूवाट्टुपुषा
में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित
है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, मूवाट्टुपुषा में
रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के प्रधीन,
तारीख 6-7-1976 को

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने
का कारण है कि यथापूर्वीत सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके
दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत
से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया
गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त सम्पत्ति लिखित में
वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधि-
नियम के प्रधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी
करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को,
जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922
का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर
अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ
अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया
जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-घ के
अनुसरण में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा
(1) के प्रधीन, निम्नलिखित अक्षितयों, अर्थात् :—

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के
लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की
तारीख से 30 दिन की अवधि जो भी अवधि बाद में
समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी
व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी
अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित
में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधि-
नियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं,
वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

2 acres 69 cents of land with buildings in Marady Village,
Muvathupuzha.

एस० एन० चन्द्रचूटन नायर
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयक्षत (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, एरणाकुलम

तारीख : 14-2-1977

मोहर :

प्र० प्र० श्री० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269 ध (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेखा, एरणाकुलम्

एरणाकुलम्, दिनांक 14 फरवरी 1977

निदेश सं० एल० सी० 118 / 76-77—यतः, मुझे, एस०
एन० चन्द्रचूटन नाथर

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उचित अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ध
के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण
है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-
रु० से अधिक है।

और जिसकी सं० अनुसूची के अनुसार है, जो कानूनूर जिला
में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित
है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, लेलिल्लैरि में रजिस्ट्री-
रणक अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख
11-6-1976 को

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथा पूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और
अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया
गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में
वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी भाय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व
में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;
और/या

(ख) ऐसी किसी भाय या किसी धन या प्रत्य आस्तियों
को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर
अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ
अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया
जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

प्रतः प्रब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ध के अनुसरण
में मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-ध की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित अवित्तियों पर्याप्ति :—

(1) मैसर्स नरिकल्स एस्टेट (ए० सी० बोप्पशा के द्वारा)।
(अन्तरक)

(2) 1. एम० चेट्टियप्पन
2. श्रीमती उमयाल चेट्टियप्पन।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के
लिए कार्यवाहियाँ करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आवेदन :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या सत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवड़
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, प्रधोहस्ताक्षरी के पास लिखित
में किए जा सकेंगे।

त्यष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधि
नियम, के अध्याय 20-क में यथा परिभाषित हैं, वही
मर्घ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

217.82 acres of Coffee estate with buildings known as
Narikallu Estate in Cannanore District.

एस० एन० चन्द्रचूटन नाथर

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेखा, एरणाकुलम्

तारीख : 14-2-1977

मौहर :

प्ररूप प्राई ० टी० एन० एस०

(1) श्री वासुदेवनुण्णि नायर ।

(अन्तरक)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की

धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुष्ट (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, एरणाकुलम्

एरणाकुलम्, दिनांक 15 फरवरी 1977

निवेश सं० एल० सी० 119/76-77 :—यतः, मुझे, एस०
एन० चन्द्रचूटन नायरआयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ
के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण
है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,00/-
रुपए से अधिक है औरऔर जिसकी सं० अनुसूची के अनुसार है, जो गुरुवायर में
स्थित है (और इससे उपावद अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित
है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, कोट्टप्पाडी में
रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन,
तारीख 22-6-1976को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों)
और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए
तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण
सिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को जिन्हे भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में
सुविधा के लिए।अत अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण
में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)
के अधीन निम्नलिखित व्यवितयों अर्थात्:—

(2) श्री रवीन्द्रन ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यवितयों पर
सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि आद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यवितयों में से किसी व्यक्ति द्वारा;(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकें।स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों प्रीर परों का, जो 'उक्त अधि
नियम', के अध्याय 20क में यथा परिभ्रषित
है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

17 cents of land with buildings in R.S. No. 111/1 of Guru-
vayur.एस० एन० चन्द्रचूटन नायर
सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुष्ट (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, एरणाकुलम्

तारीख । 15-2-1977

मोहर :

प्रल। आई०टी० एन० एस०—
—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269व (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज, एरणाकुलम

एरणाकुलम, दिनांक 16 फरवरी, 1977

निदेश सं० एल० सी० 120 /76-77 :—यतः, मुझे, एस०
एन० चन्द्रबूटन नायर

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे
इसमें पश्चात् 'उक्त अधिनियम' वहा गया है), की धारा
269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी सं० 3179/ 182 है, जो पेशवन्तानम विलोण,
इडिक्की जिला में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण
रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, परीमेड
में ; रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16)
के अधीन, 3-6-1976

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल
का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरको) और
अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए
तथा पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश से उक्त अन्तरण
लिखित में वास्तविक रूप से वर्णित नहीं विद्या गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-
नियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के बायित्व में कभी
करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या भूम्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में
सुविधा के लिए;

यतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनु-
मत में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपषारा

(1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) मैसर्स के० वी० सम्करिया एन्ड संस प्राइवेट लिमिटेड।
(अन्तरक)

(2) श्री एस० नटराजन।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करने पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियों करता हूँ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप —

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या सत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना
की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि
बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों
में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन के भीतर उक्त संपत्ति में हितवृक्ष किसी
अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहराक्षर वे पास लिखित में
किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधि-
नियम वे अध्याय 20-व में परिभाषित हैं,
वही शब्द होंगा, जो उस अध्याय में दिया गया
है।

अनुसूची

40 acres of rubber estate in Peruvanthanam village—vide
schedule to Document No. 627/76 dt. 3-6-1976.

एस० एन० चन्द्रबूटन नायर

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज, एरणाकुलम

तारीख : 16-2-1976

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एम० ---

(1) मैमर्स के० वी० मक्करिया ए४७ संस प्राइवेट लिमिटेड ।
(अन्तरक)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269घ (1) के अधीन सूचना

(2) श्री एम० गोपालकृष्णन ।

(अन्तर्गत)

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निर्देशन)

अर्जन रेंज, प्रणालकुलम

प्रणालकुलम, दिनांक 16 फरवरी 1977

निदेश सं० एल० सी० 121/76-77:—यतः, मुझे, एस० एन० चन्द्रचूटन नाथर

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' बहा गया है), की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि उथावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी सं० 179/180 है, जो पेरुवन्तानम विलेण इडिक्की जिला में स्थित है (और उससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, परीमेड में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 3-6-1976 को

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है, कि यथा पूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तर्गती (अन्तर्गतियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक वा दायित्व में वसी करने या उससे बदलने में सुविधा के लिए; और/या

अनुसूची

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपकारा (1) के अधीन निम्नलिखित अक्षितियों अर्थात् :—

को यह सूचना आरी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिये कार्यवाहियों करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप --

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त रथावर सम्पत्ति में हिन्दूद्वारा किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोदृस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20 के परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है ।

39 acres 53 cents of rubber estate in Peruvanthanam village
—vide schedule to Document No. 628/76 dt. 3-6-1976.एस० एन० चन्द्रचूटन नाथर
सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निर्देशन)

अर्जन रेंज, प्रणालकुलम

तारीख : 16-2-1977

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

(1) श्री के० के० ओक्कलिंगम् ।

(अन्तरक)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-घ (1) के अधीन सूचना

(2) पी० सुब्रह्मनियम् ।

(अन्तरिती)

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेज-I मद्रास

मद्रास, विनांक 5 फरवरी 1977

निवेश सं० 21 / जून/ 76-77 :—यतः, मुझे, जी० राम-
नाथन

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की धारा
269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने
का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित
बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है
और जिसकी सं० 134 है, जो सेलम मैन रोड, तिरुचेंगोड़ु
में स्थित है (और इससे उपबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से
वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, तिरुचेंगोड़ु
(पत्र सं० 1085/76) में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम,
1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 10-6-1976

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के
दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह
विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का
उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे
दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और
अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच
ऐसे अन्तरण के लिए तथ पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित
उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखत में वास्तविक रूप से कथित
नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा के लिए;

प्रतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपषारा

(1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के
लिए कार्यवाहिया करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आशेष :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा ;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में यथापरिभाषित हैं, वही
प्रथ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

तिरुचेंगोड़ु, कैलाममपालयम, सेलम मैन रोड डोर सं० 134
(पत्र सं० 138/4) में 3300 स्कुयर फीट की भूमि (मकान के साथ) ।

जी० रामनाथन

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त निरीक्षण

अर्जन रेज-I, मद्रास

तारीख : 5-2-1977

मोहर :

प्रस्तुप आई० टी० एन० एस०-----

(1) श्रीमती सेल्लायी और प्रादी।

(अन्तरक)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269वं (1) के प्रधीन सूचना

(2) श्री कोलन्द गङ्गड़र।

(अन्तरिती)

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज 1 मद्रास

मद्रास, दिनांक 5 फरवरी, 1977

निवेद सं० 22/जून/ 76-77 :—यतः, मुझे, जी० रामनाथन
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269वं
के प्रधीन सकाम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण
है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-
रु० से अधिक है

और जिसकी सं० 170/1, 3 और 4, 156/1, 169/6
और 10 है, जो आलन्नूर गांव सेलम जिला में स्थित है (और इससे
उपाबद्ध में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ट प्राधिकारी
के कार्यालय, सकरीदुरग (पत्र सं० 405/76) में रजि-
स्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के प्रधीन, तारीख
जून, 1976 को

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रति-
फल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने
का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य,
उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह
प्रतिशत प्रधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में
वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की वापस, उक्त
अधिनियम के प्रधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व
में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;
मौर्या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या घन्तकर
अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रमोजनार्थ
प्रस्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया
जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-द की उपधारा (1)
के प्रधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

8—486 GI/76

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के
लिए कार्यवाहिया करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या सत्त्वस्थन्धी व्यक्तियों पर,
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
प्रधिक आद में समाप्त होसी हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति हारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी
अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित
में किए जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, वे अध्याय 20-क में परिभाषित हैं,
वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है ।

अनुसूची

आलन्नूर गांव एस सं० 170/1 (0.52 एकड़), 170/3
(3.65 एकड़), 170/4, (6.34 एकड़) और 156/1
(3.47 एकड़) में 13.98 एकड़ की भूमि में 1/4 अभिश
भाग और एस सं० 169/6 (0.76 एकड़) और 169/10
(0.55 एकड़) में 1.31 एकड़ की भूमि में 1/8 अभिश भाग ।

जी० रामनाथन
सकर प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेज-I, मद्रास

तारीख : 5-2-1977

मोहर :

प्र रूप आर्द्ध० टी० एम० एस० —————

(1) श्रीमती सेल्सायी और आदी ।

(अन्तरक)

ग्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
घारा 269 घ (1) के अधीन सूचना

(2) श्री पल्लिवेल गङ्गण्डर ।

(अन्तरिती)

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक ग्रायकर आयुष्ट (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-, मद्रास

मद्रास, दिनांक 5 फरवरी, 1977

निवेश सं० 23 /जून / 70- 77 :—यतः, मुझे, जी० राम-
नाथनग्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की घारा 269 घ
के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि
स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपए
से अधिक हैऔर जिसकी सं० 170/1, 3 और 4, 156/1, 169/6
और 10 है, जो आलन्नूर गांव में स्थित है (और इससे उपाख्य
अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ट अधिकारी
के कार्यालय, संकरीकुरग (पत्र सं० 406/76) में
रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन,
तारीख जून, 1976को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रति-
फल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण
है कि यथा पूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान
प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है
और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के
बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित
उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में भारतीय रूप से कथित नहीं
किया गया है :—(क) अन्तरण से हुई किसी ग्राय की बाबत, उक्त अधिनियम,
के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने
या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या(ख) ऐसी किसी ग्राय या किसी धन या अन्य आस्तियों को
जिम्हें भारतीय ग्राय-कर अधिनियम, 1922 (1922
का 11) या उक्त अधिनियम या धन-कर अधिनियम,
1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती
द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए
था, लिपाने में सुविधा के लिए;अतः अब, उक्त अधिनियम की घारा 269 घ के अनुसरण में,
मैं, उक्त अधिनियम की घारा 269 घ की उपषारा (1) के अधीन,
निम्नलिखित व्यक्तियों प्रधारीत :—को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहिया करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यवितयों पर सूचना की
तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में
समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यवितयों में से किसी
व्यक्ति द्वारा ;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी
प्रथम व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में
किए जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो 'उक्त
अधिनियम' के अध्याय 20क में यथा परि-
भाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय
में दिया गया है ।

अनुसूची

आलन्नूर गांव एस सं० 170/1, (0.52 एकड़), 170/3
(3.65 एकड़), 156/1 (3.47 एकड़), 170/4 (6.34
एकड़) में 13.98 एकड़ की भूमि में 1/4 अभिष्ठ भाग और
एस सं० 169/6 (0.76 एकड़) और 169/10 (0.55)
में 1.31 एकड़ में 1/8 अभिष्ठ भाग ।जी० रामनाथन
सक्षम प्राधिकारी
सहायक ग्रायकर आयुष्ट (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-I, मद्रास

तारीख : 5-2-1977

मोहर :

प्रख्यात आई०टी० एन० एस०----

(1) श्री रामसामि रहीयार और राजेसकरन ।

(अन्तरक)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-घ (1) के अधीन सूचना

(2) श्री मारीमुसु गठण

(अन्तरिती)

भारत सरकार
कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-I, मद्रास

मद्रास, विनांक 5 फरवरी, 1977

निदेश सं० 25 /जून, /76-77 :—यतः, मुझे, जी० रामनाथन

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की धारा 269-घ
के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है
कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु
से अधिक है

और जिसकी सं० 117/1 ए० और 2 ए० है, जो कानपल्ली
गांव सेलम जिला में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची
में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ट अधिकारी के कार्यालय
नामकाल (पत्र सं० 278/76) में रजिस्ट्रीकरण
अधिनियम, 1908 (1908 का 26) के अधीन, तारीख जून,
1976

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने
का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य,
उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह
प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिये तथा पाया गया
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में
वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से दूर्दृष्टि किसी आय की बाबत उक्त अधि-
नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व
में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिये;
और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य प्राप्तियों
को जिन्हें, भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर
अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोज-
नार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या
किया जाना चाहिए था, इपाने में सुविधा के लिये;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण
में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के
लिए कार्यवाहियाँ करसा हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की
तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद
में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से
किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन के भीतर उक्त सम्बन्ध सम्पत्ति में हितबद्ध
विसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधीहरताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकें।

स्पष्टीकरण :——इसमें प्रयुक्त शब्दों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में व्यापरिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

सेलम जिला, कानपल्ली गांव एस० सं० 117/1 ए०
और 2 ए० में 4.87 एकड़ खेती की भूमि (मकान और पम्प
सेट के साथ) ।

जी० रामनाथन
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-I, मद्रास

तारीख : 5-2-1977
मोहर ।

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना
भारत सरकार

कार्यालय, आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेज-1, मद्रास

मद्रास, दिनांक 5 फरवरी, 1977

निवेश वं० 26 /जून/ 76-77 :—यह, मुझे, जी० राम-
नाथन

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम', कहा गया है), की धारा 269-घ
के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण
है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-
रुपए से अधिक है

और जिसकी सं० 46 (एस० सं० 504/3 है, जो प्रेसीडेन्ट
वैकट राव रोड नामककल में स्थित है (और इससे
उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), राजस्ट्रीकर्ता
अधिकारी के कार्यालय, नामककल (पत्र सं० 293/76) में
रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन,
जून, 1976

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तर्गत की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल
का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है श्रीर अन्तरक (अन्तरकों)
और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए
तथा पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण
लिखित में आस्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
दायित्व में कमी करते या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम या
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया या किया जाना चाहिए था, छिपाने में
सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनु-
सरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा
(1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) श्री एस० रामसामी और आर० कालीयम्माल।
(अन्तरक)

(2) श्री एस० जगदीसन।
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के
लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती है, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितमङ्ग
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अषोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो 'उक्त
अधिनियम', के अध्याय 20-क में यथापरिभाषित
हैं, वही अर्थ होंगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अमुसूची

नामककल, गांधी नगर, प्रेसीडेन्ट वैकट राव स्ट्रीट
ठोर सं० 46 (आर० एस० सं० 504/3) में 8600 स्कुयर फीट
की भूमि (मकान के साथ)।

जी० रामनाथन
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेज-1, मद्रास

तारीख : 5-2-1977

मोहर।

प्रलेप श्राई० टी० एन० एस०

1. श्री एस० के० एम० सी० शणमुगकर्णि । (अन्तरक)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43)
की धारा 269 वा (1) के अधीन सूचना

(2) श्री जान कस फेर्नांडो । (अन्तरिक्षी)

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेज-1, मद्रास

मद्रास दिनांक 5 फरवरी, 1977

निदेश सं० 72/जून/76-77—श्रतः, मुझे जी० रामनाथन
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके
पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की धारा 269 वा के अधीन
सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर
सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है
और जिसकी सं 1 और 1 ए० है, जो सौत राजा स्ट्रीट तुलकूड़ि में
स्थित है (और इससे उपाबृश अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है),
रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, तुलकूड़ि (पत्र सं० 767/76)
में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के
अधीन जून, 1976 को

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल
के लिए अन्तरिक्ष की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण
है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान
प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत प्रधिक है
और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के
बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथ पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित
उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं
किया गया है—

(क) अन्तरण से हुई किसी प्राय की बाबत, उक्त अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में
कर्मी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;
और/या

(ख) ऐसी किसी प्राय या किसी धन या मन्य आस्तियों को,
जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन कर अधिनियम 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थे
अन्तरिक्षी द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया
जाना चाहिए या छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-वा के अनुसरण में,
मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-वा (1) के उपभारा (1) के
अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की प्रवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना
की तारीख से 30 दिन की प्रवधि, जो भी अवधि बाद में
समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी
व्यक्ति द्वारा ।

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिस्बद्ध किसी
अन्य व्यक्ति द्वारा अधीहस्ताक्षरी के पास लिखित में
किये जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में यथा परिभासित है, वही
अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है ।

अनुसूची

तुलकूड़ि, सौत राजा स्ट्रीट, डोर सं० 1 और 1 ए० (टी०
एस० सं० 409) में 5-3/4 सेट की भूमि (मकान के साथ) ।

जी० रामनाथन
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेज-1, मद्रास

दिनांक : 5 फरवरी, 1977

मोहर :

प्रलूप आई० टी० एन० एस०-----

1. श्री बी० विस्वेस्वरन और बी० लक्ष्मीकान्तन ।

(अन्तरक)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269व (1) के अधीन सूचना

2. श्री एस० गोविन्दसामि ।

(अन्तरिती)

भारत सरकार
कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-I, मद्रास

मद्रास, दिनांक 10 फरवरी, 1977

निवेश सं० 29/जून/76-77—ग्रतः मुझे जी० रामनाथन
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके
पश्चात् 'उक्त अधिनियम', वहा० गया है), की धारा 269व के
अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि
स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु०
से अधिक है और जिसकी सं० 5 है, जो राजा स्ट्रीट, कोमारपा-
लयम अमानी में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण
रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता प्राधिकारी के कार्यालय कोमारपा-
लयम (पत्र सं० 854/76) में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908
(1908 का 16) के अधीन 11 जून, 1976

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार
मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए
अन्तरित वीर्ग है और मुझे यह विश्वास करने का
कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके
दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत
अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्त-
रितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाठ्य गया प्रतिफल,
निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप
से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधि-
नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के वायित्व में
कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;
और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को,
जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922
का 11) या उक्त अधिनियम या धनकर अधि-
नियम 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ
अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया
जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अनुसूची

कोमारपालयम अमानी एस० सं० 624/2 ओर सं० 5 राजा
स्ट्रीट में 2958 स्कुयर फीट की भूमि (मकान के साथ) ।

जी० रामनाथन
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-I, मद्रास

ग्रतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269व के अनुसरण में,
में, उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1) के अधीन;
निम्नलिखित व्यक्तियों, ग्रर्ति:—

तारीख : 10 फरवरी, 1977

मोहर :

प्रलेप प्राइवेटी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269व (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-I, मद्रास

मद्रास, दिनांक 10 फरवरी 1977

निवेश सं० 30/जून/76-77 :—यतः, मुझे, जी० रामनाथन
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके
पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269व के
अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि
स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु०
से अधिक है

और जिसकी सं०—— है, जो पलीपालयम अमानी में स्थित है
(और इसके उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजि-
स्ट्रीकर्ता प्राधिकारी के कार्यालय, कोमारपालयम (पत्र सं० 876/76)
में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के
अधीन 15-6-76

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरिक्त की गई है और मुझे यह विश्वास करने का
कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके
दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत
अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिक्ती (अन्त-
रिक्तियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए सब पाया गया प्रतिफल,
निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में व्यास्तिक रूप से
कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के वायित्व
में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;
और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या धन्य आस्तियों को
जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922
का 11) या उक्त अधिनियम या धन-कर अधिनियम
1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिक्ती
द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना थाहिए
था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269व के अनुसरण में,
मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269व (1) के उपधारा (1) के
अधीन निम्नलिखित अस्तियों, अर्थात् :—

1. श्रीमति आम्भीयमाल और सामिनातन। (अन्तरक)

2. श्री कन्दसामि और रामायी। (अन्तरिक्ती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियाँ करता हूँ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की
सामीक्षा से 30 दिन की अवधि जो भी अवधि बाद
में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से
किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध किसी
अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित
में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में यथा परिभ्राषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय
में दिया गया है।

अनुसूची

सेलम जिल्ला, पलीपालयम अमानी एस० सं० 35/2,
36/3, 36/4, 36/5, 36/7, 40/3, 40/4, 39/3, 49/9,
49/14, 49/21, 47/5, 49/10, 49/13, 49/18 और/47/8 में
4. 24½ एकड़ खेती की भूमि और ईस्ट तोट्टीपालयम एस० सं०
81/1 में 180 स्कुयर फीट की भूमि (मकान के साथ—150 स्कुयर
फीट)।

जी० रामनाथन
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-I, मद्रास

तारीख : 10-2-77

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एस० एस०—

1. श्रीमति मुमलकमी।

(अन्तरक)

श्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-घ (1) के अधीन सूचना

2. कुमारी पलानयम्माल।

(प्रतिरक्षा)

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेज-I, मद्रास

मद्रास दिनांक 10 फरवरी, 1977

निदेश सं० 32/जून/76-77—ग्रतः, मुझे, जी० रामनाथन
श्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम', कहा गया है) की धारा
269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने
का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/- रुपये से अधिक है,

और जिसकी सं० 219/1 है, जो समुद्रम गांव में स्थित है (और इससे
उपांबुद्ध अनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ट अधि-
कारी के कार्यालय जलकन्डपुरम (पत्र सं० में 692/76) में
रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन
जून, 1976

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के
दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है
और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि
यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान
प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पद्धत प्रतिशत अधिक
है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया प्रतिफल
निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप
से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम,
के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में
कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;
और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हे भारतीय श्रायकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर
अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ
अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया
जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

ग्रतः श्रम, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण में,
मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपचारा (1) के
अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहिया करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी व्याप्तिः—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की
तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में
समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से
किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी
अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित
में किए जा सकें।

स्पष्टीकरण—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम
के प्रधाय 20-क में परिभाषित हैं, वही शब्द
होगा, जो उस प्रधाय में दिया गया है।

अनुसूची

सेलम जिला, संकरीदुर्ग, समुद्रम गांव एस० सं० 219/1 में
4.88 एकड़ खेती की भूमि।

जी० रामनाथन
सक्षम प्राधिकारी
सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेज-I, मद्रास

दिनांक : 10-2-1977

मोहर:

प्रसूत प्राईटी टी.एन.एस.

1. श्रीमति सुबलक्ष्मी।

(अन्तरक)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की

2. श्री रत्नम।

(अन्तरिती)

धारा 269 घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर प्रायुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज-ज., मद्रास

मद्रास, दिनांक 10 फरवरी, 1977

निवेश सं. 33/जून/76-77—श्रतः, मुझे, जी०
रामनाथनआयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ
के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण
है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-
रुपए से अधिक हैऔर जिसकी सं. 219/1 है, जो समुद्रम गांव में स्थित है (और
इससे उपावड़ अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्री-
कर्ता अधिकारी के कार्यालय, जलकन्डपुरम (पत्र सं. 691/76)
में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के
अधीन जून, 1976को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के वृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने
का कारण है कि यथा पूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके
दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे वृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत
अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए सब पाया
गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में
वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त सम्पत्ति के अधीन कर देने के अन्तरक के वायित्व में
कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/
या(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को
जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922
का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर
अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ
अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया या या किया
जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए ;अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनु-
सरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपषारा (1)
अधीन, निम्नलिखित अवित्यों, अर्थात् :—

9—486GI/76

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहिया करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या सप्तांशी व्यवित्यों पर सूचना की
तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में
समाप्त होती है, के भीतर पूर्वोक्त व्यवित्यों में से किसी
व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी
अन्य व्यक्ति द्वारा अधिहस्ताकरी के पास लिखित
में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20क में यथा परिभाषित हैं, वही
अर्थ होंगा जो उस अध्याय में दिया गया है ।

अनुसूची

सेलम जिला, समुद्रम गांव आर० एस० 219/1 में 3.91
एकड़ बोटी की भूमि ।

जी० रामनाथन
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर प्रायुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेज-ज., मद्रास

विनांक : 10-2-1977

मोहर :

प्रस्तुप आई० टी० एम० एस० —————

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269 घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार
कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त, निरीक्षण
अर्जन रेज-1, मद्रास

मद्रास, दिनांक 10 फरवरी, 1977

निवेश सं० 36 जून/76-77—अतः, मुझे, जी० रामनाथन

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी सं० 246/4, और 228/1 है, जो समयसंगिलि गांव में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, कोमारपालयम (पल सं० 939/76) में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन जून, 1976 को

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथा पूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथ पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से ही किसी आय की बाबत, 'उक्त अधिनियम' के अधीन कर देने के अन्तरक के बायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए और;

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आय कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या 'उक्त अधिनियम,' या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, 'उक्त अधिनियम,' की धारा 269-घ के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. श्री चिन्ना गड्ढर और आदी। (अन्तरक)

2 श्री कुण्ठुसामि और मुनियकाल। (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहिया करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की सामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि धारा में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रबुक्त शब्दों और पदों का, जो 'उक्त अधिनियम,' के अध्याय 20-क में यथा परिचालित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

सेलम जिल्ला, समयसंगिलि गांव एस सं० 246/4 (1.44 एकड़) और 228/1 (0.56 एकड़) में 2 एकड़ खेती की भूमि और आदी।

जी० रामनाथन
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेज-1, मद्रास

तारीख : 10-2-77
मोहर:

प्रलेप आई० टी० एन० एस० —————

1. श्री कालीयन्न गठन्डर और पेरीया गठन्डर (अन्तरक)

आयकर अधिनियम; 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

2. श्री आशप गठन्डर। (अन्तरिती)

भारत सरकार

व्यायालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज-1, मद्रास

मद्रास दिनांक 10 फरवरी 1977

निकेंद्र सं039/जून/76-77 :—अत, मृझ जी० रामनाथन
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उच्च अधिनियम', कहा गया है), की धारा
269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने
का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार
मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है
और जिसकी सं० 110/1 है, जो तंगायूर गांव में स्थित है (और
इससे लगावढ़ अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता
अधिकारी के कार्यालय, संकरीदर्श (परं सं० 470/76) में रजिस्ट्री-
करण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन जून, 1976
को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मृझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित मूल्य
उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह
प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों)
और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय
पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण
लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए ; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धन-
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में
सुविधा के लिए ;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहिया करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आशेष :—

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा ;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अषोहस्ताकरी के
पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में यथा परिभा-
षित है, वही पर्ण होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

सेलम जिला, तंगायर गांव एस० 110/1 में 6.59
एकड़ खेती की भूमि ।

जी० रामनाथन
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेज-1, मद्रास

दिनांक : 10-2-1977

मोदर :

प्रसूप प्राईंटी० एम० एस०————

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार
कार्यालय सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-I, मद्रास

मद्रास, विनांक 10 फरवरी, 1977

निदेश सं० 51/जून/76-77 :—ग्रतः, मुझे, जी० राम-
नाथन

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ
के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण
है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु
से अधिक है

और जिसकी सं० 74 है, जो राज स्ट्रीट, पञ्चूर गांव में स्थित है
(और इससे उपाबद्ध अनुमूली में और पूर्ण रूप से वर्णित है),
रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, जोलारपेट (पत्र सं० 763/
76) में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16)
के अधीन 1 जून, 1976 को

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने
का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य,
उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पद्धत
प्रतिशत अधिक है, और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक
रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी घन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
घन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था
या किया जाना चाहिए था, लिपाने में सुविधा के
लिए;

ग्रतः श्रेष्ठ, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, मर्यादिः :—

1. श्री पी० एस० एम० चेन्नकेसवन श्रीर आदी। (अन्तरक)
2. श्री ए० के० नरसिंह चेट्टी और श्रीमति बड़ीकीयम्मा।
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के
लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की सारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की सारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में यथा परिभाषित
है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

तिरुपत्तूर तालुक, पञ्चूर गांव डोर सं० 74 (एस० सं०
27) में 1453 रुपये फीट की भूमि (मकान के साथ)।

जी० रामनाथन
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-I, मद्रास

विनांक : 10-2-1977
मोदर :

प्रस्तुति प्राईटी एन० एस० —————

1. श्रीमति पी० नूरजीसा बी० । (अन्तरक)
 2. श्री ए० मोहम्मदुल्ला साहिब । (अन्तरिती)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
 269 अ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर प्रायुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज-1, मद्रास

मद्रास, दिनांक 10 फरवरी, 1977

निदेश सं० 53/जून/76-77—अतः, मुझे, जी० रामनाथन
 आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
 इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
 269-अ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
 कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
 25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी सं० 63/1 और 64/1 है, जो चिन्ह दामल चेस्टु
 गांव में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से
 वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, गुडियालम (पन्न
 सं० 1971/76) में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908
 का 16) के अधीन जून, 1976
 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
 प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने
 का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य,
 उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का घट्टह
 प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
 (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया
 प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त प्रत्यक्षण लिखित में बास्तविक
 रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत 'उक्त
 अधिनियम' के अधीन कर देने के अन्तरक
 के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में
 सुविधा के लिए और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
 की जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
 (1922 का 11) या 'उक्त अधिनियम'
 या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
 के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
 गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने
 में सुविधा के लिए;

अतः अब, 'उक्त अधिनियम,' की धारा 269-अ के
 अनुसरण में, मैं 'उक्त अधिनियम,' की धारा 269-अ की
 उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित अवित्यों, अर्थातः—

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
 कार्यवाहिया करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी अवित्यों पर सूचना
 की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाव
 में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त अवित्यों में
 से किसी अवित्त द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
 किसी अस्थि अवित्त होता, अधोहस्ताक्षरी के पास
 लिखित में किये जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो 'उक्त
 अधिनियम' के अध्याय 20-क में यथा-
 परिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय
 में दिया गया है।

अनुसूची

गुडियालम तालुक, चिन्हतु दामल चेस्टु गांव एस० सं० 63/1
 (1.56 एकड़), 64/1 (2.53 एकड़), में 4.09 एकड़
 खेती की भूमि।

जी० रामनाथन
 सक्षम प्राधिकारी
 सहायक आयकर प्रायुक्त (निरीक्षण)
 अर्जन रेज-1, मद्रास

दिनांक : 10-2-1977

मोहर :

प्रश्नपत्राई० टी० एन० एस० —————

1. श्री एच० के० सत्यनारायणन ।

(अन्तरक)

2. श्री एच० एस० विस्वानाथन ।

(अन्तरिमी)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269ष (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),

अर्जन रेंज-I, मद्रास

मद्रास, दिनांक 10 फरवरी 1977

निदेश सं० 58/जून/76-77 :—प्रतः मुझे, जी० रामनाथन

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'छक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख
के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण
है कि स्थाष्ठर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-
रु० से अधिक है

और जिसकी सं० 9/22, है, जो श्री राम कालनि दर्मपुरि में स्थित
है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है),
रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, दर्मपुरि (पत्र सं० 1087/76)
में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन
जून, 1976

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य

से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे
यह विश्वास करने का कारण है कि यथा पूर्वोक्त संपत्ति का उचित
बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथ पाया गया
प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उचित अन्तरण लिखित में
वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269ग के अनुसरण में, उचित अधिनियम की धारा 269ष की उपशारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् —

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी ग्राहक :

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की सारंख से
45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना
की तारीख से 30 दिन की अवधि जो भी अवधि बाद
में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में
से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उबत स्थावर संपत्ति में हित-
बद या किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, प्रधोहस्ताकरी के
पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-व में दर्था परि-
भाषित हैं वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय
में दिया गया है।

अनुसूची

दर्मपुरि, श्रीराम कालनि झोर सं० 9/22 (एस० सं० 400) में
1020 स्कुयर फीट की भूमि (मकान के साथ)।

जी० रामनाथन
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-I, मद्रास

दिनांक : 10-2-1977।

मोहर :

प्रलूप आई० टी० एन० एस०

1. श्री एम० परमसिवम पिल्लै ।

(अन्तरक)

प्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की

धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज-1 मद्रास

मद्रास, दिनांक 10 फरवरी, 1977

निदेश सं० 62/जून/76-77 :—अतः मुझे, जी० रामनाथन

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपए से अधिक है

और जिसकी सं० 423/1, 424/1, और 425/1 बी० 1 है, जो मन्त्रालय काईल गांव में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, अम्बसमद्रम (पत्र सं० 2696/76) में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन जून, 1976

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पद्धति प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के द्वारा ऐसे अन्तरण के लिए क्या पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण सिद्धि में वास्तविक रूप से कथित महीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, 'उक्त अधिनियम', के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में वर्षी बरने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या 'उक्त अधिनियम', या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या विया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-घ के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम, की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

2. श्री एस० सुब्रमणियन ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाब भी समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी ध्यानित द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा इधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में लिए जा सकेंगे ।

एलाइकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो 'उक्त अधिनियम', के अध्याय 20-क में यथा परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है ।

अनुसूची

तिसमेलवेल जिल्ला, मन्त्रालय काईल गांव एस० सं० 423/1 (36 सेंट), 424/1 (2.82 एकड़) और 425/1 बी० 1 (2.51 एकड़) में 5.69 एकड़ खेती की भूमि और आदी ।

जी० रामनाथन
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त, (निरीक्षण)
अर्जन रेज-1, मद्रास

तारीख : 10-2-77

मोहर :

आई० टी० एन० एस० —————

1. श्री वी० एस० मन्नेया देवर और आदी। (अन्तरक)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-व (1) के प्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज-1, मद्रास

मद्रास, विनांक 10 फरवरी 1977

निदेश सं० 32/जुलाई/76-77 :— अतः मुझे, जी० रामनाथन

आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-व के प्रधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है और जिसकी सं० 423/2, 424/2, 425ए/1 वी० 2 है, जो मन्नार्कोइल में स्थित है (और इससे उपावर अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता प्रधिकारी के कार्यालय, अम्बसमुद्रम (पत्र सं० 1619/76) में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के प्रधीन जुलाई, 1976

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के वृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके वृश्यमान प्रतिफल से ऐसे वृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अस्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिये तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बात, उक्त अधिनियम के प्रधीन कर देने के अस्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों, को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या घनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोगनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः इब उक्त अधिनियम की धारा 269-व के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1) के प्रधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों प्रर्थातः :—

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आभेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवद्धु किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त माव्यों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क यथा में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

तिरुनेलवेलि ज़िला, मन्नार्कोइल गांव एस० सं० 423/2 (32 सेंट), 424/2 (2. 49एकड़) 425-ए०/1 वी० 2 (2. 20 एकड़) में 5 01 एकड़ खेती की भूमि और आदी।

जी० रामनाथन
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेज-1, मद्रास

तारीख : 10 फरवरी, 1977।

मोहर :

प्रस्तुति आई०टी० एन०एस०—

श्री जवाहरलाल

(अन्तरक)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-घ(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार
कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण), नोंदवा
अर्जन रेज-1, मद्रास

मद्रास, बिनांक 10 फरवरी 1977

निदेश सं० 78/जुलाई/76-77—अतः मुझे, जी० रामनाथन
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी सं० 10 है, जो वैक्टरायर स्ट्रीट, मद्रास-3 में स्थित है
(और इससे उपांग अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है)
रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय (पंक्ति सं० 3117/76)
में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन
1-7-1976
को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने
का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य,
उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह
प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पादा गया प्रति-
फल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक
हृप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बावजूद उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक
के वायित्व में कमी करने पर उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या
(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या 'उक्त अधिनियम'
या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोगजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
नेथा था या किया जाना चाहिए था, छिपाने
में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-घ के
प्रनुसरण में, मैं उक्त अधिनियम, की धारा 269-घ की उप-
धारा (1) के अधीन निम्नलिखित घ्यक्षितों, अधीक्षितों—
10—486जी०आई०/76

2. श्रीमती कान्तक देवी सफल राजा, सुराना (अन्तरिती)

3. 1. श्री जोशुआ, (3) श्री जी० श्रान्दुरै 3. श्री पनाचन्द्र
कनाजी, 4. श्री शार० एस० सुरुल लालस्टो० एजेंसीस
(वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहिया शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी व्योरण—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्सम्बंधी घ्यक्षितयों पर सूचना
की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अधिक तारी
ख में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त घ्यक्षितयों में
से किसी घ्यक्षित द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति से हितवद
किसी अन्य घ्यक्षित द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास
सिखित में किये जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
मध्याय के अध्याय 20-क में यथा
परिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो इस अध्याय
में दिया गया है।

मद्रास बिनांक 10 फरवरी 1977

अन्तरक

मद्रास 3, वैक्टरायर स्ट्रीट, डॉर सं० 10 (आर० एस० सं० 855) में 1556 स्क्यूर फीट की भूमि (मकान के साथ)।

जी० रामनाथन
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेज-1, मद्रास

तारीख: 10 फरवरी, 1977

मोहर:

प्रस्तुप आई० टी० एन० एस०————

1. श्री पलनियण्ण गठन्हर और आदी

(अन्तरक)

प्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-ष(1) के अधीन सूचना

2. श्री एन० रंगसामि गठन्हर

(मन्तरिती)

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक प्रायकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-I, मद्रास

मद्रास, दिनांक 10 फरवरी 197

निवेश सं० 106/जून/76-77 :—अतः मुझे, जी०
रामनाथन

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ष के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी सं० है, जो ओडुवनकुरिच्चि में स्थित है 'और इससे उपाख्य में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ट प्राधिकारी के कार्यालय नामगिरिपेट (पत्र सं० 446/76) में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन जून,

1976।

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथा पूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पञ्चव्युत्पादक है और अन्तरक (अतरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण सिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बावत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय प्रायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या 'उक्त अधिनियम' या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए, या, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ष के अनुसार में, मैं उक्त अधिनियम, की धारा 269-ष की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहिया शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी प्राक्षेपः—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, प्रधोहस्ताक्षरी के पास सिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के प्रध्याय 20-क में यथा परिभ्राष्ट हैं, वही अर्थ होगा, जो उस प्रध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

सेलम जिल्ला, ओडुवनकुरिच्चि गांव एस० सं० 12/6, 12/5, 15/4, 16/3, 16/1, 16/5, 15/4, 16/3 और 16/1 में 4. 18½ एकड़ खेती की भूमि और आदी।

जी० रामनाथन
सक्षम प्राधिकारी
सहायक प्रायकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-I, मद्रास

तारीख : 10-2-1977

मोहर :

प्रस्तुप आई० टी० एन० एस०——

1. श्री के० मन्तुसामि चेट्टीयार और आदी (अन्तरक)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269वाँ(1) के अधीन सूचना

2. श्री के० एकाम्बर मुकुलियार (प्रत्यक्षित)

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-I, मद्रास

मद्रास, दिनांक 10 फरवरी 1977

निवेश सं० 108/जून/76-77 :—प्रतः मुझे, जी राम-
नाथन

आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की धारा 269वा०
के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण
है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-
रु० से अधिक है

और जिसकी सं० 206 है, जो एडन्यगणसालै गांव में स्थित है (और
इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्टा०
प्राधिकारी के कार्यालय, मगुडनाचावडी (पत्र सं० 569/76) में
भारतीय रजिस्ट्रीकरण, अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के
अधीन जून, 1976

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने
का कारण है कि यथा पूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य,
उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह
प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखत में
वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-
नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कभी
करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना आविष्ट था, छिपाने में सुविधा
के लिए;

प्रतः आय, उक्त अधिनियम की धारा 269वा० के अनु-
सरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269वा० की उपशारा
(1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

को यह सूचना आरी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के
लिए कार्यवाहियां पूर्ण करता हूँ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना
की सामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि
बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों
में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध किसी
अन्य व्यक्ति द्वारा, अघोहस्ताक्षरी के पास लिखित
में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
प्रधिनियम के अध्याय 20-क में यथा
परिभासित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस
अध्याय में दिया गया है।

अनुसंधान

सेलम जिल्ला, एडन्यगणसालै गांव आर० एस० सं० 206 में
4.72 एकड़ खेती की भूमि और आदी।

जी० रामनाथन
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-I, मद्रास ।

दिनांक 10-2-1977

मोहर :

प्रख्यात श्री० दी० एन० एस०—

मायकर अधिनियम, १९६१ (१९६१ का ४३) की
धारा २६९ घ (१) के अधीन सूचना

भारत सरकार
कार्यालय, सहायक आयकर, प्रायुक्ति (निरीक्षण)

अर्जन रेज-१, मद्रास

मद्रास, दिनांक १० फरवरी १९७७

निदेश सं० ११०/जून/१९७६-७७—यतः मुझे, जी० रामनाथन
आयकर अधिनियम, १९६१ (१९६१ का ४३) (जिसे इसमें
इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' बद्धा गया है), की धारा २६९ ख
के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण
है कि स्थानीय सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य २५,०००/-
रुपए से अधिक है और जिसकी संशोधन ईस्टर्सं० ४९/२ है, जो अवश्यक न पट्टी में स्थित
है (और इससे पावड़ में और पूर्ण रूप से बण्ठत है), रजिस्ट्रीकर्ता
प्राधिकारी के कार्यालय, सेलम (पद्र. सं० १८७२/७६). मेरी आवश्यकीय
रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, १९०८ (१९०८ का १६) के अधीन
जून, १९७६

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने
का कारण है कि यथा पूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य,
उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह
प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए क्षय पाया गया
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में
वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बावजूद, उक्त
अधिनियम, की, अधीन, कुछ देते के अन्तरक के
दायित्व में कम्ही करने पर, इससे बहुत अनुसूचित
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, १९२२
(१९२२ का ११) या उक्त अधिनियम, या
धनकर अधिनियम, १९५७ (१९५७ का २७)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती हारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में
सुविधा के लिए;

यतः अब, उक्त अधिनियम की धारा २६९-ग के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम, की धारा २६९-घ की उपस्थापा (१)
के अधीन निम्नलिखित अवित्तियों, अर्थात् :—

१. श्री वी० एम० कन्दसामि पिलै और मणी (अन्तरक)

२. श्री पी० नलमन्तु (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के
लिए कार्यवाहियां शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
४५ दिन की अवधि या तसम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से ३० दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती है, के बीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
४५ दिन के बीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधीक्षिताकारी के पास
लिखित में किए जा सकेंगी।

स्पष्टीकरण :——इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जी० सुनै
अधिनियम, के अध्याय २०-क में यथा परिभासित
है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

सेलम जिला, अप्रादनपट्टी गांव एस० सं० ५९/२ (डोर सं०
२/१८७ ई (में १०,१०० स्कुमर फीट की भूमि (मकान और
मुश्किल के साथ)।

जी० रामनाथन
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर प्रायुक्ति (निरीक्षण)
अर्जन रेज I मद्रास

दिनांक १०-२-१९७७।

मोहर :

प्र० ५८० आई० टी० एन० एस० ——

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

२६९४ (१) के प्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज I, मद्रास

मद्रास, दिनांक १० फरवरी, १९७७

निदेश सं० १११/जून/७६-७७: —यतः, मुझे जी० राम-
नाथन्

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा २६९-ब के प्रधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य २५,०००/- रु० से अधिक है,

और जिसकी सं० ५२/१/बी १ है, जो तेंगलपालयम में स्थित है (और इससे उपाबद्ध में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, रासीपुरम (पत्र सं० ७०३/७६) में भारतीय रजिस्ट्री-करण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन १८-६-१९७६ को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी भाय की आवत उक्त अधिनियम के प्रधीन सूचने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या छोड़ने से बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ल) ऐसी किसी भाय या किसी घम या अन्य आस्तियों को, जिन्हे भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ स्मृतिरत्ति द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

१. श्री करुणानिधि गठन्डर और आदी

(अन्तरक)

२. श्री पेरियतम्भी ऊड़ेयार

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता है।

उक्त संपत्ति के अर्जन के सबूध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से ४५ दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यवितयों पर सूचना की तारीख से ३० दिन की अवधि, जो भी अधिक बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से ४५ दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, प्रधानमंत्री के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का जो उक्त अधिनियम के अध्याय २०-के परिभासित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अमृसूची

सेलम जिल्ला, तेंगलपालयम गांव-एस० सं० ५२/१ बी १ म
३ एकड़ खेती की भूमि और आदी।जी० रामनाथन
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेज I, मद्रास

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा २६९-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा २६९-ब की उपधारा (१) के प्रधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, मर्यादा:—

दिनांक १०-२-१९७७।

मोहर:

प्रृष्ठ प्राईंटी टी० एन० एस०————

1. श्री रामसामि गङ्गेन्द्र और आदी।

(अन्तरक)

आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) की
घारा 269 घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-I, मद्रास

मद्रास, दिनांक 10 फरवरी 1977

निदेश सं० 113/जून/1976-77 :—यतः, मुझे, जी० राम-
नाथन

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की घारा 269-घ
के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण
है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी सं० 51/52, और 4, 54/2 और 4 है, जो आरीयग-
अन्डमपट्टी में स्थित है (और इससे उपाग्रह अनुसूची में और पूर्ण रूप
से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, नामिनी-पेट्रा
(पत्र सं० 423/76) में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908
का 16) के अधीन जून, 1976

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने
का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य
उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह
प्रतिशत, अधिक है, और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में
वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से क्षुद्र किसी आय की आवत, उक्त अधि-
नियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व
में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;
और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धन-कर
अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा
के लिए;

अतः अब उक्त अधिनियम की घारा 269ग के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की घारा 269 घ की उपधारा (1) के
अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, प्रधार्ता :—

2. श्रीमती अम्मणी अम्भाल।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां शुरू करता हूँ ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप—

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या सत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो
भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हताह
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में यथा परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है ।

अनुसूची

सेलम जिल्ला आरीय गङ्गेन्द्री गांव एस० सं० 51/5
(2.03 एकड़) 51/2 (11 1/4 सेट), 54/4 (0.09 एकड़);
54/2 (3.49 एकड़) और 51/4 (1/02 एकड़) में 6.74 1/4
एकड़ खेती की भूमि और आदी ।

जी० रामनाथन
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-I, मद्रास

विनांक: 10-2-1977

मोहर :

प्रकृष्ट प्राईंट टी० एन० एस०————

1. साउथ इंस्ट टामी को

(अन्तरक)।

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज I, मद्रास

मद्रास, दिनांक 15 फरवरी, 1977

निदेश सं० 2/जून/76-77 :—यतः, मुझे जी० राम-
नाथन

आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है)
की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह
विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका
उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है
(और जिसकी सं० 123/5बी, 124/6, 123/7 है, जो सोलट गांव,
ग्राम्भूर में स्थित है (और इससे उपाखण्ड अनुसूची में और पूर्ण
रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय; ग्राम्भूर
(पत सं० 754/76) में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908
(1908 का 16) के अधीन जून, 1976

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित
बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान
प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक
(अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे
अन्तरण के लिए तथा पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित
उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कठित
नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त
अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के
द्वायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम या
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने
में सुविधा के लिए।

यतः, इब उक्त अधिनियम, की धारा 269-घ के
प्रभुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की
उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

2. श्री टी० श्रद्धुल वाहीद

(अन्तरिती)।

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां शुरू करता हूँ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या सत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि,
जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर
पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितवद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किये जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में यथापरिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

नार्त आरकाट जिला, ग्राम्भूर, सोलूट गांव एस०सं० 123/5 बी,
123/6 और 123/7 में 6. 39 एकड़ की भूमि (मकान के साथ)।

जी० रामनाथन
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज I, मद्रास

तारीख: 15-2-77

भोहर :

प्रस्तुप प्राई० टी० एस० एस०—

1. कृष्णावाई जावर

(अन्तरक) ।

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269ध (1) के प्रधीन सूचना।

2. श्री वसन्तराज कटोड और आदी

(अन्तरिती)

भारत सरकार
कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज० I, मद्रास

मद्रास, दिनांक 15 फरवरी, 1977

निदेश सं० 9/जून/76-77।—यतः, मुझे जी० राम-
नाथन्

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-क
के प्रधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है
कि उक्त अधिनियम की अधिकारी का उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु०
से अधिक है।

और जिसकी सं० 436, मिन्ट स्ट्रीट और 2 पेरुमाल है जो मुदलि
स्ट्रीट मद्रास में स्थित है (और इससे उपांचाल अनुसूची में और पूर्ण रूप
से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ट प्राधिकारी के कार्यालय, मद्रास (पल
सं० 2924/ 76) में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908
(1908 का 16) के अधीन जून, 1976 को

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल
के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है
कि यथा पूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान
प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है
और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के
बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया प्रतिफल,
निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में धार्यालिक रूप
से कथित भहीं किया गया है—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम,
के प्रधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने
या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को,
जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922
का 11) या उक्त अधिनियम, या घनकर अधिनियम,
1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती

प्राप्त प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना
चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

प्रतः प्रब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-के प्रतुस्त्रण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-की उपधारा (1)-के
अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहिया शुल्क करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो
भी अवधि बाद में समाप्त होती है, के भीतर
पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उपर व्यावर सम्पत्ति में
हितक्षम विस्तीर्ण अन्य व्यक्ति, व्यावर सम्पत्ति के
पास लिखित में किये जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में यथा परिभासित
हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में
दिया गया है।

अनुसूची

मद्रास-1, डोर सं० 436 मिन्ट स्ट्रीट और 2, पेरुमाल मुदलि
स्ट्रीट में एक ग्रऊन्ड और 2028 स्क्युपर फीट की भूमि-मकान के साथ
(प्रार० एस० सं० 10681)।

जी० रामनाथन
सहम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेज० I, मद्रास

तारीख: 15-2-77.

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

1. श्री पलनिसामि और जय प्रकाश

(अन्तरक)

प्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269 घ (1) के अधीन सूचना

2. पूर्वोलै एस्टेट को०

(अन्तरिती)

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक प्रायकर आयुक्त (निरीक्षण)

प्रजन रेंज-I, मद्रास

मद्रास, दिनांक 15 फरवरी 1977

निर्देश सं० 42/जून 76/77 :—यतः मुझे, जी० रामनाथन प्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विष्यास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है और जिसकी सं० सेलम (पक्ष सं० 1842/76) है, जो पट्टी पाड़ी गांव, सेलम जिला में स्थित है (और इससे उपार्व अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय पट्टना में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक जून 1976 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दूसर्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विष्यास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दूसर्यमान प्रतिफल से, ऐसे दूसर्यमान प्रतिफल का पक्षह प्रतिशत से अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए कथं पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त प्रतरण लिखक्ष सं वार्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय प्रायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या विया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

यतः, अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269घ के अनुसरण में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, प्रर्यात् :—
11—486 GI/76

को यह सूचना आरी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियाँ करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तस्वीरी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवद्ध विसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किये जा सकें।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

सेलम जिला, एरकाड तालुक, पट्टी पाड़ी गांव एस सं० 29 (0. 63 एकड़), 54/1 (17. 87 एकड़), 61/2 (34. 48 एकड़), 71 (22. 34 एकड़), 72/1 / (0. 82 एकड़), 72. 2 (18. 82 एकड़), 75 (4. 68 एकड़), 65 (26. 30 एकड़) में 1256. 94 एकड़ खेती की भूमि।

जी० रामनाथन,
सक्षम प्राधिकारी
सहायक प्रायकर आयुक्त (निरीक्षण)
दिनांक 15-2-77
मोहर :

जी० रामनाथन,
सक्षम प्राधिकारी
सहायक प्रायकर आयुक्त (निरीक्षण)
प्रजन रेंज-I मद्रास

प्रस्तुत अर्थ ३० टी० एस० एस०-

1. श्रीमति गान्धीमती श्रम्माल

(अन्तरक)

ग्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269 घ (1) के प्रधीन सूचना

भारत सरकार
कार्यालय, सहायक ग्रायकर आयुक्त (निरीक्षण)
प्रर्जन रेज-I मंत्रालय

मंत्रालय, दिनांक 15 फरवरी 1977

निदेश सं० ५९/जून/७६-१९७७ :—यतः मुझे, जी० रामनाथन,
ग्रायकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके
पश्चात् 'उक्त अधिनियम' बहा गया है), की धारा 269 घ के
प्रधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि
स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये
से अधिक है

और जिसकी सं०टी० एस० ९५५ है, जो चिक्कनरसयन गाँव में
स्थित है (और इससे उपावड़ में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्री-
कर्ता अधिकारी के कार्यालय, तिरुनेलवेलि (पत्र सं० ८४१/७६)
में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16)
के प्रधीन जून, 1976

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने
का कारण है कि यथा पूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके
दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का 15 प्रतिशत से अधिक
है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के
बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित
उद्देश्य में उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से वर्णित नहीं
किया गया है :—

2. श्रीमति मैमून बीबी (अन्तरिती)।

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के प्रर्जन के लिए कार्य-
वाहिया करता है।

उक्त सम्पत्ति के प्रर्जन के संबंध में कोई भी आवेदन :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्सम्बद्धी व्यवित्रियों पर सूचना की
तामील में 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में
समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यवित्रियों में से किसी
व्यक्ति द्वारा ;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिस्थाप्त किसी
अन्य व्यवित्रिय द्वारा, प्रधोहस्ताकारी के पास लिखित
में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के दृष्टान्त 20 क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस दृष्टान्त में दिया गया
है।

भनुसूची

(क) अन्तरण से हुई किसी ग्राय की बाबत, उक्त अधिनियम
के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कर्त्ता करने
या उससे बचमे में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी ग्राय या किसी धन या प्रम्य आस्तियों को
जिन्हें भारतीय ग्राय-कर अधिनियम 1922 (1922
का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम,
1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अस्तरिती
द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए
था, लिपाने में सुविधा के लिए;

यतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269 ग के अनुसरण में,
मैं उक्त अधिनियम की धारा 269 घ की उपधारा (1) के अधीन,
निम्नलिखित व्यवित्रियों, प्रर्जन :—

तिरुनेलवेलि जिल्ला, चिक्कनरसयन गाँव मेलरद बीबी डोर
सं० ७६ (टी० एस० ९५५) में ५५१२ स्क्युयर फीट की भूमि
(भकान के साथ)।

जी० रामनाथन,
सक्षम प्राधिकारी
सहायक ग्रायकर आयुक्त (निरीक्षण)
प्रर्जन रेज-I मंत्रालय

दिनांक: 15-2-77

मोहर :

प्रसूप आई० टी० एम० एस०—
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269 व (1) के अधीन सूचना
भारत सरकार
कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-I मद्रास
मद्रास, दिनांक 15 फरवरी 1977

निदेश सं० 93/जून/1976-77 :—यतः मुझे, जी० राम-
नाथन,

आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-वा
के अधीन सक्रम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण
है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-
रु० से अधिक है
और जिसकी सं० 143/1, 2, 4 और 5 है, जो बड़बेटीकाड़ु गांव
में स्थित है (और इससे उपाबद्ध में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजि-
स्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, सेगोट्टी (पत्र सं० 1455/76)
में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16)
के अधीन जून, 1976 को

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल
के लिए अन्तरित की गई है, और मुझे यह विश्वास करने का
कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके
दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से
अधिक है और अन्तरित (अन्तरिकों) और अन्तरिती (अन्तरिति०)
के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथ्य पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित
उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं
किया गया है :—

(क) अन्तरण से हूँई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम,
के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने
या उससे बचने में सुविधा के लिए और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को जिम्मे भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर
अधिनियम, 1957 (1957 का 27), के प्रयोजनार्थ
अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया
जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए।

यतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-वा के प्रत्युत्तरण
में, उक्त अधिनियम की धारा 269-वा की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. श्री संकरनारायण अव्वर

(अन्तरक)

2. श्री सडलैमाडज औरज पिच्चमाल

(अन्तरिती)

को वह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के
लिए कार्यालयां फरता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्रोप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तसम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा ;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित
में किए जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं,
वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है ।

अनुसूची

तिरुनेलवेलि जिल्ला, बड़बेटीकाड़ु गांव एस० सं० 143/1,
(1. 66 एकड़), 142/2 (2. 07 एकड़); 143/4 (3. 89
एकड़) और 143/5 (0. 70 एकड़) में 8. 32 एकड़ खेती की
भूमि ।

जी० रामनाथन,
सक्रम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-I मद्रास

दिनांक: 15 फरवरी, 1977
मोहर :

प्रश्नपत्रांक ८० ई० एस० —————

(१) श्री एस० सब्रमणियम्

(अन्तरक)

६१२४२ अधिनियम, १९६१ (१९६१ का ४३) की धारा
२६९ घ (१) के अधीन सूचना

(२) श्री सडलैमाडन और पिच्चमाल

(अन्तरिक्षी)

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज-१ मद्रास

मद्रास, दिनांक १५ फरवरी १९७७

निवेश सं० ९४/जून/७६-७७—यतः, मुझे जी० रामनाथन
आयकर अधिनियम, १९६१ (१९६१ का ४३) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
२६९ घ के अधीन सक्रम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
२५,०००/- रु० से अधिक है

और जिस की सं० १४३/३ है, जो वडवेट्टीकाडु में स्थित है
(और इससे उपाबद्ध में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्री-
कर्ता अधिकारी के कार्यालय, सेंगोट्टे (पक्ष सं० १४०५/७६)
में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, १९०८ (१९०८ का
१६) के अधीन जून १९७६ को

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है । ऐसे यह विश्वास करने
वा कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य,
उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह
प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिक्षी
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया प्रति-
फल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक
रूप से कथित नहीं किया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक
के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य सास्तियों
को, जिसमें भारतीय आय-कर अधिनियम, १९२२
(१९२२ का ११) या 'उक्त अधिनियम',
या धन-कर अधिनियम, १९५७ (१९५७ का २७)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिक्षी द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने
में सुविधा के लिए;

को यह सूचना जारी के पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के
लिए कार्यवाहिया करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आशेषः—

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से ४५
दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना
की तामील से ३० दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद
में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में
से किसी व्यक्ति द्वारा ;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
४५ दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अघोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किये जा सकेंगे।

उपलब्धीकरणः——इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधि-
नियम के अध्याय २०-क में यथापरिभाषित है,
वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

तिरुनेलवेलि, वडवेट्टीकाडु गांव एस सं० १४३/३ में ६.६४
एकड़ खेती की भूमि।

जी० रामनाथन
सक्रम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेज-१, मद्रास

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा २६९ घ के
अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम, की धारा २६९-घ की
उपचारा (१) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, शर्तातः—

तारीखः १५-२-१९७७
मोहरः ।

प्रस्तुप आई० टी० एन० एस०—
 आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
 269व (1) के अधीन सूचना
 भारत सरकार
 कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
 अर्जन रेंज-I, मद्रास
 मद्रास, दिनांक 16 फरवरी 1977

निदेश सं० 57/जून/76-77—यतः, मुझे जी० रामनाथन आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' महा गया है), की धारा 269व के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपए से अधिक है और जिस की सं० 204 और 205 है, जो तिन्डल गांव में स्थित है (और इससे उपाबद्ध में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, कावेरिपटनम (पत्र सं० 673/76) में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन जून 1976 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पश्चह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कठित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए, और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य मास्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या जनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269व के अनुसरण में, उक्त अधिनियम की धारा 269व की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

- (1) श्री तोलन, डी० गोविन्दसामि और चिन्न पिल्लै
 (अन्तरक)
 (2) श्री बी० एस० कुपाकरन
 (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियाँ करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की प्रबंधि या सत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
 (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

दर्मपुरि जिल्ला तिन्डल गांव एस सं० 204 में 2.72 2/3 एकड़ और 205 में 2.64 एकड़ खेती की भूमि।

जी० रामनाथन
 सक्षम प्राधिकारी
 सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
 अर्जन रेंज-I, मद्रास

तारीख: 16-2-1977

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43)

की घारा 269 वा (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेजII 123, माउन्ट रोड़, मद्रास- 600006

तारीख 15-2-77

निदेश सं० 2987/76—यतः मुझे, एस० राजरतनम् आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की घारा 269-वा के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है

और जिस की सं० टेरामिय एस्टेट है तथा जो कुनूर में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, कुनूर 'डाकूमेण्ट 450/76) में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 1-6-1976 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के बृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके बृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे बृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से किया नहीं किया गया है :—

(1) तीनान सच्ची एस्टेट लिमिटेड

(अन्तरक)

(2) श्री जान तामस और एम० एस० सिवराज

(अन्तरिती

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियों करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आवेदन—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की सामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा,

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त रथावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किये जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसे किसी आय या किसी धन या अन्य प्राप्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या ब्रह्मकर अधिनियम 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

टेरामिय एस्टेट में 699.51 एकड़, जिसका आर० एस० सं० 68/1, 69, 70/2, 71/2, 71/3, 71/4, 72/1, 72/6, 73, 74, 75, 76, 81/1, 81/2, 81/3, 82, 83, 84, 85/3, 85/4, 88, 90/4, 265, 266/2, 266/3, 266/6, 267/1, 267/2, 267/3, 268/3, 268/5, 268/6, 269, 270, 303/5, 303/6, 390, 391/1, 436/2, 438/1, 438/3, 438/4, 438/5, 439, 440, 442/1, और 86/3, फेक्टरी और मकान

एस० राजरतनम्
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेज II मद्रास

यतः प्रब्र, उक्त अधिनियम की घारा 269ग के अनुसरण में, मैं उक्त अधिनियम की घारा 269 वा की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् :—

तारीख 15-2-77

मोहर :

प्रूप आई० टी० एन० एस०—

(1) श्रीमती संगम्माल

(अन्तरक)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की

धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज II, मद्रास

तारीख 15-2-77

निवेश सं० 3634/76-77—यतः मुझे, एस० राजरत्नम आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' बहा गया है), की धारा 269-घ के अधीन सक्रम प्राधिकारी को, यह विषयास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसपा उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है

और जिस की सं० 17, एन० एस० बी० रोड, जो तिरुचि में स्थित है (और इससे उपावड़ अनुसूची में और पूर्ण रूप से अण्ठत है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, जे० एस० आर III तिरुचि 'डाकुमेण्ट 1427/76 में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 22-6-1976

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृष्यमान प्रतिफल के लिए अस्तरण की गई है और मुझे यह विषयास करने का कारण है कि यथा पूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृष्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृष्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरको) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वारसविध रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हे भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, या छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः, प्रथ उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों पर्यातः—

(2) श्री एस० एम० पलनियप्प चेट्टियार
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियों करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवड़ किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताकरी के पास लिखित में किये जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में यथा-परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

तिरुचि, एन० एस० बी रोड, डोर सं० 17 में 4896 स्क्युयर फीट (मकान के साथ)

एस० राजरत्नम
सक्रम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज II मद्रास

तारीख 15-2-77

मोहर :

प्रलेप आई० टी० एन० एस०—

ग्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269 व (1) के अधीन सूचना
भारत सरकार

कार्यालय, सहायक ग्रायकर ग्राम्यका (निरीक्षण)

प्रर्जन रेज II, मद्रास

तारीख 17-2-77

निदेश सं० 3626/76-77—यतः मुझे, एस० राजरतनम् ग्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269 व (1) के अधीन सक्षम प्राप्तिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपए से अधिक है और जिस की सं० कीलपट्टियमपाक्षकम एस० सं० 44, 45, 43, 48, 49, 46, 47 और 45 में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, नेलिकुप्पम '(डाकुमेण्ट 761/76)' में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख जून 1976

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के 15 प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथ पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से तूर्हि किसी ग्राय की बाबत, उक्त अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी ग्राय या किसी धन या अन्य भास्तियों को जिन्हें भारतीय ग्राय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए।

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269 व (1) के अधीन, निम्नलिखित अवक्षियों, अर्थात् :—

- (1) 1. श्री लूयीस राजापातर;
- 2. जीनट रोसम्माल;
- 3. ए० ए० हमीद;
- 4. अम्माल;
- 5. सुगुना अम्माल;
- 6. हनमण्डास

(अन्तरक)

- (2) श्री ए० बी० कृष्णसामि

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित संबंध में कोई भी ग्राक्षेप :—

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी अविक्षियों पर सूचना की तारीख में 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त अविक्षियों में से किसी अविक्षित द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य अविक्षित द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्थावीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20 के परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

कीलपट्टियमपाक्षकम :

एस० सं०	एकड़-सेण्ट
44	0-11
45	3-81
43	1-31
49	6-94
46	0-96
47	1-16
45	1-23

एस० राजरतनम्
सक्षम प्राप्तिकारी,
सहायक ग्रायकर ग्राम्यका (निरीक्षण)
प्रर्जन रेज II मद्रास

तारीख 17-2-77

मोहर :

प्रस्तुप आई०टी०एन० एस०—

(1) श्री आर० सुन्दरराज

(अन्तरक)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की

धारा 269-ष (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज II मद्रास

मद्रास-600006, दिनांक 17-2-77

निदेश सं० 4018/76-77—यतः मुझे, एस० राजरटनम, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य, 25,000/- रुपये से अधिक है और जिस की सं० कोयम्बतूर, बिध बाजार स्ट्रीट में 8 सेप्ट का भूमि में 1/3 भाग (डोर सं० 17/860) में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, ज० एस० आर III कोयम्बतूर डाकुमेण्ट 1944/76) मे, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनांक 18-6-76 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरिक्ष की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पद्धत ह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरको) और अन्तरिक्ती (अन्तरिक्तियो) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के धार्यत्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिक्ती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए,

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ष की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

12—486 जौ० आई०/76

(2) श्रीमती एस० तकम्माल

(अन्तरिक्ती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती है, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकें।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अमृसंघी

कोयम्बतूर, बिध बाजार, स्ट्रीट, में 8 सेप्ट का भूमि में 1/3 अभिन्न भाग (मकान के साथ) (डोर सं० 17/860) (टी० एस० सं० 2/1205)

एस० राजरटनम

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज II, मद्रास

दिनांक: 17-2-77

मोहर :

प्रलेप आई० टी० एन० एस०—

(1) श्री सी० के० मोरक्का॑।

(प्रस्तरक)

प्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269ष (1) के अधीन सूचना

(2) श्रीमती एस० तंकम्माल॑।

(प्रस्तरिती)

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक प्रायकर आयुक्त (निरीकण)

अर्जन रेंज II मद्रास

मद्रास-600006, दिनांक 17-2-77

निवेश सं० 4018/76-77—ग्रतः मुझे, एस० राजरटनम, प्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की धारा 269 ष के अधीन समम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- है से अधिक है

और जिस की सं० कोयम्बतूर, विष बाजार स्ट्रीट में 8 सैण्ट का भूमि में 1/3 भाग (ओर सं० 17/860) में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, ज०एस० आर III कोयम्बतूर डाकूमेण्ट 1945/76) में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनांक 18-6-1976 को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथा पूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथ पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखत में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी घन या अस्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय प्रायकर आधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, ठिपाने में सुविधा के लिए;

ग्रतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269ग के अनुसरण में, उक्त अधिनियम की धारा 269ष की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित अवित्तियों अर्थातः:

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहिया करता हूँ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप —

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तस्वीरधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध किसी अस्य व्यक्ति द्वारा अघोषस्ताक्षरी के पास सिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20क में परि-भाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

कोयम्बतूर, विष बाजार स्ट्रीट में 8 सैण्ट का भूमि में 1/3 अभिन्न भाग (मकान के साथ) (ओर सं० 17/860) (टी० एस० सं० 2/1205)

एस० राजरटनम
समम प्राधिकारी
सहायक प्रायकर आयुक्त (निरीकण)
अर्जन रेंज II मद्रास

दिनांक : 17-2-77

मोहर :

प्रस्तुप आई० टी० एल० एस०————

(1) श्रीमती गीता राजकुमारी त्यागराजन (अन्तरक)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-I मद्रास
मद्रास-60006, दिनांक 17-2-77

निदेश सं. 4035/76-77—यतः मुझे, एस० राजरटनम आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की धारा 269-घ के अधीन सकाम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है

और जिस की सं० सैट सं० 47, पहला लेआउट, डाक्टर शिवानन्दा नगर, कोयम्बतूर (डोर सं० 14/47-1) में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, गांधीपुरम (हैकुमेण्ट 1561/76) में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनांक 26-6-1976 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिये, अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिये तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बावत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिये; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी घन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11), या उक्त अधिनियम, या घन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना आहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

यतः प्रब, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, धर्षात्:—

(2) श्री तामस तामस जेकब और श्रीमती एलियम्मा तामस (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अजेन के लिए कार्यवाहियां करता हू०।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधिया तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि वाल में समाप्त होती है, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोलिखित के पास लिखित में किये जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

कोयम्बतूर, डाक्टर शिवानन्दा नगर, पहला ले आउट, सैट सं० 17 (डोर सं० 14/47-1) में 6241 स्क्युयर फीट का भूमि (मकान के साथ)

एस० राजरटनम
सकाम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जनरेंज रेंज II मद्रास

दिनांक 17-2-77

मोहर :

प्रकृष्ट प्राईंट ई० एन० एस०—

ग्राम्यकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक ग्राम्यकर ग्राम्यकर (निरीक्षण)

श्रीमति अर्जन रेज II, मद्रास

मद्रास-600006, विनांक 17-2-1977

निदेश सं० 5769/76-77—यतः मुझे, एस० राजरटनम् ग्राम्यकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' वहा गया है), की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है

और जिस की सं० डोर सं० 12, नरसिंकपुरम स्ट्रीट, मद्रास-2 में स्थित है (ग्राम्यकर इससे उपबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, ट्रिप्पिकेन (आकुमेण्ट 385/76) में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, विनांक जून 1976 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है, और अन्तरक (अन्तरको) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिये तथा पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी घन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय ग्राम्यकर अधिनियम 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या घन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजन-नार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

मतः ग्राम्यकर अधिनियम की धारा 269-घ के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

- (1) 1. श्री एस० राधाकृष्णन;
- 2. श्री वेंकटकुमार;
- 3. श्रीमती लता मुरली;
- 4. श्रीमती चम्पकवल्लि श्रीनिवासराधवन;
- 5. श्री एस० रंगराजन;
- 6. कस्टर एस्टिट प्राइवेट लिमिटेड।

(अन्तरक)

- (2) 1. श्री रोकेया अम्माल;
- 2. श्री अन्तर बात्शा;
- 3. अहमद बात्शा; (मैनर)
- 4. श्री सेयद अब्दा (मैनर) } (रोकेया अम्माल के द्वारा)
- 5. मोहम्मद बारिद; (मैनर) }
- 6. अब्दुल्लाह (मैनर)

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यालयांहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तासील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभ्रामित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

मद्रास 2, नरसिंकपुरम स्ट्रीट, डोर सं० 12 में—ग्राउण्ड और 1996 स्क्युर फीट (मकान के साथ) (ग्राह० एस० सं० 3247)

एस० राजरटनम्
सक्षम प्राधिकारी
सहायक ग्राम्यकर ग्राम्यकर (निरीक्षण)
अर्जन रेज-II, मद्रास

दिनांक : 17-2-1977

मोहर :

प्रस्तुप आई० टी० एन० एस०————

(1) श्री मुनबर ग्रली 3-4-883 बरकततुरा हैदराबाद
(अन्तरक)(2) श्रीमती नीरमला आई पती मुकुनदासा धर नं०
3-5-1051 और 1052 नारायनगुडा हैदराबाद
(अन्तरिती)आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-व (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 17-2-1977

सं० आर० ए० सी० 227/76-77—यतः मुझे, के० एस०
वेक्टरामन,आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की धारा 269-व
के अधीन सकाम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है
कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25000/- रुपए
से अधिक हैअंगूर जिस की सं० 3-5-1051 और 1052 है, जो नारायनगुड
में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण
रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय
हैदराबाद में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908
का 16) के अधीन दिनांक 19-7-1976 को पूर्वोक्त
सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रति-
फल के लिये अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का
कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके
दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत
से अधिक है और अन्तरक (अन्तरको) और अन्तरिती
(अन्तरितियां) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में
वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—(क) अन्तरण से ही किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में
कर्मी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;
और/या(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को,
जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर
अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ
अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया
जाना चाहिये था, छिपाने में सुविधा के लिए;अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-व के अनुसरण
में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1) के
अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के
लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आशेष—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों को, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं,
वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

तमाम धर—जमीन का सवा और पहला मनसाला धर
नं० 3-5-1051 और 1052 नारायनगुडा हैदराबाद रजिस्ट्री की
गयी उप रजिस्ट्री कार्यालय हैदराबाद वस्तावेज नं० 1220/76।के० एस० वेक्टरामन
सकाम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, हैदराबाद

दिनांक: 17-2-1977

मोहर:

प्रस्तुप प्राइंटी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) की धारा

269वां (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

ग्रन्जन रेज, बंगलूर

बंगलूर, दिनांक 14 फरवरी, 1977

निर्देश सं० सीआर० 62/6029/76-77/एक्यू/वी—यतः,
मुझे, एम० हरिहरन,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे
इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-वा के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-
ह० से अधिक है

और जिसकी सं० 148 (पुराना) सं० 43 है, तथा जो इन-
फॉटरी रोड, बंगलूर-560001 में स्थित है (और इससे
उपांच ग्रन्जन सूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता
अधिकारी के कार्यालय, शिवाजीनगर, बंगलूर में रजिस्ट्रीकरण
अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक
14-6-1976

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने
का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य,
उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह
प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश से उक्त अन्तरण लिखित में वास्त-
विक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की आवत उक्त अधि-
नियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी
करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी ब्रांश या प्रन्थ आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
घनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा
के लिए;

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-वा के ग्रन्जन
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-वा की उपधारा (1)
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अधितः:—

(1) (1) श्रीमती मरियम कलीली (कुमारी मरियम
मिरजा) पत्नी जियाकलीसी और लड़की पद्मे-
श्री हुमयून मिरजा, कराची, पाकीस्तान क्याप :
“कब्बन लाज” सं० 3, राजभवन रोड, बंगलूर-
560001।

(2) पद्मश्री हुमयून मिरजा पुत्र स्व० अमीन-
उल-मासक श्री मिरजा एम० इसमाइल, क्याप
‘कब्बन लाज’, सं० 3, राजभवन रोड,
बंगलूर 560001।

(3) श्रीमती जीवुबीसा बेगम, हुमयून मिरजा,
पत्नी, पद्मश्री हुमयून मीरजा, एम/आफ मरियम
मिरजा, सं० 3, राजभवन रोड, बंगलूर। (अन्तरक)

(2) मैसर्स जी० एस० होटेल्स (पी) लिमिटेड सं० 148,
इनफॉटरी रोड, सिविल स्टेशन, बंगलूर-560001
रिप्रेजेंटेड बाय दी डायरेक्टर्स

(1) श्री एम० वी० गोपीनाथ

(2) एस० न० स० राव (अन्तरिती)

(3) होटल अविश्वास कारपोरेशन सं० 148, इनफॉटरी रोड, बंगलूर-
560001

(वह व्यक्ति, जिसके प्रब्रिभोग में संपत्ति है)

(4) (1) मैसर्स मनोरंजन कारपोरेशन सं० 10, सांकी रोड,
बंगलूर-560001

(2) रिप्रेजेंटेड बाय पार्टनर्स:—

(a) न० गंगाराम (b) श्री जी० देवी प्रसाद (c) जी०
आरमाराम (d) जी चतुरभूज और जी प्रकाश

(2) आसकर मिरजा, लंडन

(वह व्यक्ति जिसके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता
है कि वह सम्पत्ति में इतिबद्ध है)

को यह सूचना आरी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए
कार्यान्वयिता करता हूँ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या सत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना
की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि
बाद में समाप्त होती है; के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों
में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में यथा-
परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस
अध्याय में दिया गया है।

अमूसूची

[स्तोम 432/76-77 ता० 14-6-1976]

साय संपत्ति का नाम “इसमालिया” सं० 148 (पुराना)

सं० 43, इनफॉटरी रोड, बंगलूर-560001

बंधन:—पूर्व:—सं० 149, इनफॉटरी रोड

परिष्ठम : सं० 147, इनफॉटरी रोड,

उत्तर: इनफॉटरी रोड,

वक्षिण : सं० 3, (आकाशवाणी), राजभवन रोड

एम० हरिहरन,

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज, बंगलूर

दिनांक 14-2-1977

ओहर:

प्रहृष्ट प्राई० टी० एम० एस०—

(1) श्री एस० चन्द्रशेखर,
पुत्र ए० एम० सिंहसिंगप्पा,
सं० 14, माथमतस्वामी अध्यंगार स्ट्रीट,
कुमाय पाट्क वेस्ट, बंगलूर
(अन्तरक)

(2) श्री बिं एन० नंजप्पा,
पुत्र, स्व० बिं एम० नंजप्पा
सं० 11, जयनगर, 'टी' ब्लाक
बंगलूर-II
(अन्तरिती)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269वा

(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

प्रर्जन रेंज, बंगलूर

बंगलूर, दिनांक 9 फरवरी 1977

निर्देश सं० सीएच 62/6053/76-77/एक्यू/बी—यतः
मुझे एम० हरिहरन

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269वा के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है

और जिस की सं० 11 है, तथा जो (Vth ब्लाक 'T'), जयनगर बंगलूर में स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, जयनगर, बंगलूर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक 9-6-1976

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरिति की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में धारांशक रूप से कथित नहीं किया गया है—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या प्रत्यक्षास्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया या या किया जाना चाहिए था, लिपाने में सुविधा के लिए;

यतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269वा के अनुसरण में, उक्त अधिनियम की धारा 269वा की उपचारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अवातः—

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यान्वयिता करता है।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आवेदन :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अघोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभ्राषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

[वस्तावेज सं० 163/76-77 ता० 9/6/1976]

सं० 11, IV ब्लाक, 'टी', जयनगर, बंगलूर-II

बाध्यः—

पूर्व : निवेशन-10

परिषम : मकान 12

उत्तर : 33 क्रास रोड और

वक्षिण : मकान 22

एम० हरिहरन

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

प्रर्जन रेंज, बंगलूर

दिनांक : 9-2-1977

नोहर :

प्रस्तुति आई० टी० एन० एस०

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269 घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय सहायक आयकर आयुक्त (निरीकण)

अर्जन रेंज, बंगलूर

बंगलूर, दिनांक 4 फरवरी 1977

निर्देश सं० सीएच नं० 62/6086/76-77/एक्यू/बी—यतः
मुझे एम० हरिहरन
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ
के अधीन सक्रम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है
कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपए
से अधिक है।
और जिस की सं० पुराना ए-3, नवा० 10 है, तथा जो इनफेंट्री
रोड़कास, मिविल स्टेशन, बंगलूर में स्थित है (और इससे
उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता
अधिकारी के कार्यालय, शिवाजी नगर, बंगलूर में रजिस्ट्रीकरण
अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक
25-6-1976 को

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल
के लिए अन्तरिक्ष की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण
है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान
प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है
और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिक्षी (अन्तरिक्षियों) के बीच
ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित
उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं
किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम
के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने
या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को
जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922
का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम,
1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिक्षी
द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए
था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में,
मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन,
निम्नलिखित अधिकारी, अर्थात् :—

- (1) श्रीमती राधा अम्माल, (बी० राधा) पत्नी
स्थ० डा० एम० वरदराजन, सं० 19, अस्लम्मा
स्ट्रीट, शनाथ नगर, मद्रास-30
(अन्तरक)
(2) श्री बी० मुत्तुलाल सैय्याल, पुत्र श्री बी० सैय्याल, नवा
सं० 10, इन्फेंट्री रोड़ कास,
मिविल स्टेशन, बंगलूर
(अन्तरिक्षी)
(3) श्री बी० सैय्याल,
(वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में संपत्ति है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के
लिए कार्यवाहियाँ करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्संबंधी अविक्तियों पर सूचना की
तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि थाव में
समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी
व्यक्ति द्वारा;
(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी
अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में
किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20 के परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

[दस्तावेज सं० 504/76-77 ना० 25/6/76]

पुराना सं० ए-3, नवा सं० 10 इन्फेंट्री रोड़ कास,
मिविल स्टेशन, बंगलूर, (डिविशन० 59)

बोधः—

पूर्व : सं० 11, अस्पताल रोड़

परिचय : इन्फेंट्री रोड़ कास

उत्तर : पुराना 3, नवा० 9, इन्फेंट्री रोड़ कास, और

दक्षिण : सं० 11, इन्फेंट्री रोड़ कास

एम० हरिहरन

सक्रम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीकण)

अर्जन रेंज, बंगलूर

दिनांक : 4-2-1977

मोहर :

प्रेस आई० टी० एन० एस०

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना
भारत सरकार
कार्यालय सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
भ्रजन रेज, बंगलूर
बंगलूर, दिनांक 5 फरवरी 1977

निर्देश सं० सी० आर० नं० 62/6087/76-77/एक्य०/बी—
यतः मुझे, एम० हरिहरन,

आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ के अधीन सकाम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है और जिस की सं० पुराना सं० 3, नवा सं० 9, उत्तर भाग, है, तथा जो इन्फैट्री रोड क्रास, सिविल स्टेशन, बंगलूर में स्थित है (और इससे उपावश्य अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, 'शिवाजी नगर' बंगलूर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16), के अधीन दिनांक 25-6-1976

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृष्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृष्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृष्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिये क्या पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की वापत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी घन या अन्य मासिसियों, को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या घन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, लिपाने में सुविधा के लिए;

यतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपबारा (1) के अधीन निम्नलिखित अविक्षियों, अर्थात्:—]

13-486GI/76

(1) श्रीमती राधा अम्माल (वि० राधा)
पत्नी, डॉ० एम० वरदराजन,
सं० 19, चेलम्माल स्ट्रीट,
शताय नगर, मद्रास-30

(अन्तरक)

(2) श्री आर० मोहम्मद अशराफ,
पुत्र, स्व० अब्दुल रेहमान
सं० 143, शीफत्स स्कायर उत्तर ब्लाक,
बंगलूर-51

(प्रस्तुतिः)

(3) मिस्टर उत्तप

(वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में संपत्ति है)
को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के भ्रजन के कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के भ्रजन के संबंध में कोई भी आलोचना:

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधिहृस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के इध्याय 20-क में परिभ्राषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अमृसूची

[इस्तावेज सं० 505/76-77 ता० 25-6-78]

पुराना सं० 3, नवा सं० 9, उत्तर भाग इन्फैट्री रोड क्रास, सिविल स्टेशन बंगलूर का उत्तर विभाग
बांधः—

पूर्व : नवा सं० 11, प्रस्ताव रोड,

पश्चिम : इन्फैट्री रोड क्रास

उत्तर : सं० 11/1 से 11/9, प्रस्ताव रोड,

दक्षिण : पुराना सं० 3, नवा सं० 9, इन्फैट्री रोड क्रास

एम० हरिहरन

सकाम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

भ्रजन रेज, बंगलूर

दिनांक : 5-2-1977

मोहर :

प्रख्यूप आई० टी० एम० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269व (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, बंगलूर

बंगलूर, दिनांक 5 फरवरी 1977

निवेद सं० सी आर० 62/6088/76-77/एक्यू/बी—यतः,
मुझे, एम० हरिहरन,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे
इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-व के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थायर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-
ह० से अधिक है

और जिसकी सं० नवा 9, पुराना 3, दक्षिण भाग, है, तथा
जो इन्फेंटी रोड क्रास, सिविल स्टेशन, बंगलूर में स्थित है
(और इससे उपावद्ध अनसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है),
रजिस्ट्रीकर्ता प्राधिकारी के कार्यालय, शिवाजी नगर, बंगलूर
में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के
अधीन तारीख 25-6-1976

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अस्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने
का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य,
उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह
प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-
फल, निम्नलिखित उद्देश्यों से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक
रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-
नियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी
करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या प्राप्ति की
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोगनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना आदिए था, छिपाने में सुविधा
के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269 व के अनु-
सरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269 व की उपधारा
(1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, प्रथातः:—

- (1) राधा अम्माल (बी० राधा)
पत्नी स्व० डा० एम० वरदराजन,
सं० 19, चलम स्ट्रीट
ज्ञानाय नगर, मद्रास-30
(अन्तरक)
- (2) श्री ए० जाविद्,
पुत्र ए० जब्बार शरीफ,
सं० 30/31, ब्रोडवे रोड क्रास,
बंगलूर-51
(अन्तरिती)

(3)* श्री उत्तप्ता

(वह व्यक्ति जिसके अधिभोग में संपत्ति है)
को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के
लिए एतददारा कार्यवाहिया शुल्क करता हूँ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना
की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि
बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों
में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थायर संपत्ति में हित-
बद्ध किसी प्राप्ति व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में यथा परि-
भाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय
में दिया गया है।

अनुसूची

[दस्तावेज सं० 506/76-77 ता० 25-6-76]

पुराना-3, नवा-9, दक्षिण भाग इन्फेंटी रोड क्रास, मिशन
स्टेशन बंगलोर।

बोध:

पूर्व : सं० 11, आस्पताल रोड,

पश्चिम : इन्फेंटी रोड क्रास,

उत्तर : पुराना 3, नवा 9, इन्फेंटी रोड क्रास

दक्षिण : पुराना-ए-3, नवा-10, इन्फेंटी रोड क्रास।

एम० हरिहरन
सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, बंगलूर

दिनांक : 5-2-77

मोहर :

प्रकृष्ट प्राइंटी० एम० एस०—

ग्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269 अं(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

ग्रांजन रेंज, बंगलूरु

बंगलूरु, दिनांक 5 फरवरी 77

निर्देश सं० सी० नं० 62/6229/76-77/ एक्यू/बी—
यतः, मुझे, एम. हरिहरन,

ग्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269 अं(1) के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी सं० 2 है, तथा जो ईंगल्स स्ट्रीट, लांग फोरड
टौन, बंगलूरु-25 में स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूची में
और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ट प्राधिकारी के कार्यालय,
जग्ननगर, बंगलोर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908
(1908 का 16) के अधीन ता० 2-8-1976 को
पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के वृद्धमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने
का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य,
उसके वृद्धमान प्रतिफल से, ऐसे वृद्धमान प्रतिफल का पक्कह
प्राप्तशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथ पाया गया प्रति-
फल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक
रूप में कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से ही किसी आय की आवस उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक
के वायित्व में कमी करने या उससे बचने में
सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम
या घमनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने
में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269 अं(1) के
अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269 अं(1) की
उपधारा(1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

(1) (1) श्री वी० पी० दीना दयाल नायडू
पुत्र स्व० पी० पापव्या नायडू
(2) श्री० वेंकटेश,
पुत्र श्री वी० पी० दीना दयाल नायडू
सं० 22, नंदीदुर्ग रोड, जयमहल, बंगलूरु-46
(अन्तरक)

(2) श्री एम० छण्णा रेडी,
पुत्र, स्व० मुनिस्वामी रेडी,
सं० 45, मिशन रोड, बंगलूरु-27
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के ग्रंजन के लिए
कार्यवाहियाँ करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के ग्रंजन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना
की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि
बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों
में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में
हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के
पास लिखित में किये जा सकें।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में यथा-
परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय
में दिया गया है।

अमृस्त्री

[दस्तावेज सं० 452/76-77 ता० 2/8/76]
सं० 2, ईंगल्स स्ट्रीट, लांगफोरड टौन, बंगलूरु-25

बांध:—

पूर्व : हाजी मोहम्मद हुसेन और हाजी लतीफ का
परिचय : ईंगल्स स्ट्रीट,
उत्तर : बेरली स्ट्रीट और
दक्षिण : सं० 3, श्री सदाशिव मोदलियार

एम० हरिहरन,
सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
ग्रंजन रेंज, बंगलूरु

दिनांक : 5-2-1977

मोहर :

UNION PUBLIC SERVICE COMMISSION

New Delhi, the 14th January 1977

No. P/1878-Admn.I.—Dr. K. K. Srivastava, SSO-I of Defence Institute of Physiology and Allied Sciences, Delhi Cantt, has been appointed to the post of Under Secretary in the office of the Union Public Service Commission with effect from the afternoon of 31st December 1976, until further orders.

P. N. MUKHERJEE,
Under Secy.
for Chairman

Union Public Service Commission

New Delhi-110011, the 31st January 1977

No. P/556-Admn.I.—The President is pleased to permit Shri M. M. Thomas, a permanent Selection Grade Officer of the Central Secretariat Service and officiating as Adviser, Union Public Service Commission, to retire from Government service, on the expiry of the extended period of service beyond the age of superannuation, with effect from the afternoon of 31st January 1977.

The 1st February 1977

No. P/556-Admn.I.—The President is pleased to re-employ Shri M. M. Thomas, retired as Adviser, Union Public Service Commission, with effect from 31st January 1977 (AN), in the same capacity for a further period from 1st February 1977 to 30th November 1977.

P. N. MUKHERJEE
Under Secy.

MINISTRY OF HOME AFFAIRS
DIRECTORATE GENERAL, C.R.P. FORCE

New Delhi-110001, the 14th February 1977

No. O-II-1038/75-Estt(CRPF).—The Director General, CRPF is pleased to appoint Dr. (Mrs.) Usha Jain, as Junior Medical Officer in the CRPF on an *ad-hoc* basis wef 28th January 1977 (FN) for a period of 3 months only or till recruitment to the post is made on regular basis whichever is earlier.

No. O-II-28/77-Estt.—The President is pleased to appoint on deputation Shri S. C. Vidyarathi, an IPS officer of Madhya Pradesh Cadre, as DIG in the CRP Force.

2. Shri Vidyarathi took over charge of the post of DIGP, CRPP, Imphal on the forenoon of 18th January 1977.

The 15th February 1977

No. O-II-1040/76-Estt.—The Director General, CRPF is pleased to appoint Dr. M. Sreenivasa Reddy, as Junior Medical Officer in the CRPF on an *ad-hoc* basis wef 18th January 1977 (FN) for a period of 3 months only or till recruitment to the post is made on regular basis whichever is earlier.

The 16th February 1977

No. O-II-523/69-Estt.—Consequent on repatriation to his present state of Orissa, Shri J. M. M. Singh relinquished charge of the post of Assistant Commandant 48th Bn, CRPF on the afternoon of 15th January 1977.

A. K. BANDYOPADHYAY,
Asstt. Director (Adm.)

INDIAN AUDIT AND ACCOUNTS DEPARTMENT
OFFICE OF THE ACCOUNTANT GENERAL
ANDHRA PRADESH

Hyderabad, the 9th February 1977

No. E.B.I/8-132/76-77/425.—Shri S. Vedaraman, Accounts Officer, Office of the Accountant General, A.P.I., Hyderabad, has retired from service w.e.f. 31st January 1977 A.N.

S. MUKHERJEE,
Sr. Dy. Accountant General (Admn.)

OFFICE OF THE ACCOUNTANT GENERAL,
KERALA

Trivandrum, the 7th February 1977

No. Estt.A VII/9-86/Vol.II/314.—The Accountant General, Kerala is pleased to appoint the undermentioned officiating Accounts Officers of the Office of the Accountant General, Kerala, in a substantive capacity in the Accounts Officer's grade of Rs. 840—40—1000—EB—40—1200 with effect from the dates noted against each :

1. Shri A. Chandrasekharan, 1-11-1976.
2. Shri V. V. Kuttisankaran, 1-1-1977.

R. S. AIER,
Dy. Accountant General (Admn.)

EASTERN RAILWAY
OFFICE OF THE CHIEF AUDITOR
Calcutta, the 7th February 1977

No. L/8/76.—Consequent on the premature death of Shri R. K. Mukherjee, an officiating Audit Officer, of the Office of the Chief Auditor, Eastern Railway, the post held by him was vacated with effect from the mid-night of the 23rd January 1977.

U. D. ACHARYA,
Chief Auditor

OFFICE OF THE DIRECTOR OF AUDIT,
DEFENCE SERVICES

New Delhi, the 10th February 1977

No. 8465/A/Admn/130/76-77.—The Director of Audit, Defence Services is pleased to appoint the undermentioned substantive members of the S.A.S. to officiate as Audit Officer, until further orders, in the offices and from the date noted against each :

Sl. No.	Name	Office	Date
S/Shri			
1. V. B. Venkatakrishnan	Sr. Dy. C. A. (O.P.) Jabalpur	20-1-1977	
2. D. C. Sen	Sr. Dy. D. A. D. S. E. C. Patna	17-1-1977	
3. D. K. Konar	Sr. Dy. C. A. (O. P.) Kanpur	5-1-1977	

G. DWARKANATHAN,
Sr. Dy Director of Audit

DEFENCE ACCOUNTS DEPARTMENT
OFFICE OF THE
CONTROLLER GENERAL OF DEFENCE ACCOUNTS

New Delhi-110022, the 5th February 1977

No. 71019(8)76-AN-II.—On the results of the Combined Competitive Examination held by the Union Public Service Commission in 1975, the President is pleased to appoint the following individuals as Probationers in the Indian Defence Accounts Service with effect from the dates shown against them.

Sl. No.	Name	Date of appointment
(1)	Shri Gautam Sen	13-7-1976 (AN)
(2)	Shri Dilip Kumar Chakraborty	8-11-1976 (FN)
(3)	Shri Sunil Mathur	2-11-1976 (FN)
(4)	Shri Gurunurkar Sudhir	5-11-1976 (FN)
(5)	Shri Veerabhadra Rao Velaga	14-7-1976 (FN)
(6)	Shri K. Niranjan Rao	14-7-1976 (FN)
(7)	Shri N. P. Chauhan	8-11-1976 (FN)
(8)	Shri Tarsem Lal	2-11-1976 (FN)

The 8th February 1977

No. 18238/AN-II.—The President has compulsorily retired Shri P. C. Tandon, Deputy Controller of Defence Accounts, from service with effect from 4th November 1976 (FN) and accordingly he has been struck off the strength of the Defence Accounts Department with effect from 4th November 1976 (FN).

P. K. RAMANUJAM,
Addl. Controller General of Defence Accounts (Admin)

MINISTRY OF DEFENCE
D.G.O.F. HQrs, CIVIL SERVICE
DIRECTORATE GENERAL, ORDNANCE FACTORIES
Calcutta, the 7th February 1977

No. 3/77/G.—On attaining the age of superannuation, Shri Ramani Ranjan Nag, Offg. ASO/Subst. & Permt. Asstt. retired from service with effect from 31st January 1977. (A.N.).

D. P. CHAKRAVARTI,
ADG/Admn.II,
for Director General, Ordnance Factories

MINISTRY OF COMMERCE
OFFICE OF THE CHIEF CONTROLLER OF IMPORTS
AND EXPORTS

New Delhi, the 14th February 1977

IMPORT AND EXPORT TRADE CONTROL ESTABLISHMENT

No. 6/533/58-Admn(G)/1249.—The President is pleased to appoint Shri A. Ramachandran, an officer officiating in Selection Grade of the CSS and Deputy Chief Controller of Imports and Exports as Joint Chief Controller of Imports and Exports in this office in an officiating capacity with effect from the forenoon of the 1st January 1977, until further orders.

No. 6/645/61-Admn(G)/1175.—Shri H. T. Atmaramani is re-instated in the post of Controller of Imports and Exports in the Office of the Joint Chief Controller of Imports and Exports, Bombay with effect from 20th January 1977 (FN).

This office Notification No. 6/645/61-Admn(G), dated the 6th February 1976 is hereby cancelled.

The 15th February 1977

No. 6/806/67-Admn(G)/1237.—The President is pleased to appoint Shri R. P. Basu permanent in the Section Officer's Grade of the CSS and Controller of Imports and Exports in this office to officiate in Grade I of that service for a further period from 1st January 1977 to 28th February 1977 or till the vacancy is available, whichever is earlier.

2. The President is also pleased to appoint Shri R. P. Basu, as Dy. Chief Controller of Imports and Exports in the office of the Chief Controller of Imports and Exports, New Delhi for the aforesaid period.

The 16th February 1977

No. 6/713/63-Admn(G)/1296.—The President is pleased to appoint Shri N. A. Kohly permanent in the Section Officer's Grade of the CSS and Controller of Imports and Exports in this office to officiate in Grade-I of that service for a further period from 1st January 1977 to 28th February, or till the vacancy is available, whichever is earlier.

2. The President is also pleased to appoint Shri N. A. Kohly as Dy. Chief Controller of Imports and Exports in the office of the Chief Controller of Imports and Exports, New Delhi for the aforesaid period.

A. S. GILL,
Chief Controller of Imports and Exports

OFFICE OF THE TEXTILE COMMISSIONER

Bombay, the 29th January 1977

No. CFR/1/77.—In exercise of the powers conferred on me by Clause 22 of the Cotton Textiles (Control) Order, 1948, I hereby make the following further amendment to the Textile Commissioner's Notification No. CER/1/68, dated the 2nd May, 1968, namely :—

In the said Notification in Paragraph 1, Proviso (ii) and Proviso (iii) shall be renumbered as Proviso (iii) and Proviso (iv) respectively and the following shall be inserted as Proviso (ii), namely :—

(ii) Provided further that the maximum ex-factory price of controlled dhoti, controlled saree, controlled long cloth, controlled shirting, controlled drill and controlled tussore, produced by a producer having a spinning plant and packed as per the orders of the Textile Commissioner under Clause 21A of the Cotton Textiles (Control) Order, 1948, against the minimum quantities prescribed to be packed for periods beginning from 1st January 1977 as calculated in accordance with the formulae contained in Schedule A-VI (including parts I, II and III) shall be increased by 75.5%".

No. CER/3/77.—In exercise of the powers conferred on me by Clause 22 of the Cotton Textiles (Control) Order, 1948, I hereby make the following further amendment to the Textile Commissioner's Notification No. CER/3/69, dated the 19th September 1969, namely :—

In the said Notification after Paragraph II(B), the following Paragraphs shall be inserted, namely :—

"II(C)—On each piece of controlled cloth other than controlled dhoti or controlled saree packed as per the Orders of the Textile Commissioner under Clause 21A of the Cotton Textiles (Control) Order, 1948, against the minimum quantity prescribed for periods beginning from 1st January 1977, on the face plait and also on every metre at a height not exceeding 2.54 cms. from the selvedge, the words "CONSUMER PRICE PER METRE" and the amount of consumer price per metre in figures and the words "INC. EXCISE DUTY-OCTROI EXTRA" shall be stamped.

In the case of seconds as defined in Paragraph VI(4)(e) below, the words "SECONDS" and the amount in figures of the consumer price of such seconds as arrived at in accordance with Note II below :

II(D)—On controlled dhoti or controlled saree packed as per the orders of the Textile Commissioner under Clause 21A of the Cotton Textiles (Control) Order, 1948 against the minimum quantity prescribed for the periods beginning from 1st January 1977, on the face plait and on the other end of the second piece not exceeding 2.54 cms. from the selvedge, when packed in pairs, the words "CONSUMER PRICE PER PIECE" and the amount of consumer price per piece in figures and the words "INC. EXCISE DUTY-OCTROI EXTRA" shall be stamped.

In the case of seconds as defined in Paragraph VI(4)(e) below, the words "SECONDS" and the amount in figures of the consumer price of such seconds as arrived at in accordance with Note II below :

II(E)—On controlled dhoti or controlled saree packed in singles as per the orders of the Textile Commissioner under Clause 21A of the Cotton Textiles (Control) Order, 1948, against the minimum quantity prescribed for periods beginning from 1st January, 1977 on the face plait, the words "CONSUMER PRICE PER PIECE" and the amount of consumer price per piece in figures and the words "INC. EXCISE DUTY-OCTROI EXTRA" shall be stamped.

In the case of seconds as defined in Paragraph VI(4)(e) below, the words "SECONDS" and the amount in figures of the consumer price of such seconds as arrived at in accordance with Note II below :

Note I: For the purpose of Paragraphs II C, II D and II E, the expression 'Consumer price' shall mean the retail price applicable to controlled cloth as on 31-12-1976 plus the amount of excise duty payable on that date but shall not include octroi, if any payable.

Note II: The Consumer price of seconds that is required to be stamped shall be the retail price of seconds as arrived at in the manner prescribed in paragraph 1 of the Textile Commissioner's Notification No. CER/1/68, dated the 2nd May, 1968 as applicable on 31-12-1976 plus the amount of excise duty payable thereon on that date, but shall not include octroi, if any payable.

IIF—In addition to the markings prescribed to be made on controlled cloth with reference to Paragraphs II C, II D and II E above, all the markings prescribed except the markings in items (3) (4) and (5) in Paragraph II, shall be stamped on the face plait of such controlled cloth."

G. S. BHARGAVA,
Joint Textile Commissioner

MINISTRY OF INDUSTRY
(DEPARTMENT OF INDUSTRIAL DEVELOPMENT)
OFFICE OF THE DEVELOPMENT COMMISSIONER
SMALL SCALE INDUSTRIES

New Delhi, the 15th February 1977

No. A-19018(262)/76-Admn(G).—The Development Commissioner Small Scale Industries, New Delhi is pleased to appoint Shri M. Venkata Reddy, Small Industry Promotion Officer in the Small Industries Service Institute, Hyderabad to officiate as Assistant Director (Gr. II) in the Small Industries Development Organisation until further orders.

2. Consequent upon the appointment as Assistant Director (Gr. II) Shri M. Venkata Reddy assumed charge of the post of Assistant Director (Gr. II) at Small Industries Service Institute, Jaipur on the forenoon of 8th November 1976.

No. A-19018(266)/76-A(G).—The Development Commissioner Small Scale Industries is pleased to appoint Shri Amalendu Mukherjee, an Accounts Officer of the office of the Accountant General, Assam, Meghalaya, Shillong as Accounts Officer, Small Industries Service Institute, Calcutta on deputation with effect from the forenoon of 11th, November 1976.

V. VENKATRAYULU,
Dy. Director (Admn.)

DIRECTORATE GENERAL OF SUPPLIES & DISPOSALS
(ADMINISTRATION SECTION A-1)

New Delhi-1, the 10th February 1977

No. A-1/1(453).—Shri Parshotam Singh permanent Superintendent and officiating as Assistant Director (Grade II) in the Dte. General of Supplies and Disposals, New Delhi retired from Government service with effect from the afternoon of 31st January 1977 on attaining the age of superannuation (58 years).

KIRAT SINGH,
Dy. Director (Administration),
for Director General, Supplies and Disposals

MINISTRY OF STEEL AND MINES
DEPARTMENT OF STEEL
IRON AND STEEL CONTROL

Calcutta-20, the 3rd February 1977

No. EI-12(94)/75(.).—On attaining the age of superannuation Shri S. B. Basu, Accounts Officer of the Office of

the Sr. Dy. Accountant General, Commerce, Works and Miscellaneous, Calcutta and who was on deputation to the post of Accounts Officer in the office of the Iron and Steel Controller, Calcutta, retired from service with effect from the afternoon of 31st January 1977.

No. Admn.PF(44)(.).—On attaining the age of superannuation Shri Monimoy Ghosh, Deputy Asstt. Iron and Steel Controller retired from service with effect from the afternoon of 31st January 1977.

A. C. CHATTOPADHYAY,
Dy. Director (Administration)
for Iron and Steel Controller

GEOLOGICAL SURVEY OF INDIA

Calcutta-13, the 8th February 1977

No. 638/B. 30/75/19C.—The following temporary officers of the Geological Survey of India are declared quasi-permanent in the grade and with effect from the dates shown against their names :—

Sl. No.	Names	Designation	Date from which declared quasi-per- manent.
1	2	3	
1.	Shri A. Prasad	Asstt. Geologist	26-3-71
2.	Shri P. K. Sinha	Do.	9-5-71
3.	Shri D. Bhaduri	Do.	6-11-71
4.	Shri A. K. Basu	Do.	8-2-74
5.	Shri G. Ahmed	Do.	2-3-74
6.	Shri T. K. Saha	Do.	4-2-74
7.	Shri B. R. Rao	Do.	15-5-74
8.	Shri R. K. Razdon	Do.	2-9-74
9.	Shri Anil Saxena	Do.	22-3-74
10.	Shri S. K. Basu	Do.	23-4-74
11.	Shri V. K. Srivastava	Do.	24-3-74
12.	Shri B. D. Malhotra	Do.	3-4-74
13.	Shri Binoy Ghosh	Do.	19-5-74
14.	Shri S. S. Jain	Do.	16-10-74
15.	Shri K. K. P. Singh	Do.	23-11-74
16.	Shri Yoginder Zutshi	Do.	9-11-74
17.	Shri Sushil Kumar	Do.	6-10-75
18.	Shri S. Joyaram	Do.	18-11-74
19.	Shri P. C. Goswami	Do.	1-11-74
20.	Dr. A. K. Bhattacharya	Do.	25-9-74
21.	Shri S. Narasimha	Do.	1-10-74
22.	Shri R. S. Negi	Do.	1-10-74
23.	Shri S. Gangopadhyay	Do.	8-11-74
24.	Shri A. Bandopadhyay	Do.	18-11-74
25.	Shri S. G. Krishna	Do.	6-4-74
26.	Shri A. K. Lal	Do.	15-11-74
27.	Shri N. Dayal	Do.	15-11-74
28.	Shri Alok Sen	Do.	3-12-74
29.	Shri S. K. Anand	Do.	24-9-74
30.	Shri T. Venkataramaiah	Do.	24-9-74
31.	Shri Ram Lal	Do.	24-9-74
32.	Shri C. Ramamohana	Do.	4-11-74
33.	Shri A. K. Mukhopadhyay	Do.	8-11-74
34.	Shri B. K. Acharya	Do.	22-12-74
35.	Shri P. N. Sinha	Do.	16-11-74
36.	Shri A. K. Sinha	Do.	4-10-74
37.	Shri Chaman Lal	Do.	8-10-74
38.	Shri D. S. Sisodiya	Do.	22-12-74
39.	Shri D. N. Rahat	Do.	25-10-74
40.	Shri D. A. Rapa	Do.	11-10-74

1	2	3
41. Shri A. A. K. Sinha	Assistant Geologist	8-8-75
42. Shri B. R. Babu	Do.	23-8-75
43. Mrs. Krishna Roy Chowdhury	Do.	12-6-75
44. Shri R. B. Rao	Do.	29-8-75
45. Shri R. K. Chakraborty	Shift Boss	24-2-75
46. Shri S. K. Biswas	Do.	1-3-75
47. Shri S. N. Srivastava	Do.	22-3-75
48. Shri K. C. P. Singh	Do.	6-10-75
49. Shri K. S. S. Rao	Do.	25-4-75
50. Shri G. L. V. R. Anjaneyulu	Do.	18-7-75
51. Shri A. S. Rao	Do.	1-7-75
52. B. K. Prasad	Do.	31-7-75
53. Shri B. K. Verma	Asstt. Chemist	7-8-75
54. Shri G. P. Parikh	Do.	4-3-75

V. K. S. VARADAN,
Director General

DEPARTMENT OF MINES
INDIAN BUREAU OF MINES

Nagpur, the 8th February 1977.

No. A19011(23)/76-Estt.A.—The President is pleased to appoint Shri A. C. Banerjee, Junior Mining Geologist, Indian Bureau of Mines to officiate as Senior Mining Geologist in the Indian Bureau of Mines with effect from forenoon of 20th January 1977 until further orders.

The 14th February 1977

No. A19011(138)/76-Estt.A.—The President is pleased to appoint Shri K. Hanumantha Rao, Assistant Controller of Mines, Indian Bureau of Mines to officiate as Deputy Controller of Mines in the Indian Bureau of Mines with effect from the forenoon of 21st January 1977, until further orders.

L. C. RANDHIR,
Administrative Officer
for Controller

SURVEY OF INDIA
SURVEYOR GENERAL'S OFFICE

Dehra Dun, the 15th February 1977

No. C-5188/724-SOS(A).—The undermentioned officers are appointed to officiate as Assistant Stores Officer (Group 'B' posts) in the scale of pay of Rs. 550—25—750—EB—30—900 in the Survey of India with effect from the dates as stated against each until further orders :—

Sl. No.	Name & Designation	Date of Promotion	Office to which posted
1.	Shri V.D. Sharma, Stores Assistant, Selection Grade.	10-11-76 (A.N.)	Geodetic & Research, Branch, Dehra Dun
2.	Shri Ranjit Gupta Stores Assistant, Selection Grade.	27-1-77 (F.N.)	North Eastern Circle, Shillong

K. L. KHOSLA,
Major General
Surveyor General of India
Appointing Authority

ZOOLOGICAL SURVEY OF INDIA

Calcutta-12, the 10th February 1977

No. F.75-219/75-Estt./3007.—The resignation tendered by Dr. Mohammed Hayat, temporary Assistant Zoologist, Desert Regional Station, Zoological Survey of India, Jodhpur, on his own volition, has been accepted with effect from 22nd December 1976 (Afternoon).

DR. S. KHERA,
Joint Director-in-Charge

MINISTRY OF INFORMATION AND BROADCASTING
DIRECTORATE OF ADVERTISING AND VISUAL
PUBLICITY

New Delhi, the 9th February 1977

No. A-19012/1/77-Estt.II.—The Director of Advertising and Visual Publicity appoints Shri D. C. Roat to officiate as Field Exhibition Officer in the Field Exhibition Office of this Directorate at Ahmedabad with effect from 20th January 1977 (forenoon), until further orders.

R. DEVASAR,
Dy. Director (Admn.)
for Director of Advertising and Visual Publicity

DIRECTORATE GENERAL OF HEALTH SERVICES

New Delhi, the 10th February 1977

No. 7/1(11)/75-CGHS I Pt.I.—Consequently on attaining the age of superannuation, Dr. (Mrs.) Kaushalya Sharma, Junior Medical Officer, CGHS, Delhi relinquished charge of her post in the afternoon of 31st March 1976.

R. K. JINDAL,
Dy. Director Admn. (CGHS)

New Delhi, the 10th February 1977

No. A.12025(ii)/17/76-Admn.I.—The Director General of Health Services is pleased to appoint Shri B. R. Sroy to the post of Technical Officer, Drugs Standard Cell, Central Drugs Standard Control Organisation, Directorate General of Health Services, New Delhi, on a temporary basis with effect from the 10th September 1976 and until further orders.

The 17th February 1977

No. 28-8/70-Admn.I.—On attaining the age of superannuation, Dr. N. L. Sitaraman, Assistant Director, (Entomology) at the Regional Co-ordinating Organisation, National Malaria Eradication Programme, Bangalore, relinquished charge of the post on the afternoon of 31st December 1976.

S. L. KUTHIALA,
Dy. Director Administration

New Delhi, the 16th February 1977

No. A.22012/53/76-CHS.I.—Consequent on his transfer of Dr. K. K. Keswani, an Officer of G.D.O. Grade I of the C.H.S. relinquished charge of the post of Deputy Airport Health Officer in the Airport Health Organisation, Bombay on the forenoon of the 16th November 1976 and assumed charge of the post of Deputy Port Health Officer in the Port Health Organisation, Kandla on the forenoon of the 25th November 1976.

K. VENUGOPAL,
Dy. Director Administration (CHS)

BHABHA ATOMIC RESEARCH CENTRE
PERSONNEL DIVISION

Bombay-85, the 15th July 1976

No. 5/1/76/Estd.II/1701.—The Controller, Bhabha Atomic Research Centre appoints Shri Kavumpadical Raghavan Pillai Chandran Pillai, officiating Assistant to officiate as Assistant Personnel Officer in this Research Centre for the period from 19th April 1976 to 21st May 1976 *vice* Shri C. G. Sukumaran, Assistant Personnel Officer granted leave.

No. 5/1/76/Estd.II/1702.—The Controller, Bhabha Atomic Research Centre appoints Shri Adukkadukkam Kunhambu Nair, Stenographer (Sr.) to officiate as Assistant Personnel Officer in this Research Centre for the period from 20th May 1976 to 25th June 1976 *vice* Shri P. R. Rajagopalan, Assistant Personnel Officer granted leave.

S. KRISHNAMURTHY,
Dy. Establishment Officer

Bombay-400085, the 21st October 1976

No. PA/34(1)/73-R-IV.—The Controller, Bhabha Atomic Research Centre, hereby appoints Shri Thenkurissi Vellapulli Rajan, a permanent Assistant Security Officer in the Bhabha Atomic Research Centre, to officiate as Security Officer in the same Research Centre in a temporary capacity, during the undermentioned periods :—

October 27, 1975 (FN) to November 29, 1975 (AN).
April 19, 1976 (FN) to June 5, 1976 (AN).

The 27th December 1976

No. PA/73(9)/76-R-IV.—The Controller, Bhabha Atomic Research Centre, appoints Smt. Tara Ramachandra Valsangkar, a permanent Assistant Matron in the Bhabha Atomic Research Centre, to officiate as Matron in the same Research Centre, on an *ad-hoc* basis, with effect from the forenoon of July 1, 1976, until further orders.

P. UNNIKRISHNAN,
Dy. Establishment Officer (R)

Bombay-400085, the 8th February 1977

Ref. G/803/DEED/Estd.IV/993.—The following order which was sent by Registered A. D. to Shri P. Gangadharan, Tradesman B" of this Research Centre at his address on January 10, 1977 has been returned undelivered by the postal authorities with remarks dated 13th January 1977 as "left without instructions". The order is therefore published in the gazette.

"ORDER

In pursuance of sub-rule (1) of rule 5 of the Central Civil Services (Temporary Services) Rules, 1965, I hereby give notice to Shri P. Gangadharan, a temporary Tradesman (B), desalination and Effluent Engineering Division of this Research Centre, that his services shall stand terminated with effect from the date of expiry of a period of one month from the date on which this notice is served on or, as the case may be, tendered to him.

The 10th February 1977

Ref. F/127/TMU/Estd.V/1088.—The following order which was sent by Registered A/D. to Shri G. J. Fernandez, Tradesman (A) of this Research Centre at his address on January 7, 1977 has been returned undelivered by the postal authorities with remarks dated 18th January 1977 as "addressee left from India". The order is, therefore, to be published in the Gazette.

"ORDER

In pursuance of sub-rule (1) of Rule 5 of the Central Civil Services (Temporary Service) Rules 1965, I hereby give notice to Shri G. J. Fernandez, Tradesman (A), Transport Maintenance Unit that his services shall stand terminated

with effect from the date of expiry of a period of one month from the date on which this notice is served on or as the case may be, tendered to him.

P. R. MER,
Head, Personnel Division

Bombay-400085, the 10th February 1977

No. B/620/Accts/Estd.VII/1243.—Consequent on attaining the age of superannuation, Shri Shankar Vishnu Bhave, a permanent Upper Division Clerk and officiating Assistant Accounts Officer of this Research Centre has retired from Government service with effect from the afternoon of January 31, 1977.

S. RANGANATHAN,
Dy. Establishment Officer

DIRECTORATE OF PURCHASE AND STORES

Bombay-400001, the 6th January 1977

No. DPS/A/11013/32(a)/76/Est/443.—Director, Purchase and Stores, Department of Atomic Energy appoints Shri Wazir Chand a permanent Storekeeper and an officiating Chief Storekeeper in the Stores Unit (DPS) Atomic Minerals Division, Hyderabad to officiate as an Assistant Stores Officer on an *ad hoc* basis with effect from the afternoon of November 5, 1976 to the afternoon of January 15, 1977 *vice* Shri Arbinda Panda, Assistant Stores Officer granted leave.

V. P. CHOPRA,
Administrative Officer

MINISTRY OF TOURISM AND CIVIL AVIATION
INDIA METEOROLOGICAL DEPARTMENT

New Delhi-3, the 10th February 1977

No. E(I)04318.—The Director General of Observatories hereby appoints Shri H. R. Ganesan, Professional Assistant, office of the Dy. Director General of Observatories (Climatology) Pune as Assistant Meteorologist in an officiating capacity for a period of Seventyfour days with effect from the forenoon of 17th January 1977 to 31st March 1977.

Shri Ganesan, Offg. Assistant Meteorologist, remains posted to the office of Dy. Director General of Observatories (Climatology) Pune.

No. E(I)05773.—The Director General of Observatories hereby appoints Shri R. M. Saxena, Professional Assistant, office of the Dy. Director General of Observatories (Instruments), New Delhi to officiate as Assistant Meteorologist for a period of Seventyfour days with effect from the forenoon of 17th January 1977 to 31st March 1977.

Shri Saxena, Officiating Assistant Meteorologist remains posted to the office of the Dy. Director General of Observatories (Instruments), New Delhi.

No. E(I)04193.—The Director General of Observatories hereby appoints Shri K. K. Bhowmik, Professional Assistant, Office of the Director, Regional Meteorological Centre, Calcutta, as Assistant Meteorologist in an officiating capacity for a period of SEVENTYONE days with effect from the forenoon of 20th January 1977 to 31st March 1977.

Shri Bhowmik, Officiating Assistant Meteorologist, remains posted to the office of the Director, Regional Meteorological Centre, Calcutta.

No. E(I)05481.—The Director General of Observatories hereby appoints Shri S. N. Bhan, Prof. Assistant, Headquarters office of the Director General of Observatories, New Delhi, as Assistant Meteorologist in an officiating capacity for a period of sixtyfive days with effect from the forenoon of 26th January 1977 to 31st March 1977.

Shri Bhan, Officiating Assistant Meteorologist, remains posted to the Headquarters office of the Director General of Observatories, New Delhi.

No. E(I)05483.—The Director General of Observatories hereby appoints Shri M. D. Kundra, Professional Assistant, Headquarters office of the Director General of Observatories, New Delhi, to officiate as Assistant Meteorologist for a period of FIFTY EIGHT days with effect from the forenoon of the 2nd February 1977 to 31st March 1977.

Shri Kundra, Officiating Assistant Meteorologist, remains posted to the Headquarters office of the Director General of Observatories, New Delhi.

M. R. N. MANIAN,
Meteorologist,
for Director General of Observatories

OFFICE OF THE DIRECTOR GENERAL OF CIVIL AVIATION

New Delhi, the 16th December 1976

No. A.31011/1/73-EC.—The President is pleased to appoint the following Officers in a substantive capacity in the grade of Technical Officer in the Civil Aviation Department with effect from the date indicated against each :—

Sl. No.	Name of the Officer	Date
1	2	3
1.	Shri V.K. Verma	21-11-74
2.	Shri A.P.S. Khanna	3-10-75
3.	Shri S.K. Kakkar	3-10-75
4.	Shri Risal Singh	3-10-75
5.	Shri Parveen Seth	3-10-75

The 17th January 1977

No. A.32013/14/76-EC.—The President is pleased to appoint the following five Technical Officers working as Senior Technical Officer on an *ad-hoc* basis, as Senior Technical Officer on a regular basis in the Civil Aviation Department with effect from the 1st December 1976 (FN) and until further orders at the stations indicated against each :—

S. No.	Name	Station of posting
1.	Shri A.P.S. Khanna	Director Radio Construction and Development Units, Safdarjung Airport, New Delhi.
2.	Shri S.K. Kakkar	Aeronautical Communication Station, Plam.
3.	Shri Risal Singh	Aeronautical Communication Station, Nagpur.
4.	Shri D.C. Mehta	Controller of Communication, Delhi.
5.	Shri Praveen Seth	Director General of Civil Aviation Headquarters, New Delhi.

The 8th February 1977

No. A.32013/3/76-EA.—The President is pleased to appoint the following officers to the grade of Aerodrome Officer in the Civil Aviation Department in an officiating capacity

with effect from the 19th October 1976 and until further orders :—

Sl. No.	Name	Station of posting
1.	Shri R.D. Nair	Santacruz.
2.	Shri O.P. Dhingra	Headquarters as T.O. (P)
3.	Shri M.P. Khosla	Udhampur.
4.	Shri K.S. Prasad	Dum Dum.
5.	Shri N.D. Ghosh	Dum Dum.
6.	Shri Ravi Tankha	Safdarjung.
7.	Shri C.R. Rao	Rajkot.
8.	Shri Kundan Lal	Aurangabad.
9.	Shri J.K. Sardana	Safdarjung.
10.	Shri K. C. Misra	CZTC, Allahabad.
11.	Shri G.B.K.N. Nair	Santacruz.
12.	Shri D.D. Sadana	Safdarjung.
13.	Shri K.N. Venktachalliah	Santacruz.
14.	Shri S.D. Dayal	Headquarters as T.O. (A.S.).
15.	Shri S.C. Sekhri	Plam.
16.	Shri S.K. Jain	Plam.
17.	Shri D. Ramanujam	Srinagar.
18.	Shri A.T. Verghese	Coimbtore.
19.	Shri K.V.S. Rao	Madras.
20.	Shri N.P. Sharma	Safdarjung.
21.	Shri S.K. Banerjee	Dum Dum.
22.	Shri R. Kothandaraman	Tiruchirapalli.
23.	Shri K.K. Saxena	Plam.
24.	Shri A.M. Thomas	Madras.
25.	Shri S.A. Ram	Dum Dum.
26.	Shri M.M. Sharma	Agra.
27.	Shri D.C. Kharab	Plam.
28.	Shri S.S. Pillai	Trivendrum.
29.	Shri K.B.K. Khanna	Plam.

2. This Officer Notification No. A. 32013/3/76-EA dated the 18-1-1977 is hereby cancelled.

The 9th February 1977

No. A.38012/1/77-EC.—Shri S. Ramachandran, Senior Technical Officer, Radio Construction and Development Units, Safdarjung Airport, New Delhi relinquished charge of his office on the 31st January 1977 (AN), on retirement from Government service on attaining the age of superannuation.

H. L. KOHLI,
Dy. Director (Administration)

New Delhi, the 15th February 1977

No. A.19012/2/77-Hindi.—The Director General of Civil Aviation is pleased to appoint Shri Brij Raj as Hindi Officer in the Civil Aviation Department w.e.f. 29th January 1977 (A.N.) on *ad-hoc* basis and until further orders and post him in the Office of the Controller, Central Radio Stores Depot, New Delhi.

H. L. KOHLI,
Dy. Director (Administration)
for Director General of Civil Aviation

OVERSEAS COMMUNICATIONS SERVICE

Bombay, the 7th February 1977

No. 1/421/77-EST.—Shri R. K. Bansal, is appointed as Assistant Engineer in a temporary capacity in the O.C.S. Switching Complex, Bombay, with effect from the forenoon of the 11th January 1977 and until further orders.

No. 1/422/77-Est.—Shri Iqbal Singh is appointed as Assistant Engineer in a temporary capacity in the Overseas Communications Service, Switching Complex, Bombay, with effect from the forenoon of the 13th January 1977 and until further orders.

P. G. DAMLE,
Director General

COLLECTORATE CENTRAL EXCISE AND CUSTOMS

Allahabad, the 9th February 1977

No. 4/1977.—Shri Devendra Misra, Officiating Superintendent of Central Excise, Group B posted in Integrated Divisional Office, Bareilly has retired from Government service in the afternoon of 30th November 1976.

H. N. RAINA,
Collector

Patna, the 14th February 1977

No. C. No. II(7)1-ET/77/1459.—In pursuance of this office Estt. order No. 341/76, dated 29th December 1976 issued under endt. C. No. II(3)51-ET/76/8262-89, dated 29th December 1976 appointing three Office Superintendent of Central Excise/Customs to officiate as Administrative Officer/Assistant Chief-Accounts Officer of Central Excise/Customs group-B in the scale of pay of Rs. 650—30—740—35—810—EB—35—880—40—1000—EB—40—1200 plus usual allowances as admissible under rules, as modified under Estt. Order No. 10/77 dated 10th January 1977 issued under endt. C. No. II(3)51-ET/76/1310-33, dated 11th January 1977, the under mentioned officers have assumed charge as Administrative Officer/Assistant Chief Accounts Officers Central Excise/Customs group-B at the places and with effect from dates and hour as indicated below against each :—

Sl. No.	Name	Place of posting	Date of assumption of charge.
1.	Sri Md. Muzahiruddin	Assistant Chief Accounts Officer (Pay & Accounts), C. Ex. Hqrs. Patna.	4-1-77 (F.N.)
2.	Sri N.P. Sinha	Administrative Offi- cer, C. Ex. Divi- sion, Patna.	11-1-77 (F.N.)
3.	Sri Md. Ayub	Adm. Officer, Cus- toms, Forbesganj.	10-1-77 (F.N.)

H. N. SAHU,
Collector

Shillong, the 8th February 1977

No. 1/77.—Shri M. C. Shyam, an officiating officer Superintendent, Customs and Central Excise, Shillong Collectorate was appointed to officiate as Examiner of Accounts, Group 'B' Customs and Central Excise until further orders. Shri Shyam assumed charge as Examiner of Accounts, Customs and Central Excise, Collectorate Hqrs. Office, Shillong on 17th December 1976 (AN).

K. S. SAHA,
Collector

CENTRAL WATER COMMISSION

New Delhi-22, the 6th December 1976

No. A-19012/604/76-Adm.V.—The Chairman, Central Water Commission is pleased to appoint Shri V. Achuthan Kutty, Supervisor as Assistant Engineer in the Central Water Commission, on a purely temporary and *ad-hoc* basis in the scale of Rs. 650—30—740—35—810—EB—35—880—40—1000—EB—40—1200 with effect from 15th September 1976 (F.N.) until further orders.

Shri Achuthan Kutty assumed charge of the office of the Assistant Engineer, Andaman Investigation Sub-Division No. III, Port Blair under Investigation Circle No. I, Faridabad with effect from the above date and time.

The 18th January 1977

No. A-12017/5/76-Adm.V.—In continuation of this Commission Notification No. A-12017/5/76-Adm.V., dated 11th August 1976, the Chairman, Central Water Commission, hereby appoints Shri A. K. Palit, Research Assistant to officiate in the grade of Assistant Research Officer (Scientific-Chemistry group) in the Central Water Commission in the scale of pay of Rs. 650—30—740—35—810—EB—35—880—40—EB—1200 on a purely temporary and *ad hoc* basis for a further period from 9th November 1976 to 12th February 1977 or till the post is filled on regular basis, whichever is earlier.

JASWANT SINGH
Under Secy.

/or Chairman, C.W. Commission

OFFICE OF THE ENGINEER IN CHIEF
CENTRAL PUBLIC WORKS DEPARTMENT

New Delhi, the 8th February 1977

No. 33/12/73-EC.IX (Part.IV).—The President is pleased to appoint Shri Subhash Kapoor, a nominee of the U.P.S.C. against the temporary post of Architect (G.C.S. Group A) in the C.P.W.D. on a pay of Rs. 1100/- p.m. in the scale of Rs. 1100—50—1600 (plus usual allowances) w.e.f. 10th November 1976 F.N. on the usual terms and conditions. His pay will however be fixed according to rule after completion of probation satisfactorily.

2. Shri Kapoor is placed on probation for period of two years w.e.f. 1st February 1977 F.N.

3. Shri Kapoor is posted in SA (H&TP) Unit II, C.O., C.P.W.D., New Delhi.

No. 33/12/73-EC.IX.—The President is pleased to appoint Shri P. R. Dass, a nominee of the U.P.S.C. against the temporary post of Architect (G.C.S. Group A) in the C.P.W.D. on a pay of Rs. 1300/- p.m. in the scale of Rs. 1100—50—1600 (plus usual allowances) w.e.f. 1st February 1977 F.N. on the usual terms and conditions.

2. Shri Dass is placed on probation for period of two years w.e.f. 10th November 1976 F.N.

3. Shri Dass is posted in C.A. unit, CO, CPWD, New Delhi.

S. S. D. RAU,
Dy. Director of Administration
for Engineer in Chief

MINISTRY OF RAILWAYS
(RAILWAY BOARD)

New Delhi, the 1st February 1977

No. 74/RE/161/1.—It is hereby notified for the general information of all users of Railway lines and premises that A. C. Overhead Traction Wires will be energised on 25 KV on or after 31st January 1977 in the Tughlakabad Yard, Line Nos. 5, 6 & 7 of Up Reception-cum-Departure through Lines (From Structure No. 1520/T-1 to Structure No. URD/T-1 and Line No. 11 of Up and Down Reception Line (From Struc-

ture No. UR-11 to Structure No. URD/11), and from the same date, the overhead traction line shall be treated as live at all times, and no unauthorised persons shall approach or work in the proximity of it.

No. 74/RE/161/1.—It is notified for the information of general public that in connection with the introduction of 25 KV AC electric traction in the Tughlakabad Yard, from OHE Structure No. 1520/T-1 to Structure No. URD/1, height gauges have been erected at all level crossings with a clear height of 4.67 metres (15 ft. 4 in.) above road level, with a view to preventing loads of excessive height from coming into contact with or in dangerous proximity of live traction wires. Public are hereby notified to observe the height specified above, for the purpose of loading vehicles and to ensure that loads carried in road vehicles do not infringe the height gauges under any circumstances.

The dangers involved in a load of excessive height are :

- (i) The height gauge would be thrown out causing obstruction to the road as well as to the Railway line;
- (ii) the materials or equipment carried (or the vehicle itself) may be damaged;
- (iii) fire may be caused involving risk to life, due to the contact or dangerous proximity with the live conductors.

B. MOHANTY,
Secy. Railway Board.

MINISTRY OF SUPPLY & REHABILITATION
(DEPARTMENT OF SUPPLY)
NATIONAL TEST HOUSE, ALIPORE

Calcutta-27, the 22nd January 1977

No. G-292/A(S.O.).—The Director, National Test House, Calcutta is pleased to appoint Sarvashri D. K. Roy, Assistant Director (Mechanical) and B. N. Sarkar, Assistant Director (Mechanical) (*Ad hoc*) in the National Test House, Calcutta substantively to the posts of Scientific Officer (Physical) since, redesignated as Scientific Officer (Mechanical) in the National Test House, Calcutta with effect from 26th November 1971.

S. K. CHATTOPADHYAY,
Asstt. Director (Admn.),
for Director, National Test House.

MINISTRY OF LAW, JUSTICE & COMPANY AFFAIRS
(DEPARTMENT OF COMPANY AFFAIRS)
COMPANY LAW BOARD
OFFICE OF THE REGISTRAR OF COMPANIES

*In the Matter of Companies Act 1 of 1956
AND*

In the matter of Orissa Steel Corporation Pvt. Limited
Calcutta, the 10th February 1977

No. L/19650/HD/1832.—Notice is hereby given pursuant to Section 445(2) of the Companies Act 1 of 1956 that an order for winding up of the above-named company was made by the Hon'ble High Court, Calcutta on 27-8-1976 and the Official Liquidator/High Court, Calcutta has been appointed the Official Liquidator.

N. N. MAULIK,
Asstt. Registrar of Companies West Bengal.

In the matter of Companies Act, 1956 and of Household Industries Private Limited.

Calcutta the 15th February 1977

No. 23863/560(5).—Notice is hereby given pursuant to sub section (5) of section 560 of the Companies Act, 1956, the name of House Hold Industries Private Limited has this day been struck off and the said company is dissolved.

In the matter of Companies Act, 1956 and of Bijoya Lakshmi Cotton Mills Limited

Calcutta, the 15th February 1977

No. 12935/560(5).—Notice is hereby given pursuant to sub section (5) of section 560 of the Companies Act, 1956, the name of the Bijoya Lakshmi Cotton Mills Limited has this day been struck off and the said company is dissolved.

In the matter of Companies Act, 1956 and of Heavy Pressings Limited

Calcutta, the 15th February 1977

No. 25643/560(5).—Notice is hereby given pursuant to sub section (5) of section 560 of the Companies Act, 1956, the name of Heavy Pressings Limited has this day been struck off and the said company is dissolved.

In the matter of Companies Act, 1956 and of Photoplay Syndicate (India) Private Limited

Calcutta, the 15th February 1977

No. 25494/560(5).—Notice is hereby given pursuant to sub section (5) of section 560 of the Companies Act, 1956, the name of Photoplay Syndicate (India) Private Limited has this day been struck off and the said company is dissolved.

In the matter of Companies Act, 1956 and of London Cleaners & Dyers Private Limited

Calcutta, the 15th February 1977

No. 24069/560(5).—Notice is hereby given pursuant to sub section (5) of section 560 of the Companies Act, 1956, the name of London Cleaners & Dyers Private Limited has this day been struck off and the said company is dissolved.

In the matter of Companies Act, 1956 and of Talma Valley Agriculture Corporation Limited

Calcutta, the 15th February 1977

No. 18377/560(5).—Notice is hereby given pursuant to sub section (5) of section 560 of the Companies Act, 1956, the name of Talma Valley Agriculture Corporation Limited has this day been struck off and the said company is dissolved.

In the matter of Companies Act, 1956 and of Tea Chest Repairing Co. Private Limited

Calcutta, the 15th February 1977

No. 23208/560(5).—Notice is hereby given pursuant to sub section (5) of section 560 of the Companies Act, 1956, the name of Tea Chest Repairing Co. Private Limited has this day been struck off and the said company is dissolved.

In the matter of Companies Act, 1956 and of The Jute Carriers Private Limited

Calcutta, the 15th February 1977

No. 8787/560(5).—Notice is hereby given pursuant to sub section (5) of section 560 of the Companies Act, 1956, the name of the Jute Carriers Private Limited has this day been struck off and the said company is dissolved.

S. C. NATH
Asstt. Registrar of Companies,
West Bengal.

New Delhi, the 17th February 1977

No. Lign./4136/2867.—Whereas Sarita Benefit Chit Fund & Finance Pvt. Limited, (in liquidation) having its registered office at 4066 Naya Bazar, Delhi is being wound up.

And whereas the undersigned has reasonable cause to believe that to liquidator is acting and the Statements of Accounts under Section 551 (Returns) required to be made by

the liquidator have not been made for a period of six consecutive months.

Now, therefore, in pursuance of the provisions of sub-section (4) of section 560 of the Companies Act, 1956 (1 of 1956), notice is hereby given that at the expiration of three months from the date of this notice the name of Sarita Benefit Chit Fund & Finance Pvt. Limited (in liquidation) will, unless cause is shown to the contrary, be struck off the register and the company will be dissolved.

*In the matter of Companies Act, 1956 and of
Efficient Chit Fund Pvt. Ltd (In Liquidation)*

New Delhi, the 17th February 1977

No. Liqn./3746/2859.—Notice is hereby given pursuant to sub-section (5) of Section 560 of the Companies Act, 1956, that the name of Efficient Chit Fund Private Limited (In Liquidation) has this day been struck off the Register and the said company is dissolved.

*In the matter of Companies Act, 1956 and of
Vijay Mahalakshmi Motor & General Finance Pvt. Ltd.
(In Liquidation)*

New Delhi, the 17th February 1977

No. Liqn./2973/2857.—Notice is hereby given pursuant to sub-section (5) of Section 560 of the Companies Act, 1956, that the name of Vijay Mahalakshmi Motor & General Finance Pvt. Limited (In Liquidation) has this day been struck off the Register and the said company is dissolved.

*In the matter of Companies Act, 1956 and of
Commodity Credit Corporation Ltd. (In Liquidation)*

New Delhi, the 17th February 1977

No. Liq.1542/2855.—Notice is hereby given pursuant to sub-section (5) of Section 560 of the Companies Act, 1956, that the name of Commodity Credit Corporation Limited (In Liquidation) has this day been struck off the Register and the said company is dissolved.

*In the matter of Companies Act, 1956 and of
Film Production and Finance Corporation Ltd.
(In Liquidation)*

New Delhi, the 17th February 1977

No. Liq.1547/2861.—Notice is hereby given pursuant to sub-section (5) of Section 560 of the Companies Act, 1956, that the name of Film Production and Finance Corporation Limited (In Liquidation) has this day been struck off the Register and the said company is dissolved.

R. K. ARORA
Asstt. Registrar of Companies
Delhi & Haryana.

OFFICE OF THE COMMISSIONER OF
INCOME-TAX, DELHI-II

New Delhi, the 9th February 1977

INCOME-TAX

No. JUR-DLI/II/76-77/45075.—In exercise of the powers conferred by sub-section (1) & (2) of Section 124 of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) and in partial modification of the order No. JUR/DLI/II/76-77/2667 dated 1st May 1976 on the subject, the Commissioner of Income-tax Delhi-II, New Delhi hereby directs that Income-tax Officer, District-VI (5) shall have concurrent jurisdiction and shall perform the functions in relation to (a) all persons or classes of persons, income or classes of income, cases and classes of cases pertaining to Alphabet 'S' falling within the jurisdiction of ITO, District VI (10) and all persons being partners of the firms falling in item (a) above.

This Notification shall take effect from 9th February 1977.

JAGDISH CHAND
Commissioner of Income-tax,
Delhi-II, New Delhi.

FORM ITNS

(1) Lt. Col. Rajinder Singh Uppal s/o Late Shri Banka Ram Uppal r/o 15 Polo Road, Delhi Cantt. Delhi.
(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Shri Gian Chand Anand s/o Shri Walaiti Ram Anand r/o I-5 Kirti Nagar, New Delhi.
(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER

OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE-II,
4/14A, ASAF ALI ROAD,
NEW DELHI-1(110001)

New Delhi, the 8th February 1977

Ref. No. IAC/Acq.II/1235/76-77.—Whereas, I, M. S. GOELA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. I/136 situated at Kirti Nagar, New Delhi, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Delhi in October, 1976

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Plot of land measuring 331.2/3 sq. yds. bearing Plot No. 136 in Block I situated in the colony known as Kirti Nagar, New Delhi and bounded as under :—

North : S. Road 15 ft.
South : House on Plot No. I-135.
East : Park and Road 30 ft.
West : Portion of S. Road 15 ft.

M. S. GOELA
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-II, New Delhi.

Dated : 8-2-1977

Seal :

FORM ITNS—

(1) Shri Mohinder Singh s/o Sh. Sohan Lal, r/o H-15/A, Krishan Nagar, Delhi.
(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX.ACQUISITION RANGE-II,
4/14A, ASAFA ALI ROAD,
NEW DELHI-1 (110001)

New Delhi, the 8th February 1977

Ref. No. IAC/Acq.II/1236/76-77.—Whereas, I, M. S. GOELA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 22,000/- and bearing No. 1/2 of F-10/4 situated at Krishan Nagar, Delhi, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Delhi in November, 1976 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(2) Shri Raj Kumar Sharma s/o Late Shri Shambhu Datt Sharma r/o 1260/A/1A, Azad Gali, Rohtas Nagar, Shahdara, Delhi-32.
(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period or 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette of a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later.
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXV of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

One half portion of house property bearing No. F-10/4 measuring 83-1/2 sq. yds situated in Krishan Nagar, Delhi-51 and bounded as under :—

East : Municipal Road.
West : House No. F-9/4.
North : 1/2 house No. F-10/4.
South : House No. F-10/5.

M. S. GOELA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II, New Delhi.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-Section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Dated : 8-2-1977

Seal :

FORM ITNS —————

(1) Smt. Raj Bala w/o Sh. Naresh Chand, r/o 35-UA
Jawahar Nagar, Delhi-7.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA
OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX,ACQUISITION RANGE-II,
4/14A, ASAF ALI ROAD,
NEW DELHI-1(110001)

New Delhi, the 14th February 1977

Ref. No. IAC/Acq.II/1238/76-77.—Whereas, I, M. S. GOELA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 1706, situated at Sohan Ganj, Subzi Mandi, Delhi, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Delhi in November, 1976, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(2) Shri Shital Prasad s/o Shri Khacheru Mal r/o H. No. 1490/95 Punjabi Mohilla, S/Mandi, Delhi-7.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immoveable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Plot of land 71, with boundary walls Municipal No. 1706 Ward XII measuring 180 sq. yds. situated in Sohan Ganj, Subzi Mandi, Delhi-7 and bounded as under :—

North : Property No. 1704-1705.
South : Property No. 1706 Fuel wood depot.
East : Gali passes.
West : Dharanshala building.

M. S. GOELA,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-II, New Delhi.

Dated : 14-2-1977.

Seal :

FORM ITNS—

(1) Shri Ram Piara Gosain s/o Gosain Shanker Dass
r/o E-13 Raghbir Nagar (J. J. Colony) N. Delhi.
(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-

TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Shri Harnam Dass Gosain s/o Gosain Ganesh Dass
r/o E-12 Raghbir Nagar (J. J. Colony) New Delhi.
(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-II,
4/14A, ASAFA ALI ROAD,
NEW DELHI-1(110001)

New Delhi, the 14th February 1977

Ref. No. IAC/Acq.II/1237/76-77.—Whereas, I, M. S. GOELA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 1/2 share of J-2/6-A situated at Rajouri Garden, New Delhi, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act. 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer at Delhi in November, 1976, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely :—

15—486GI/76

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION.—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

One half share of a free-hold plot of land bearing plot No. 6-A in Block J-2 measuring 87.56 sq. yds. (total measuring 175.12 sq. yds) situated in the residential colony known as Rajouri Garden, New Delhi and bounded as under :—

North : Plot No. J-2/6.
South : House No. J-2/6-B.
East : Service Road.
West : Road.

M. S. GOELA,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-II, New Delhi.

Dated : 14-2-1977.

Seal :

FORM ITNS

(1) Shri Chunni Lal.

(Transferor)

(2) Smt. Premlata Arora.

(3) Shri Chunni Lal.

[Person in occupation of the property]

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE, LUCKNOW.

Lucknow, the 8th February 1977

Ref. No. 60-P/Acq.—Whereas, I, A. S. BISEN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

No. A house situated at Moh. Anguri Bagh, Distt. Faizabad,

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Faizabad, on 21-6-1976.

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-Tax Act, 1957 (27 of 1957);

A house which is situated at Moh. ANGURIBAGH, FAIZABAD.

A. S. BISEN,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Lucknow.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Dated : 8-2-1977.

Seal :

FORM ITNS—

(1) Shri Kunwar Yashwant Singh.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Sardar Jugraj Singh

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, LUCKNOW

Lucknow, the 14th February 1977

Ref. No.: 44-J/Acq.—Whereas, I, A. S. BISEN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing Plot No. 18/3732 Sq. ft. etc. Total 15814 sq. ft situated at Mahawa Estate, Lakhimpur Kheri (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Lakhimpurkheri on 23-6-76 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

(3) Vendee. [Person in occupation of the property]

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

A plot measuring 18/3732 sq. ft. etc. Total 15814 sq. ft. situated at Mahawa Estate, Lakhimpur Kheri.

A. S. BISEN,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Lucknow.

Dated : 14-2-1977.

Seal :

FORM ITNS

- (1) Smt. Kunwar Rani Siddheshwari Devi. (Transferor)
 (2) Sardar Balvender Singh. (Transferee)
 (3) Shri/Smt./Ku. Vendee (Person in occupation of the property).

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
 ACQUISITION RANGE, LUCKNOW

Lucknow, the 14th February 1977

Ref. No. 77-B/Acq.—Whereas, I, A. S. BISEN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. Plot No. 1 Sq. ft. etc. Total 155581 sq. ft.

situated at Mahawa Estate Lakhimpur Kheri (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Lakhimpur Kheri on 23-6-76 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

THE SCHEDULE

1
 A plot measuring $\frac{1}{2739}$ sq. ft. etc. Total 15551 sq. ft. situated at Mahawa Estate, Distt. Lakhimpur Kheri.

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

A. S. BISEN,
 Competent Authority,
 Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
 Acquisition Range, Lucknow.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Dated : 14-2-1977.
 Seal :

FORM ITNS—

(1) Smt. Basanti Goyal & Smt. Vinodni Gupta.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(I) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Shri Mithlesh Kumar & Durgesh Kumar.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE, LUCKNOW

Lucknow, the 14th February 1977

Ref. No. 90-M/Acq.—Whereas, I, A. S. BISEN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'Said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. House No. 80, situated at CLAY SQUARE, LUCKNOW

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Lucknow on 28-6-76. for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(3) Vendee.

[Person in occupation of the property]

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

A house No. 80 clay square, Lucknow.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

A. S. BISEN,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax,
Acquisition Range, Lucknow.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Dated : 14-2-1977.

Seal :

FORM ITNS—

(1) Shri Brij Mohan Birla, Lakshmi Niwas Birla,
Krishna Kumar Birla.
(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE, LUCKNOW

Lucknow, the 14th February 1977

Ref. No. 113-R/Acq.—Whereas, I, A. S. BISEN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

House No. K-47/88-89 situated at Bisheshwarganj, Varanasi,

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Varanasi on 27-6-76.

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

(2) Shri Rameswar Das Agarwal Shyam Lal Mehra
Smt. Imarti Devi, Smt. Pushpalata Agarwal.
(Transferee)

(3) Vendor.

[Person in occupation to the property]

Objections, if any to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

House No. K47/88-89 situated at Bisheshwarganj Varanasi.

A. S. BISEN,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Lucknow.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property for the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269 of the said Act, to the following persons, namely.

Dated : 14-2-1977

Seal :

FORM ITNS—

(1) Shri Om Prakash Batra s/o Late Sri Lal Chand
Batra r/o P-14, Medical College, Meerut.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

(2) Dr. Vikram Yadav s/o Dr. Meer Singh Yadav
r/o Mansarovar Colony in Plot No. 7-A Mowana Road, Meerut.

(Transferee)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE, KANPUR

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

Kanpur, the 14th February 1977

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

Ref. No. F. Acq./402/Meerut/76-77/409.—Whereas, I, L. N. GUPTA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

As per Schedule situated at As per Schedule (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Meerut on 23-6-1976

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Immovable property One incomplete house double storeyed in Plot No. 7-A measuring 270 sq. yds. situated at Mansarovar Colony, Mowana Road, Meerut City, transferred for an apparent consideration for Rs. 1,48,000/-.

L. N. GUPTA,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Kanpur.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-Section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Dated : 14-2-1977

Seal :

FORM ITNS

- (1) Smt. HH Maharaja Shri Lokendrasinghji s/o Shri Sujan Singhji r/o Ratlam.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

**OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE, BHOPAL**

Bhopal, the 1st February 1977

Ref. No. IAC/ACQ/BPL/76-77/790.—Whereas, I, V. K. Sinha, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Five parts of land measuring 1,72,138 sq. ft. situated at 'Ranjit Vilas Palace', Ratlam (M.P.) (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Ratlam on 22-6-1976, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income by any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (2) Shri Chhotlal Jain s/o Shri Kankmalji Lodha r/o Thawaria Bazar, P.O. Suraj Pour, Ratlam. 2. (a) Shri Manchand s/o Shri Dhulchandji Patwa r/o Choumukhi Pul, Ratlam. (b) Smt. Sushila Devi w/o Manchandji Patwa r/o Choumukhi Pul, Ratlam. 3. Shri Ashok Kumar Jain s/o Shri Amarchand Jain r/o Manak Chouk, Choumukhi, Ratlam. 4. (a) Shri Parasmalji s/o Shri Babulalji r/o Jain Kanya Shala-ki-Gali, Choumukhi Pul, Ratlam. (b) Shri Shantilal s/o Shri Babulalji Barghat r/o Jain Kanya Shala-ki-Gali, Choumukhi Pul, Ratlam. 5. (a) Shri Raman Lal (b) Shri Babulal, both sons of Shri Surajmalji Bohra r/o Ghans Bazar, Ratlam. 6. Shri Anandilal s/o Shri Ratanlalji Moonat r/o Porwaron ka Vaas, Ratlam. 7. (a) Shri Amritlal s/o Shri Lalchandji Jain (b) Smt. Suraj Bai d/o Shri Lalchandji Jain both r/o Doulatganj, Ratlam. 8. Shri Mahendra Kumar s/o Shri Samarthmalji Malvi, r/o Dhaan Mandi, Ratlam. 9. Shri Jaankilal s/o Shri Ramalalji Jain r/o Stadium Station Road Ratlam. 10. Shri Ratanlal s/o Shri Kanhaiyalalji Jain r/o Palace Road, Ratlam. 11. Shri Saagarmalji s/o Shri Hiralalji Moonat r/o Maanak Chouk, Ratlam. 12. Shri Rajendra Kumar s/o Shri Amarchandji Jain r/o Maanak Chouk, Ratlam. 13. Shri Dhirajmalji s/o Shri Hiralalji Moonat, r/o Maanak Chouk, Ratlam. 14. Shri Jeendasji s/o Shri Anandilalji Luniya, r/o Ram Mohalla, Ratlam. 15. Shri Manoharlal s/o Shri Nathulalji Bohra, r/o Beechlawas, Ratlam. 16. Shri Kantilal s/o Shri Bherulal Mandot, Opp. New Court, Ratlam. 17. Kantabai d/o Brajlal Shah, Chandni Chouk, Ratlam. 18. Shri Paarasmal s/o Shri Ratanlalji Paawecha, r/o Hari Ram Darwaza, Ratlam. 19. Shri Indermal s/o Shri Dhanrajji Moonat, r/o Noulaiplura, Ratlam. 20. Smt. Krishnabai Nigam, r/o Noulaiplura, Ratlam. 21. Smt. Pukhrajbai d/o Maanaklalji Mehta Through Suresh Cloth Stores, New Cloth Market, Ratlam. 22. Shri Shaitanmal s/o Shri Bapulalji Bhatewra, r/o Maanak Chouk, Ratlam. 23. Shri Rajmal s/o Shri Kanhaiyalalji Bhatewra, 5, Doulat Ganj, Ratlam. 24. Shri Ramesh Chandra s/o Shri Rampratap Daga, Opp. Palace, Ratlam. 25. Shri Shantilal s/o Shri Motilalji Porwal r/o Bajaj Khana, Ratlam. 26. Shri Bherulal s/o Shri Ambalalji Jain, r/o Rangrej Road, Ratlam. 27. (a) Shri Mishrimal (b) Hazarimal, both r/o Neemwala Upasra, Ratlam. 28. Smt. Pyaribai w/o Shri Jeevraiji c/o Nihalchand Jhamaklal, Bajajkhana, Ratlam. 29. Shri Roshanlal Kothari s/o Shri Jhamaklalji Kothari c/o Shri Nihalchand Jhamaklal, Jain r/o Stadium Station Road, Ratlam, 10. Shri Rajmalji Chaanodiya, r/o Noulaiplura, Ratlam. 31. Anandilal s/o Shri Jhamaklalji Moonat r/o Sethji-ka-Bazar, Ratlam. 32. Shri Basantilal s/o Shri Maanakchand, c/o Basant Medical Stores, Daalumodi Bazar, Ratlam. 33. Amratlal s/o Shri Mishrimalji Lodha r/o Kothariwas, Ratlam. 34. Shri Vimalachand s/o Shri Vardhmanji Gandhi, r/o 15. Saahu Bawadi, Ratlam. 35. Shri Nav Ratna s/o Shri Samarthmalji Malvi, r/o Dhaan Mandi, Ratlam. 36. Shri Bhawarlalji Ghota s/o Shri Jaamaklalji r/o Ramgarh Road, Ratlam. 37. Shri Shantilalji Katariya

s/o Shri Champalalji, Choumukhi Pul, Ratlam. 38. Shri Prakash Chand s/o Shri Maanaklalji Bhandari, r/o Bajajkhana, Ratlam. 39. Shri Narendra Kumar s/o Shri Sagarmalji Bordiya, r/o Bajajkhana, Ratlam. 40. Shri Indermal s/o Shri Nanalalji Mandot, r/o Karwad, Tah-Petlawad, Distt-Jhabua. 41. Shri Nemichand s/o Shri Bharatilalji Goyal, r/o Basindra Haveli, Palace Road, Ratlam. 42. Shri Mayur Kumar s/o Shri Jayantilal Verma, r/o Old Court, Shrimali-Vas, Ratlam. 43. Shri Mohanlal s/o Shri Sardarmalji Tandon, r/o Vcer Sawarkar Marg, Ratlam. 44 Shri Bhawarlal s/o Shri Santoshkumar Moonat, r/o Chandni Chouk, Ratlam. 45. Shri Sushil Kumar s/o Shri Gendalalji Jain r/o Ghaans Bazar, Ratlam. 46. Mangal Singh s/o Shri Onkar Singh r/o Hakim Bada, Ratlam. 47. Shri Ajit Singh s/o Shri Onkar Singh r/o Hakim Bada, Ratlam. 48. Shri Mangilal s/o Shri Rajmalji Borana, r/o Choumukhi Pul, Ratlam. 49. Shri Rameshchand s/o Shri Shaitanmalji, r/o New Cloth Market, Ratlam. 50. Shri Bhanwarlal s/o Shri Kundanmalji c/o Krishna Trading, Dhaan Mandi, Ratlam. 51. Shri Gheesalal s/o Shri Virendra Kumarji c/o Krishna Trading, Dhaan Mandi, Ratlam. 52. Shri Surajmalji s/o Shri Kapoorchandji, r/o Neem Chouk, Ratlam. 53. Shri Kantilal s/o Shri Juharmalji, r/o Rawati, District-Ratlam. 54. Shri Paraskumar s/o Shri Shantilalji Katkaani, r/o Bajajkhana, Ratlam. 55. Shri Prakashchand s/o Shri Shantilal, Katkaani, r/o Bajajkhana, Ratlam. 56. Shri Pradeep Kumar s/o Shri Roshanlalji Punjawat, r/o College Road, Ratlam. 57. Maheshkumar s/o Shri Hirralji, r/o Bajajkhana, Ratlam. 58. Shri Jitendra Kumarji s/o Shri Hirralji, r/o Bajaikhana, Ratlam. 59. Shri Hasmukhlal s/o Shri Kanchanlal Shah r/o Palace Road, Ratlam. 60. Shri Manilal s/o Sagarmalji Gungaliya r/o Bajajkhana Road, Ratlam. 61. Shri Lalchand s/o Shri Himmatal Lunawat, r/o Shaayar Chabugana, Ratlam. 62. Shri Shantilal s/o Shri Ramlal Pipada, r/o Bajajkhana, Ratlam. 63. Shri Dadamchand s/o Shri Kaluramji c/o Bharat Umbrella Factory, Maanak Chouk, Ratlam. 64. Shri Kanakmalji s/o Shri Ratanlal Gandhi, r/o Ali Rajpur, Distt-Jhabua (M.P.). 65. Kumari Vaneeta d/o Sagarmalji Nalwaya, r/o Jawat, Distt-Mandsaur (M.P.). 66. Smt. Sheela Devi w/o Shri Komal Singhji Nahar, r/o 18, Ghaans Bazar, Ratlam. 67. Shri Komalramji s/o Shri Yogendrakumarji Paanchal, r/o Dalumodi Bazar, Ratlam. 68. Rupi Bai w/o Mayalalji, r/o Topkhana Chouraha, Ratlam. 69. Shri Hirralal s/o Shri Ratanlalji Katariya r/o Sethji-ka-Bazar, Ratlam. 70. Shri Babulal s/o Shri Chandmalji Gandhi, r/o Rawati, P.O.-Rawati, Ratlam. 71. Shri Amritlal s/o Shri Motilalji Kata-riya, r/o Rawati, Post-Rawati, Ratlam. 72. Shri Sameermal s/o Shri Motilal Moonat, r/o Choumukhi Pul, Ratlam. 73. Shri Kanhaiyalal s/o Moti-lalji Moonat, r/o Choumukhi Pul, Ratlam. 74. Shri Padrilal s/o Shri Biharilalji Soni, r/o Taal, Distt-Alot. 75. (a) Shri Jhamaklal s/o Shri Chandmalji Bhatgat, r/o Hatiram Darwaza, Ratlam. (b) Shri Poonamchand s/o Shri Chandmalji Bhagat, r/o Hatiram Darwaza, Ratlam.

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Open land admensuring 1,72,138 sq. ft. situated at 'Ranjit Vilas Palace', Ratlam (M.P.).

V. K. SINHA,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Bhopal.

(Transferee)

Date : 1-2-1977.

Seal :

FORM ITNS

(1) Shri Vinay Chandra S/o Shri Gopalrao Mithbaokar,
H. No. 29, Pushpkunj, Ahmedabad (Gujarat).
(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Smt. Rajkumari W/o Shri Dr. Gianchand Pahadia,
R/o Choti Gwal Toli, Indore.
(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA
OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE
BHOPAL

Bhopal, the 5th February 1977

Ref. No. IAC/ACQ/BPL/76-77/791.—Whereas, I. V. K. SINHA being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred as to ‘said Act’), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. North side half portion of House No. 44, Street No. 2, South Tukoganj, Indore situated at Indore (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Indore on 21-6-1976 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this Notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

THE SCHEDULE

North side half portion of House No. 44, Street No. 2, South Tukoganj, Indore.

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

V. K. SINHA
 Competent Authority,
 Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
 Acquisition Range, Bhopal

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 5th February, 1977
 Seal :

FORM ITNS—

(1) Shrimant Madhavrao Scindia S/o Late Shri H. H.
Jivajirao Scindia R/o Gwalior,
(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Beema Sahkari Giraha Nirman Sanstha Maryadit
Gwalior through its president Shri J. M. Majumdar,
Gwalior.
(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE
BHOPAL

Objections, if any, to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned—

Bhopal, the 5th February 1977

Re: No. IAC/ACQ/BPL/76-77/792.—Whereas, I, V. K. SINHA
being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. Open land area 6,65,500 Sq. ft. situated at Jai Vilas Palace, Gwalior, situated at Gwalior
(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

Gwalior on 29-6-1976

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act of the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Open land area 6,65,500 Sq. ft. situated at Jai Vilas Palace, Gwalior.

V. K. SINHA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Bhopal

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 5th February, 1977

Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269 D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE
Bhopal

Bhopal, the 9th February 1977

Ref. No. IAC/ACQ/BPL/76-77/798.—Whereas, I, V. K. SINHA being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Land & Building known as Moti Tabela bearing Municipal No. 137 Ward No. 26, situated inside the compound of Jai Vilas Palace, Lashkar, Gwalior (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering officer at Gwalior on 23-6-1976 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(1) The Scindia Investment Private Ltd., through its duly authorised Chief Executive Officer Shri Om Prakash Bhargava S/o Shri Kanhayalal R/o Geeta Colony, Lashkar, Gwalior (MP).

(Transferor)

(2) M/s Bharat Builders through partners (1) Shri Subhash Sacheti S/o Shri Chanderkumar Sacheti. (2) Shri Vishamber Dayal S/o Shri Ganeshilal Khandelwal.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land & Building known as Moti Tabela bearing Municipal No. 137 Ward No. 26, Situated inside the compound of Jai Vilas Palace, Lashkar, Gwalior.

V. K. SINHA
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Bhopal

Date : 9th February, 1977

Seal :

FORM ITNS—

(1) (1) Shri Kantilal S/o Shri Rurhabhai (2) Shri Naval Shankar S/o Shri Jai Krishna Dabe, R/o Civil lines, Raipur.
 (Transferor)

(2) (1) Kazi Himmat Bhai S/o Shri Morar Belu Bhai
 (2) Smt. Shantabai alias Savitribai Wd/o Ballabhji
 R/o Raipur.
 (Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE
BHOPAL

Bhopal, the 14th February 1977

Ref. No. IAC/ACQ/BPL/76-77/799.—Whereas, I, V. K. SINHA

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Land Khasra No. 243/1, and 244/2 area 26,572 Sq. ft. situated at Chiraldih, Raipur, situated at Raipur (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Raipur on 17-6-76

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1927);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice, under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land Khasra No. 243/1, and 244/2 area 26,572 Sq. ft. situated at Chiraldih, Raipur.

V. K. SINHA
 Competent Authority
 Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
 Acquisition Range, Bhopal

Date : 14th February, 1977
 Seal :

FORM ITNS

- (1) (1) Shri Kantilal S/o Shri Rurhabhai (2) Shri Jai Sukh Lal S/o Shri Naval Shankar Dabc and Saifuddin & Sadruddin R/o Civil lines, Raipur.
 (Transferor)

**NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)**

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE
BHOPAL

Bhopal, the 14th February 1977

Ref. No. IAC/ACQ/BPL/76-77/800.—Whereas, I, V. K. SINHA

being the Competent Authority under Section 269-B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. Land Khasra No. 242/1 and 244/2 area 35284 Sq. ft. situated at Chiraldih, Raipur, situated at Raipur (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Raipur on 17-6-76 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object :—

- (2) (1) Shri Kazi Bhai (2) Shri Himmat Bhai S/o Shri Morarji Bhai (3) Smt. Belubai W/o Shri Damji (4) Smt. Shanta bai W/o Shri Mohanlal (5) Smt. Savitribai Wd/o Shri Bhallabhi R/o Raipur.
 (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land Khasra No. 242/1 and 244/2 area 35284 Sq. ft.
 Situated at Chiraldih, Raipur.

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

V. K. SINHA
 Competent Authority
 Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
 Acquisition Range, Bhopal

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 14th February, 1977

Seal :

FORM ITNS

(1) (1) Shri Bharat Singh Choudhury S/o Shri Moti Singh Choudhury, R/o Rampura Ward, Sagar.
(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE
BHOPAL

Bhopal, the 14th February 1977

Ref. No. IAC/ACQ/BPL/76-77/801.—Whereas, I, V. K. SINHA being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Double storeyed house with well, Area 7350 sq. ft. situated at Sagar (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the registering officer at Sagar on 28-6-1976 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(2) Smt. Rama Devi W/o Shri Shankar Dutt Pathak, R/o Rampura Ward, Sagar.
(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid person within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA, of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Double storeyed house with well, Area 7350 sq. ft. Situated at Sagar.

V. K. SINHA
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Bhopal

Date : 14th February, 1977
Seal:

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE
BHOPAL

Bhopal, the 14th February 1977

Ref. No. IAC/ACQ/BPL/76-77/803.—Whereas, I, V. K. SINHA

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000 and bearing

No. Agricultural land Khata No. 46, Area 15.206 Hactres situated at Gram Parasigujar, Berasia, situated at Berasia (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer at Berasia on 8-6-76

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(1) (1) Shri Dalchand S/o Shri Phundilal Jain (2) Shri Bagmal Jain S/o Shri Naval Chand Jain R/o Vidisha.

(Transferor)

(2) (1) Shri Sitaram (2) Shri Bhagwan Singh both son of Shri Nathuram Maina R/o Gram Budhore Kala, Prgana, Berasia, Distt, Bhopal.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter;

THE SCHEDULE

Agricultural land Khata No. 46, Area 15.206 hactares situated at Gram Perasigujar, Barasia.

V. K. SINHA
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Bhopal.

Date : 14th February, 1977

Seal:

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

(1) Shri Narain Rao S/o Shri Damodar Rao Joshi, H.U.F. sons (1) Parasram (2) Ganpatrao (3) Ravindra Kumar all sons of Shri Narain Rao Joshi R/o Harda.

(Transferor)

(2) (1) Shri Shivnath Singh (2) Shri Hari Singh (3) Shri Nathu Singh (4) Shri Kamal Singh S/o Shri Chatarsingh R/o Karolha P. O. Harda.

(Transferee)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

**ACQUISITION RANGE
Bhopal**

Bhopal, the 15th February 1977

Ref. No. IAC/ACQ/BPL/76-77/804.—Whereas, I, V. K. SINHA being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Land Khasra No. 121/1, Area 36.06 hactres situated Gram Karola, Harda (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Harda on 23-6-76 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

Objection, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer, and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Land Khasra No. 121/1, Area 36.06 hactres Situated Gram Karolha, Harda.

V. K. SINHA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Bhopal

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

17—486GI/76

Date : 15th February, 1977.

Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA
OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE, BHOPAL

Bhopal, the 15th February 1977

Ref. No. IAC/ACQ/BPL/76-77/805.—Whereas, I, V. K. SINHA

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. Agriculture land Khata No. 48, Area 135 Beegha, 19 Visba situated at Gram Kedarpur, Gwalior (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

Gwalior on 30-6-76

for an apparent

consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(1) (i) Shri Amolakhsingh (ii) Shri Bhagatsingh both sons of Shri Pyarasingh R/o Laxmibai colony, Lashkar, Gwalior through power of attorney Shri Azitsingh S/o Shri Veersingh R/o Kherapati colony, Gwalior.

(Transferor)

(2) (1) Shri Lakharan S/o Shri Ratsingh (2) Shri Vishalsingh S/o Shri Sureshsingh (3) Shri Babusinh S/o Shri Narendra singh (4) Shri Kailash Singh (5) Shri Mahatabsingh all R/o Kedarpur Pargana, Gwalior.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Agricultural land Khata No. 48, Area 135 Beegha, 19 Visba situated at Gram Kedarpur, Gwalior.

V. K. SINHA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Bhopal

Date : 15th February, 1977.

Seal :

FORM ITNS

(1) Smt. Monorama Devi, Old Amlapatty, Sibsagar Town.
(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX (C.A.) ACQUISITION RANGE, SHILLONG

Shillong, the 26th February 1977

Ref. No. A-128/SIB/76-77/1281-89.—Whereas, I, EGBERT SINGH, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immoveable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing Dag No. 4433, P.P. No. 1754 situated at Sibsagar Town, Nagar Mahal Mouza, Assam (and more fully described in the Schedule annexed hereto); has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Sibsagar on 10-8-1976, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(2) Smt. Jamini Devi, Old Amlapatty, Sibsagar, Town.
(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land measuring 1 (One) Bigha 3 (Three) Katha 13 (Thirteen) Lechas covered by Dag No. 4433 and P.P. No. 1754, situated at Mouza Nagar Mahal, Sibsagar Town, Assam.

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purpose of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

EGBERT SINGH
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range,
Assam.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely—

Date : 26-2-77.

Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE-V,
BOMBAY-400002

Bombay-400002, the 8th February 1977

Ref. No. AR.V/695/76-77.—Whereas, I, R. G. NERURKAR, B being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing Survey No. 85 (part) and 87 (part) situated at Ghatkopar, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer at Bombay on 23-6-1976, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(1) 1. Karson Raoji Patel, 2. Kanji Raoji Patel, 3. Govind Karson Patel, partners of M/s. K. R. Patel and Bros., Bhaweshwar Nagar, M.G. Rd., Ghatkopar, Bombay-77.

(Transferor)

(2) Parmeshwar Niketan Premises Co-op Soc. Ltd., "Parmeshwar Dham", 7th Rd., Rajawadi, Ghatkopar, Bombay-77.

(Transferee)

Block No.	(3) <i>List of the Flat Owners</i>	Names	Amount
			Rs.
	1. Shri Manubhai Sukhlal Daftary	41,050.00	
	2. Shri Balvantrao Purshottam Kamdar	38,850.00	
	3. Shri Ramesh M. Dutia and Smt. Madhukanta M. Dutia	41,950.00	
	4. Smt. Chandrika Chunilal Thakkar and Smt. Kunjlata Karsondas Thakkar	61,080.00	
	5. Shri Chandrakant Kanji Shah and Smt. Chandrika Chandrakant Shah	27,040.00	
	6. Smt. Kamlaben N. Vusa	41,050.00	
	7. Mr. Pravinkant Vrajlal Sanghvi and Smt. Aruna Pravinkant Sanghvi	38,620.00	
	8. Smt. Uma J. Agarwal	41,950.00	
	9. Shri Janakraj Agarwal	61,080.00	
	10. Shri R. R. Soni	27,040.00	
	11. Smt. Pratibha Girdharilal Gupta	41,230.00	
	12. Smt. Kamla S. Korani	38,620.00	
	13. Shri Kishor Premji and Smt. Pushpa Kishor	41,620.00	
	14. Shri Chimanlal Dalichand Mehta	61,080.00	
	15. Shri Surendra Anupchand Shah	27,040.00	
	16. Shri Hansraj Bhawanji Khatri and Smt. Sumatiben Hansraj Khatri	41,050.00	
	17. Shri Thakardas Andarji Goradia	38,620.00	
	18. Shri Vrajlal Ujamshi Modi	37,584.00	
	19. Smt. Gajraben Damodardas Jobalia and Smt. Manjula R. Jobalia and Shri Damodardas A. Jobalia	40,136.00	
	20. Shri Ravji Panachand Thakkar	61,080.00	
	21. Smt. Champben Harilal Gandhi	41,950.00	
	22. Shri Maganlal Haridas Patel	38,620.00	
	23. Shri Vishanji Jadavji Thacker	41,230.00	
	24. M. B. Associates	27,040.00	
	25. Shri Premchand Fulchand Adani	61,080.00	
	26. Shri Vasantilal S. Sanghavi	41,950.00	
	27. Shri Bahadurshi Lalji	38,620.00	

28. Shri Manharlal M. Sanghvi	41,230.00
29. M. B. Associates	27,040.00
30. Smt. Vimla Kuntilal Mody	61,080.00
31. Shri Pranjivan Devji Vedant.	41,950.00
32. Shri Pravinchandra Ramniklal Vaghani and Smt. Manorama Pravinchandra Vaghani	38,620.00
33. Shri Pratapshamji Thakkar and Smt. Indu Pratap Thakkar	41,230.00
34. M. B. Associates	27,040.00

EXPLANATION.—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

Shop No.

1. M/s K. R. Patel & Bros. (Unsold)	30,200.00
2. M/s. K. R. Patel & Bros. (Unsold)	36,300.00
3. Shriram Ramnarsh & Bros.	30,200.00
4. M/s P. R. Sharma & Sons	20,000.00
5. M. D. Associates	27,000.00
6. M. B. Associates	27,000.00
7. M. B. Associates	20,000.00
8. M. B. Associates	30,200.00
9. M. B. Associates	36,300.00
10. Ramanlal Narandas Gandhi	30,200.00
 Total	 17,04,180.00 —

(Person(s) in occupation of the property)

(4) Same as in S. No. 3.

(Person whom the undersigned knows to be interested in the property.)

THE SCHEDULE

ALL THAT piece or parcel of land or ground lying and being at Kirol Ghatkopar in Greater Bombay in the Registration District Bombay Sub-District Bombay Suburban containing by admeasurement 1681.21 sq. metres (2011.00 sq. yds.) or thereabouts and bearing Survey No. 85 (part) and 87 (part) and bounded as follows :—That is to say, On or towards the North partly by property known as "Arumodaya" constructed on Plot No. 11 Scheme No. 18 and partly by a Public Road, On or towards the South by the vacant plot of land belonging to the Trustees of K. J. Somaiya Trust and bearing Survey Nos. 85 and 87 on or towards the West by property known as "Parmar Building" constructed on Plot No. 34 of the said Scheme No. 18 and on or towards the East by the property belonging to Jamkorbai Jamnadas and others constructed on Gaothan land.

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

R. G. NERURKAR
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Bombay

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Date : 8-2-1977

Seal :

FORM ITNS

(1) M/s. Byramjee Jeejeebhoy Pvt. Ltd., Ballard House,
2nd Floor, Mangalore St. Fort, Bombay-400001.
(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

(2) 1. Shri Vishwanath Harlalka,
2. Shri Vinodkumar Harlalka,
3. Smt. Gindevi Sewaram Harlalka,
Partners of M/s Gini Silk Mills, 232-34 Kalavadevi Road, Bombay-400002.
(Transferee)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE-IV,
SMT. KGMP. AYURVEDIC HOSPITAL BLDG.
FIFTH FLOOR, ROOM NO. 524,
NETAJI SUBHASH ROAD
BOMBAY-400002

Bombay-400002, the 14th February 1977

Ref. No. Acqn. Range-IV/A.P. 240/76-77.—Whereas, I, G. A. JAMES, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing Plot No. 7, Block B, Survey No. 41 (Pt.) situated at Village Oshivara, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Bombay on 22-6-1976 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(3) M/s Veera Land Development Corporation, Shyam Nagar, Veera Desai Road, Andheri (West), Bombay-400058.
(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) of the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

All that piece or parcel of land or ground admeasuring 3707 square yards equivalent to 3099 square metres or thereabouts situate, lying and being at Village Oshivara, Taluka Andheri, forming part of Survey No. 41 (Part) being Plot No. 7, Block B of the Lay Out prepared by Veera Land Development Corporation and bounded as follows, that is to say, on or towards the North by Plot No. B-4, on or towards the South by Plot No. B-8, on or towards the West by Plot No. B-6 and on or towards the East by a Road.

G. A. JAMES
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-IV, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date : 14-2-1977

Seal:

FORM ITNS

(1) Shri Nalin K. Shah & Smt. Dhanbai K. Shah.
(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) S/Shri V. J. Mehta, V. L. Mehta & N. J. Patel.
(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

(3) Navyug Coop. H. S. Ltd.
(Persons whom the undersigned knows to be interested in the property)OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE-II,
BOMBAY-400002

Bombay-400002. the 15th February 1977

Ref. No. A.R. II/2321-2/June-'76.—Whereas, I, M. J. MATHAN,

being the Competent Authority

under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act) have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

Plot No. 31, C.T.S. No. 330, S. No. 287 (pt), situated at Juhu Vile Parle Dere Scheme

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

Bombay on 21-6-1976

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefore by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of : -

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the 'said Act', shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

All that piece or parcel of land or ground inheritances and premises situate lying and being at Vile Parle within the Registration District and Sub-District of Bombay City and Bombay Suburban District and bearing C.T.S. No. 330 ad-measuring 1066 sq. yds. (i.e. 891 sq. metres) or thereabouts and being plot No. 31 and being the part of original plot No. 11 of the Juhu Vile Parle Development Scheme bearing Survey No. 287 (pt) of Vile Parle and Ward No. K-8185 and bounded as follows : On or towards the North by 100 ft. Road No. 1, on or towards the South by the Southern Boundary of the Scheme, on or towards the East by the Plot No. 32 and on or towards the West by plot No. 30.

M. J. MATHAN
Competent AuthorityInspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range II, Bombay

Date : 15-2-1977

Seal :

FORM ITNS

(1) The Raymond Woollen Mills Ltd.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE-I
SMT. KGMP AYURVEDIC HOSPITAL
BUILDING, 5TH FLOOR,
NETAJI SUBHASH ROAD
BOMBAY-400002

Bombay-400002, the 14th February 1977

Ref. No. AR-I/1656-1/Jun 76.—Whereas, I, V. R. AMIN, GUPTA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing C.S. No. 764 of Malabar & Cumballa Hill Division, situated at Bhulabhai Desai Road, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Sub-Registry, Bombay on 1-6-1976, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(2) J. K. Chemicals Ltd.

(Transferee)

(3) Managing Directors & others.

(Person in occupation of the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Schedules as mentioned in the Registered Deed No. 1334/70/BOM., & registered on 1-6-1976 with the Sub-Registrar, Bombay.

V. R. AMIN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-I, Bombay

Date : 14-2-1977

Seal

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX,ACQUISITION RANGE-I
SMT. KGMP AYURVEDIC HOSPITAL
BUILDING, 5TH FLOOR
NETAJI SUBHASH ROAD
BOMBAY-400002

Bombay-400002, the 14th February 1977

Ref. No. AR-I/1664-9/Jun 76.—Whereas, I, V. R. AMIN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing C.S. No. 568 (pt) of Malabar & Cumballa Hill Division, situated at 135-August Kranti Marg, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Sub-Registry, Bombay on 1-6-1976, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—
18—486GI/76

(1) Smt. Mithibai Dadabhoy Mistry, 2. Cawas Munchershaw Mistry, 3. Dinshaw Munchershaw Mistry and 4. Dina Kharshed Patel.

(Transferor)

(2) Aristo Constructions Pvt. Ltd.

(Transferee)

(3) 1. Mrs. J. D. Masani,
2. Mrs. B. S. Mehta,
3. Mrs. Putlibai K. Gobhai,
4. Mrs. Rustamji N. Javeri,
5. Mrs. Dina K. Patel, and
6. Mrs. B. S. Mehta.

(Person in occupation of the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

ALL THAT piece or parcel of Pension and Tax land or ground with the messuage, tenement or dwelling house standing thereon situate, lying and being on the South side of Gowalia Tank Road (now known as "August Kranti Marg") in the registration Sub-District of Bombay in the Island of Bombay containing by admeasurement 1128 2/9 square yards less 133.09 square yards acquired in 1963 for road widening approximately equal to 995 2/9 square yards equivalent to 881.83 square metres or thereabouts and registered in the Books of the Collector of Land Revenue New No. 3039, New Survey No. 7148 C.S. No. 568 (part) of Malabar and Cumballa Hill Division and in the Books of the Collector of Municipal Rates and Taxes under 94-D Ward No. 2934 and Street No. 135 and bounded as follows : that is to say, On or towards the West, by the Trust Property of Nusserwanji R. Nazir, On or towards the East by the property formerly of Hormasji Naoroji Contractor and others but now of Kamal Construction Limited, On or towards the North by Gowalia Tank Road (now known as "August Kranti Marg") and On or towards the South by the property formerly of Hormasji Naoroji Contractor and others but now of Khemchand B. Kothari and others.

V. R. AMIN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-I, Bombay

Date : 14-2-1977

Sgnl :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA
OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE-I
SMT. KGMP AYURVEDIC HOSPITAL
BUILDING, V FLOOR
NETAJI SUBHASH ROAD
BOMBAY-400002

Bombay-400002, the 15th February 1977

Ref. No. AR-I/1662-7/June 76.—Whereas, I, V. R. AMIN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

C.S. No. 3/723 of Malabar & Cumballa Hill Division situated at 29-Carmichael Road,

(and more fully described in the Schedule annexed here-to) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Sub-Registry, Bombay on 1-6-1976,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) M/s Carmichael Properties Pvt. Ltd.
(Transferor)
- (2) Khusnuma Co-operative Housing Society Ltd.
(Transferee)
- (3) Members of Society :
 1. Dr. T. G. Honnckeri
 2. Mr. D. D. Thangam
 3. Mr. S. D. Sawant
 4. The S. N. Bharat Trust
 5. Mr. R. P. Vazifdar
 6. Mrs. Nanda N. Parkar
 7. Mrs. Rajni Devi Jajodia
 8. Miss Shama Deshmukh and
Miss Mangala Deshmukh
 9. Mr. V. K. Shah & Dr. (Mrs.) Indu Shah
 10. Mr. Adi F. Merchant
 11. Mr. N. K. Bajaj

12. Mr. K. N. Dalal & Mr. G. N. Dalal
 13. Mrs. Zubeda K. Bhatri
 14. Mr. S. S. Mishra
 15. Mrs. Bina S. Agarwal
 16. Mr. P. M. Trilokkar
 17. Mr. G. R. Kapoor
 18. Mrs. Kabita B. Bose
 19. Mrs. Pushpa J. Shakrani
 20. Mr. P. P. Mehta
 21. Mr. G. T. Matta
 22. Mr. Sunderdas Devasingh & Mrs. Jankirani Sunderdas
 23. Mrs. S. S. Bhiwandkar
 24. M/s Meera Enterprise
 25. Mrs. & Mr. R. B. Malia
 26. Mr. P. L. Bhathija
 27. Mr. & Mrs. K. D. Khilnaney
 28. Mr. C. R. Patel
 29. Mr. V. B. Patel
 30. Mrs. Kamla G. Mirchandani
 31. Dr. R. P. Soonawala
 32. Mrs. P. R. Soonawala
 33. Dr. R. J. Shah
 34. Dr. N. M. Pant
 35. Mrs. Hilla J. Madon
 36. Mrs. Kety K. Dady Burjor
 37. Mrs. Aban M. Karkaria
 38. Mrs. Sushila V. Shah
 39. Mr. T. B. Mirchandani
 40. Mr. G. H. Sadarangani
 41. Mrs. Laxmi Jha
 42. Mr. V. D. Mirchandani
 43. Mrs. Bhag G. Wadhwani
 44. Mr. F. A. Rabady
 45. Mrs. K. Y. Rajabally
 46. Mr. C. J. Mahimkar
 47. Mrs. L. C. Mahimkar
 48. Mrs. P. T. Bhansali
 49. Mrs. Shashikala C. Patel & Mr. Rajendra C. Patel
 50. Mr. Dhrunjal C. Patel
- (Person in occupation of the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the 'said Act', shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Schedule as mentioned in the Registered Deed No. 1820/72/BOM., lodged for registration on 26-6-1972 and registered on 1-6-1976 with the Sub-Registrar, Bombay.

V. R. AMIN
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-I, Bombay

Date : 15-2-1977

Seal:

FORM ITNS

(1) Smt. Shantaben H. Patel & Mr. Suresh H. Patel.
(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Hemprebha Co-operative Housing Socy. Ltd.
(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

(3) Tenants.

(Person in occupation of the property)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE-I
SMT. KGMP AYURVEDIC HOSPITAL
BUILDING, V FLOOR
NETAJI SUBHASH ROAD
BOMBAY-400002

Bombay-400002, the 15th February 1977

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION : The terms and conditions used herein as are defined in Chapter XXA of the 'said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

Ref. No. AR-I/1713-57/June 76.—Whereas, I, V. R. AMIN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing C.S. No. 1744 of Fort Division situated at 68, Marine Drive, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Sub-Registry, Bombay on 15-6-1976 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDEULE

Schedules as mentioned in the Registered Deed No. 1020/71/BOM., lodged for registration on 2-4-1971 and registered on 15-6-1976 with the Sub-Registrar, Bombay.

V. R. AMIN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-I, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 15-2-1977

Seal :

FORM ITNS

(1) Smt. Anardovi Shewchandray Surajmal Poddar.
(Transferor)

**NOTICE UNDER SECTION 269-D(1) OF THE INCOME
TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)**

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE-I
SMT. KGMP AYURVEDIC HOSPITAL
BUILDING, V FLOOR
NETAJI SUBHASH ROAD
BOMBAY-400002

Bombay-400002, the February 1977

Rcf. No. AR-I/1659-4//Junc 76.—Whereas I, V. R.
AMIN,
being the Competent Authority under Section
269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter
referred to as the 'said Act') have reason to believe that
the immovable property having a fair market value
exceeding Rs. 25,000/- and bearing
C.S. No. 2/736 of Malabar & Cumballa Hill Division situated
at Carmichael Road,
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),
has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of
1908), in the office of the Registering Officer at
Sub-Registry, Bombay on 1-6-1976
for an apparent consideration which is less than
the fair market value of the aforesaid property and I have
reason to believe that the fair market value of the property as
aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by
more than fifteen per cent of such apparent consideration and
that the consideration for such transfer as agreed to between
the parties has not been truly stated in the said instrument of
transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
 - (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initial proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(2) Lady Jérbai Homi Mody, Mr. Russi Homi Mody, Mr. Kali Homi Mody and Mr. H. N. Thadani, Mrs. Devi H. Thadani.

(Transferee)

(3) (The transferees as in Col. 2 and servants.)
(Person in occupation of the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later:

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

ALL THAT piece or parcel of the Pension and Tax land or ground (cess whereof has been redeemed) with the messuages tenements or dwelling houses known as "The Cliff" as well other structures and buildings standing thereon situate lying and being on the eastern side of Carmichael Road in the Registration Sub-District of Bombay in the Island of Bombay containing by admeasurement 2412.98 square metres equivalent to 2886 sq. yards or thereabouts and registered in the Books of the Collector of Land Revenue under Collector's Old No. 638, Collector's New No. 2941, Old Survey No. 81, New Survey No. 7086 (part) and 7087 (part) and Cadastral Survey No. 2/736 of the Malabar Hill and Cumballa Hill Division and in the books of the Collector of Municipal Rates and Taxes under D Ward No. 3451 (1A) and Old Street No. 6ac and New Street No. 11 and bounded as follows : that is to say on or towards the East by the property formerly of Manekji Petit Manufacturing Co. Ltd., and now belonging to Municipal Corporation of Greater Bombay on or towards the West by the said Carmichael Road on or towards the North by the property of—Government and on or towards the South by the property belonging to Amratlal Amarchand Madhvaji and Mansilal Amarchand Madhvaji.

V. R. AMIN
Competent Authority

Date : February 1977

Scal

FORM ITNS

(1) Shri Hormusji Dinshaw Batliwalla.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE-I
SMT. KGMP AYURVEDIC HOSPITAL
BUILDING, V FLOOR
NETAJI SUBHASH ROAD
BOMBAY-400002

Bombay-400002, the 17th February 1977

Ref. No. AR-1/1661-6/June 76.—Whereas I, V. R. AMIN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing C.S. No. 246 of Tardco Division situated at Bellasis Road (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Sub-Registry, Bombay on 1-6-1976 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the 'said Act to the following persons, namely :—

(2) Shri Zakaria Haji Latif Aghadi, (ii) Abdul Razak Haji Valimohamed & (iii) Zohrabai D/o Zakaria Haji Latif Aghadi, Partners of M/s Embassy Exhibitors.

(Transferee)

(3) Members of the proposed The Bellasis Co-Operative Housing Society Ltd., Bombay.
(Person in occupation of the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

SCHEDULES as mentioned in the Registered Deed No. 1463/72/Bom., and registered on 1-6-1976 with the Sub-Registrar, Bombay.

V. R. AMIN
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I, Bombay

Date : 17-2-1977

Seal :

FORM ITNS—

- (1) 1. Shri Naginbhai Laljibhai, Kabilpore, Tal. Navsari.
 2. Shri Ranchhodbhai Laljibhai, Kabilpore, Tal. Navsari.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE-II
2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE,
ASHRAM ROAD, AHMEDABAD-380009

Ahmedabad-380009, the 10th February 1977

Ref. No. P.R. No. 506 Acq. 23-897/7-4/76-77.—Whereas, I, P. N. MITTAL, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing R.S. No. 122-Hissa No. 1, situated at Kabilpore Road, Navsari, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Navsari on 21-7-1976, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (2) 1. Shri Mukund Gokaldas;
 2. Shri Bhagwanji Odhavji;
 C/o Navsari Stone Co., Station Road, Navsari.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land bearing R.S. No. 122 Hissa No. 1 situated at Kabilpore Road, Navsari, admeasuring 0 Acre 26 gunthas as described in the sale deed registered under registration No. 843/76 in the month of July 1976 by the Registering Officer, Navsari.

P. N. MITTAL,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II, Ahmedabad

Date : 10-2-1977

Seal :

FORM ITNS

(1) Shri Abdul Kader Haji, Pallur.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) (i) Shri John Mathew.
(ii) Mrs. Mary Mathew.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME TAX,
ACQUISITION RANGE
MAREFNA BUILDINGS, M. G. ROAD
Ernakulam, Cochin-682016

Ernakulam, the 14th February 1977

Ref. L.C. No. 115/76.—Whereas, I, S. N. CHANDRACHOODAN NAIR, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing Sy. No. as per Schedule situated at Taliparamba Taluk, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Tellicherry on 8-6-76, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expression used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

4 acres of Rubber Estate in R. Sy. No. 28/1A2 in Taliparamba Taluk.

S. N. CHANDRACHOODAN NAIR
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Ernakulam

Date : 14-2-1977
Seal :

FORM ITNS

(1) Shri Abdul Kader Haji, Pallur.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) (i) John Mathew.
(ii) Mary Mathew.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE
MAREENA BUILDINGS, M. G. ROAD, ERNAKULAM

Cochin-6820 16, the 14th February 1977

Ref. L.C. No. 116/76-77.—Whereas, I. S. N.
CHANDRACHOODAN NAIR,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax, Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

Sy. No. as per schedule situated at Taliparamba Taluk, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Tellicherry on 24-6-1976,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

4½ acres of rubber estate with buildings in R. Sy. No. 28/1A2 in Taliparamba Taluk.

S. N. CHANDRACHOODAN NAIR
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Ernakulam

Date : 14-2-1977

Seal :

FORM ITNS

(1) Sri Luka, Nambisseril, Maradi.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE
MAREENA BUILDINGS, M. G. ROAD, ERNAKULAM

Cochin-6820 16, the 14th February 1977

Ref. L.C. No. 117/76-77.—Whereas, I, S. N. CHANDRACHOODAN NAIR, being the competent authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as in the said Act), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing Sy. No. as per schedule situated at Muvattupuzha, (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the Office of the Registering Officer at Muvattupuzha on 6-7-1976, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922, (11 of 1922) or the said Act, or the wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

19—486GI/76

(2) (i) James (ii) Varghese (iii) Rosy. (Transferees)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of the notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

2 acres 69 cents of land with buildings in Marady village, Muvattupuzha.

S. N. CHANDRACHOODAN NAIR
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Ernakulam

Date : 14-2-1977

Seal :

FORM ITNS

(1) M/s Narikallu Estate (By Sri A. C. Boppanna).
(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269-D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) (i) Sri M. Chettyappan.
(ii) Smt. Umayal Chettyappan.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

**OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE
MAREENA BUILDINGS, M. G. ROAD, ERNAKULAM**

Cochin-6820 16, the 14th February 1977

Ref. L.C. No. 118/76-77.—Whereas, I, S. N. CHANDRACHOODAN NAIR, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing Sy. No. as per schedule situated at Cannanore District, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Tellicherry on 11-6-1976, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the 'said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

THE SCHEDULE

217.82 acres of coffee estate with buildings known as Narikallu Estate in Cannanore District.

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

S. N. CHANDRACHOODAN NAIR
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Ernakulam

Date : 14-2-1977

Seal :

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

FORM ITNS

(1) Sri Vasudevanunni Nair.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Sri Ravindran.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME TAX
ACQUISITION RANGE
MAREENA BUILDINGS, M. G. ROAD, ERNAKULAM

Cochin-6820 16, the 15th February 1977

Ref. L.C. No. 119/76-77.—Whereas, I, S. N. CHANDRACHOODAN NAIR, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immoveable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

Sy. Nos. as per schedule situated at Guruvayur, (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering officer at Kottapaddi on 22-6-1976, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATIONS:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or;

THE SCHEDULE

17 cents of land with buildings in R.S. No. 111/1 of Guruvayur.

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the 'said Act' or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

S. N. CHANDRACHOODAN NAIR
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Ernakulam

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely :—

Date : 15-2-1977

Seal :

FORM ITNS

(1) M/s K. V. Zacharia & Sons (P. Ltd. Mundakayam.
(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) S. Natarajan, Sarala Bhavan, Mundakayam.
(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX.ACQUISITION RANGE
MAREENA BUILDINGS, M. G. ROAD, ERNAKULAM

Cochin-682016, the 16th February 1977

Ref. L.C. No. 120/76-77.—Whereas, I, S. N. CHANDRACHOODAN NAIR, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as in the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing Survey Nos. 179/182 situated at Peruvanthanam Village, Peermade Taluk, Idikky District, (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Peermade on 3-6-1976, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the 'said Act', or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the 'said Act', I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within the period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

40 acres of rubber estate in Peruvanthanam Village—vide schedule to Document No. 627/76 dated 3-6-1976.

S. N. CHANDRACHOODAN NAIR
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Ernakulam

Date : 16-2-1977

Seal :

FORM ITNS

(1) M/s K. V. Zacharia & Sons (P) Ltd., Mundakayam.
(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) S. Gopalakrishnan, Sarala Bhavan, Mundakayam.
(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE

MAREENA BUILDINGS, M.G. ROAD,
ERNAKULAM

Cochin-6820 16, the 16th February 1977

Ref. L.C. No. 121/76-77.—Whereas, I, S. N. CHANDRACHOODAN NAIR, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing Survey Nos. 179/180 situated at Peruvanthanam Village, Peermade Taluk, Idikky District, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Peermade on 3-6-1976 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-Section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

39 acres 53 cents of rubber estate in Peruvanthanam Village—vide schedule to Document No. 628/76 dated 3-6-1976.

S. N. CHANDRACHOODAN NAIR
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Ernakulam

Date : 16-2-1977

Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(1) M/s. I. K. K. Chokkalingam, S/o Kandappa Chettiar, 2, Thailappan (minor) by father and guardian Shri K. K. Chokkalingam, Pavadi Street, Tiruchengode.

(Transferor)

(2) Shri P. Subramaniam, S/o Pattya Goundar, No. 134, Salem Main Road, Tiruchengode.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE-I
MADRAS-6

Madras-6, the 5th February 1977

Ref. No. 21/JUNE/76-77.—Whereas, I, G. RAMANATHAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 134, situated at Salem Main Road, Tiruchengode, (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering officer at Tiruchengode (Doc. No. 1085/76) on 10-6-1976 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land measuring 3,300 sq. ft. with building thereon at door No. 134 (Sur. No. 138/4), Salem Main Road, Kailasampalayam, Tiruchengode.

G. RAMANATHAN
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-I, Madras-6

Date : 5-2-1977

Seal :

FORM ITNS—

- (1) 1. Smt. Sellayee,
2. Thirumayee,
3. Pavayee,
4. Smt. Perumay,
5. Arukkani,
6. Mathes (minor) by mother and guardian Smt. Perumay, Reddiapalayam, Alathur village, Salem district.

(Transferor)

- (2) Shri Kolanda Goundar, S/o Kandappa Goundar, Reddiapalayam, Alathur village, Salem district.
(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE-I, MADRAS-6
MADRAS-6

Madras-6, the 5th February 1977

Ref. No. 22/JUNE/76-77.—Whereas, I, G. RAMANATHAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 170/1, 3 & 4, 156/1, situated at 169/6, 169/10, Alathur village, Salem district, (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Sankaridrug (Doc. No. 405/76) on June 1976, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer, and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-Section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Undivided 1/4th share in land measuring 13.98 acres in Survey Nos. 170/1 (0.52 acre), 170/3 (3.65 acres), 170/4 (6.34 acres) (with well), 156/1 (3.47 acre) and undivided 1/8th share in land measuring 1.31 acres in Survey Nos. 169/6 (0.76 acre) and 169/10 (0.55 acre) at Alathur village, Salem district.

G. RAMANATHAN
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-I, Madras-6

Date: 5-2-1977
Seal:

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 of 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

**OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME TAX,
ACQUISITION RANGE-I
MADRAS-6**

Madras-6, the 5th February 1977

Ref. No. 23/JUNE/76-77.—Whereas, I, G. RAMANATHAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. No. 170/1, 3 & 4, 156/1, situated at 169/6 and 169/10, Alathur village, Salem district, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Sankaridrug (Do. No. 406/76) on June 1976, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) 1. Smt. Sellayee,
2. Thirumayee,
3. Payayee,
4. Smt. Perumay,
5. Arukkani,
6. Mathes (minor) by mother and guardian Smt. Perumay, Reddiapalayam, Alathur village, Salem district.

(Transferor)

- (2) Shri Palanivel Goundar, S/o Shri Chinna Goundar, Nallampalayam, Alathur village, Salem district.
(Transferee)

Objections, if any to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Undivided 1/4th share in land measuring 13.98 acres in survey Nos. 170/1 (0.52 acre), 170/3 (3.65 acres), 170/4 (6.34 acres) (with well), 156/1 (3.47 acre) and undivided 1/8th share in land measuring 1.31 acres in survey Nos. 169/6 (0.76 acre) and 169/10 (0.55 acre) at Alathur village, Salem district.

G. RAMANATHAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I, Madras-6

Date : 5-2-1977

Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(1) M/s Ramasamy Reddiar and Rajasekaran (minor)
by father and guardian Shri Ramasamy Reddiar,
Kathapalli village, Namakkal taluk, Salem district.

(Transferor)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE-I

(2) Shri Marimuthu Goundar, S/o Nallappa Goundar,
Kathapalli village, Salem district.

(Transferee)

Madras-6, the 5th February 1977

Objections, if any, to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned :—

Ref. No. 25/JUNE/76-77.—Whereas, I, G.
RAMANATHAN,

being the Competent Authority under Section 269B of the
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred
to as the 'said Act'), have reason to believe that the im-
movable property, having a fair market value exceeding
Rs. 25,000/- and bearing No.

No. 117/1A and 2-A situated at Kadapalli village, Salem
district,

(and more fully described in the Schedule annexed hereto),
has been transferred under the Registration Act, 1908 (16
of 1908) in the office of the Registering Officer at
Namakkal (Doc. No. 278/76) on June 1976,

for an apparent consideration which is less than the fair
market value of the aforesaid property and I have reason to
believe that the fair market value of the property as afore-
said exceeds the apparent consideration therefor by more
than fifteen per cent of such apparent consideration and that
the consideration for such transfer as agreed to between the
parties has not been truly stated in the said instrument of
transfer with the object of :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of
45 days from the date of publication of this notice
of the Official Gazette or a period of 30 days from
the service of notice on the respective persons, whichever
period expires later;

(b) by any other person interested in the said
immovable property, within 45 days from the
date of the publication of this notice in the
Official Gazette.

EXPLANATION : The terms and expressions used herein as are
defined in Chapter XXA of the said Act,
shall have the same meaning as given in that
Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability
of the transferor to pay tax under the said Act, in
respect of any income arising from the transfer;
and/or

THE SCHEDULE

Agricultural lands measuring 4 acres and 87 cents in sur-
vey Nos. 117/1A and 2A, (with a house and well fitted with
5 H.P. motor pumpset), Kathapalli village, Salem district.

(b) facilitating the concealment of any income or any
moneys or other assets which have not been or
which ought to be disclosed by the transferee for
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922
(11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax
Act, 1957 (27 of 1957);

G. RAMANATHAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-I, Madras-6

Date : 5-2-1977

Seal :

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the
aforesaid property by the issue of this notice under sub-
section (1) of Section 269D of the said Act, to the following
persons, namely :—
20—486GI/76

FORM ITNS—**NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)****GOVERNMENT OF INDIA****OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE-I**

Madras-6, the 5th February 1977

Ref. No. 26/JUNE/76-77.—Whereas, I, G.
RAMANATHAN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding **Rs. 25,000/-** and bearing

No. 46 situated at President Venkatrao Road, Gandhinagar, Namakkal,
(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at

Namakkal (Doc. No. 293/76) on June 1976
for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(1) Shri S. Ramasami, (S/o Sengoda Goundar, 46, Gandhinagar, Namakkal, and Smt. Kaliammal, W/o S. Ramasami, Keerambur village, Namakkal taluk, Salem district.

(Transferor)

(2) Shri S. Jagadeesan, No. 62, Thillaiputam, Namakkal.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land measuring 8,600 sq. ft. with building thereon at door No. 46 (R.S. No. 504/3), President Venkat Rao Street, Gandhinagar, Namakkal.

G. RAMANATHAN
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-I, Madras-6

Date : 5-2-1977

Seal :

FORM ITNS

(1) Shri S. K. S. C. Shanmughakani, Secretary, Arumugamasi Anbu Ashiramam, V. E. Road, Tuticorin.
(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

(2) M/s. 1. John Cruz Fernando, 429, V.E. Road, Tuticorin, 2. Joseph Ramijous Felic Fernando, 397/7A, Lions Town, Tuticorin, 3. Joseph Alexious Camilos Fernando, 401/7A, Lions Town, Tuticorin.

(Transferee)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE-I

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

Madras-6, the 5th February 1977

Ref. No. 72/JUNE/76-77.—Whereas, I. G. RAMANATHAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 1 & 1A situated at South Raja Street, Tuticorin, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Tuticorin (Doc. No. 767/76) on June 1976, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land measuring 5 $\frac{1}{4}$ cents with buildings thereon at door Nos. 1 & 1A (T.S. No. 409), South Raja Street, Tuticorin.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act 1957 (27 of 1957).

G. RAMANATHAN
Competent Authority

Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I, Madras-6

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 5-2-1977

Seal :

FORM ITNS —————

(1) M/s 1. B. Viswesvaran, 2. V. Lakshmikanthan, 18,
Venkatappa Chetty Street, Shevapet, Salem-2.
(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Shri S. Govindasamy, S/o A. S. Sidda Chettiar,
No. 5, Raja Street, Komarapalayam.
(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE-I

Madras-6, the 10th February 1977

Ref. No. 29/JUNE/76-77.—Whereas, I, G. RAMANATHAN, being the competent authority under section 269B of the Incometax Ac, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. No. 624/2 situated at Raja Street, Komarapalayam Amani, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Komarapalayam (Doc. No. 854/76), on 11-6-1976, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land measuring 2,958 sq. ft. with building thereon at door No. 5 (Sur. No. 624/2), Raja Street, Komarapalayam, Salem district.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

G. RAMANATHAN
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-I, Madras-6

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act, to the following persons namely :—

Date : 10-2-1977

Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE-I

Madras-6, the 10th February 1977

Ref. No. 30/JUNE/76-77.—Whereas, I, G. RAMANATHAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. situated at Pallipalayam Amani and East Thottipalayam, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Komarapalayam (Doc. No. 876/76) on 15-6-1976, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

(1) Smt. Andiammal, W/o Shri Komarasamy Gounder, Shri Saminathan (minor) by mother and guardian Smt. Andiammal, Uppukarur—Kattukottai, Kannamuchi village, Bhavani Tq., Coimbatore district. (Transferor)

(2) 1. Shri Kandasami, S/o Marappa Gounder, East Thottipalayam, Pallipalayam, Tiruchengode taluk.
2. Smt. Ramayee, W/o Sengoda Gounder, East Thottipalayam, Pallipalayam.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

1. Land bearing the following survey numbers at Pallipalayam Amani village :

Sur. No. 35/2—0.39½
Sur. No. 36/3—0.90½
Sur. No. 36/4—0.05
Sur. No. 36/5—0.03
Sur. No. 36/7—0.23½
Sur. No. 40/3—0.38½
Sur. No. 40/4—0.34
Sur. No. 39/3—1.43½
Sur. No. 49/9—0.15½
Sur. No. 49/14—0.08
Sur. No. 49/21—0.01
Sur. No. 47/5—0.15½
Sur. No. 49/10—0.02 3/8 (with 1/8th share in well)
Sur. No. 49/13—0.01 5/8
Sur. No. 49/18—0.00 6/8
Sur. No. 47/8—0.02 1/12

Total	4.24 1/3 Acres
-------	----------------

2. Undivided half share in land measuring 360 sft. (180 sft.) with building measuring 300 sft. (½ share 150 sq. ft.) at Sur. No. 81/1, East Thottipalayam.

G. RAMANATHAN
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-I, Madras-6

Date : 10-2-1977

Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME TAX.
ACQUISITION RANGE-I

Madras-6, the 10th February 1977

Ref. No. 32/JUNE/76-77.—Whereas, I, G. RAMANATHAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 219/1, situated at Samudram village, Salem district, (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Jalakandapuram (Doc. No. 692/76) on June 1976, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(1) Smt. S. P. Subbulakshmi, W/o Shri P. P. Sampath, Upparapatti, Samudram village, Sankaridrug, Salem district.

(Transferor)

(2) Palaniammal, D/o Palanipannadi, Upparapatti, Samudram village, Sankaridrug, Salem district.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Agricultural lands measuring 4 acres and 88 cents in R.S. No. 219/1, Samudram village, Sankaridrug taluk, Salem district.

G. RAMANATHAN
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-I, Madras-6

Date : 10-2-1977

Seal :

FORM ITNS —————

(1) Smt. Subbulakshmi, W/o Shri P. P. Sampath, Upparapatti Kattuvalavu, Samudram village, Sankaridrug taluk, Salem district.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Shri Rathnam, S/o Kandhan Pannadi, Upparapatti Kattuvalavu, Samudram village, Salem district.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

**OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE-I**

Madras-6, the 10th February 1977

Ref. No. 33/JUNE/76-77.—Whereas, I, G. RAMANATHAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 219/1, situated at Samudram village, Salem district, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Jalakandapuram (Doc. No. 691/76) on June 1976, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reasons to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer, and/or

THE SCHEDULE

Agricultural lands measuring 3 acres and 91 cents in R.S. No. 219/1, Samudram village, Salem district.

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

G. RAMANATHAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-I, Madras-6

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 10-2-1977

Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE-I

Madras-6, the 10th February 1977

Ref. No. 36/JUNE/76.77.—Whereas, I, G. RAMANATHAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 246/4 & 228/1 situated at Samayasangili Agraharam village, Salem district, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Komarapalayam (Doc. No. 939/76) on June 1976, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer, and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(1) 1. Shri Chinna Goundar,

2. Shri Vadivel

3. Shri Mani

minors by father and guardian

Shri Chinna Goundar,

Seerampalayam, Samayasangili Agraharam village, Tiruchengode taluk.

(Transferor)

(2) 1. Shri Kuppusamy, S/o Palaniappa Gounder, 2. Smt. Munakkal, W/o Munia Gounder, Kuruvankadu, Perumpalayam Pudur, Pallipalayam Road, Komarapalayam, Tiruchengode Taluk.

(Transferee)

Objection, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expire later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Agricultural lands measuring 2 acres in survey Nos. 246/4 (1.44 acres) and 228/1 (0.56 acre) (with 1/3rd share in oil engine pumpset) at Samayasangili Agraharam village, Tiruchengode taluk.

G. RAMANATHAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-I, Madras-6

Date : 10-2-1977

Seal :

FORM ITNS

(1) M/s Kalianna Goundar & Peria Gounder, Sadayappan Valavu, Amman Kuttaiyur, Thangayur village, Sankaridrug Taluk.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

(2) Shri Athappa Goundar, S/o Peria Gounder, Nilapalikadu, Amman Kuttaiyur, Thangayur village, Sankaridrug taluk.

(Transferee)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-I

Madras-6, the 10th February 1977

Ref. No. 39/JUNE/76-77.—Whereas, I, G. RAMANATHAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 110/1, situated at Thangayur village, Salem district, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Sankaridrug (Doc. No. 470/76) on 30-6-1976, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent for such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

THE SCHEDULE

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Agricultural land measuring 6 acres and 59 cents in survey No. 110/1, Thangayur village, Salem district.

G. RAMANATHAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I, Madras_6

Date : 10-2-1977

Seal :

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

21—486GI/76

FORM ITNS.

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-I

Madras-6, the 10th February 1977

Ref. No. 51/JUNE/76-77.—Whereas, I, G. RAMANATHAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 74, situated at Raja Street, Pachur village, Tirupathur taluk, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Jolarpet (Doc. No. 763/76) on 21-6-1976, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or;

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) 1. Shri P. S. M. Chennakesavan,
2. Smt. Imayavathi, W/o Shri P. Karunakaran,
3. Miss Santhi,
4. Miss Selvi,
5. Miss Jayasamundeeswari,
6. Shri Vandhiathevan,

minors by father & guardian
Shri P. S. M. Chennakesavan
Natrampalli village, Tirupathur taluk.

(Transferor)

- (2) Shri A. K. Narasimha, Chetty and Smt. Vadikiammal, Pachur village, Thirupathur taluk, North Arcot district.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDEULE

Land measuring 1,453 sq. ft. with building thereon at door No. 74 (Sur. No. 27), Raja Street, Pachur village, Tirupathur taluk, North Arcot district.

G. RAMANATHAN
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-I, Madras-6

Date : 10-2-1977

Seal :

FORM ITNS

(1) Smt. P. Noorunnissa Bi, W/o Shri C. Fazlur Rahman.
(Transferor)

**NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)**

(2) Shri A. Abdulla Saheb, S/o A. Bawaji Sahib,
Idayathpur, Kilpatti village, Gudiyatham taluk.
(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER, OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE-I

Madras-6, the 10th February 1977

Ref. No. 53/JUNE/76-77.—Whereas, I, G. RAMANATHAN, being the competent authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 63/1 and 64/1, situated at Chinna Dhamal Cheruvu village, Gudiyatham taluk, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Gudiyatham (Doc. No. 1971/76) on June 1976, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) on the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Agricultural land measuring 4.09 acres in survey Nos. 63/1 (1.56 acres) and 64/1 (2.53 acres) at Chinna Dhamal Cheruvu village, Gudiyatham taluk.

G. RAMANATHAN
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-I, Madras-6

Date : 10-2-1977

Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

- (1) Shri H. K. Satyanarayanan, S/o Shri Kuppusamy Iyer, Pemnagaram, Dharmapuri Taluk.
(Transferor)
- (2) Shri H. S. Visvanathan, S/o Subbarama Iyer, 9/21, Thirumalai Nivas, Sriram Colony, Dharmapuri.
(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

**OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE-I**

Madras-6, the 10th February 1977

Ref. No. 58/JUNE/1976-77.—Whereas, I, G. RAMANATHAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. No. 9/22, situated at Sriram Colony, Dharmapuri, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Dharmapuri (Doc. No. 1087/76) on June 1976, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and, have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer, and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later.
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land measuring 1,120 sq. ft. with building thereon at door No. 9/22 Sri Ram Colony, Dharmapuri.

G. RAMANATHAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-I, Madras-6

Date : 10-2-1977
Seal:

FORM ITNS—

(1) Shri M. Paramasivam Pillai, S/o Muthiah Pillai,
South Street, Brahmadesam village, Tirunelveli district.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-

TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE-I

(2) M/s.

1. S. Subramaniam,
2. S. Shanmugam,
3. S. Arumugham,
4. S. Chockalingam,
5. S. Ramiah,
North Car Street, West Ambasamudram, Tirunelveli district.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette;

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Agricultural lands measuring 5 acres and 69 cents in survey Nos. 423/1 (36 cents with well), 424/1 (2.82 acres with well and electric motor pumpset) and 425/IB1 (2.51 acres) at Punaivazhi Marichan Puravu, Mannarkoil village, Tirunelveli district.

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys of other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

G. RAMANATHAN
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-I, Madras-6

Date : 10-2-1977

Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE-I

Madras-6, the 10th February 1977

Ref. No. 32/JULY/76-77.—Whereas, I, G.

RAMANATHAN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. 423/2, 424/2 and 425A/1B2, situated at Mannarkoil village, Tirunelveli district, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Ambasamudram (Doc. No. 1619/76) on July 1976.

for an apparent consideration

which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(1) M/s.

1. V. Muthiah Thevar,
2. V. Krishna Thevar,
3. V. Ramiah Thevar,
4. V. Sankara Pandila Thevar,
5. Smt. S. Janaki Ammal, W/o late V. Subbiah Thevar,
6. Shri Murugan,
7. Shri Velu

minors by mother and guardian Sl. No. 5 South Street, Mannarkoil village, Tirunelveli district.

(Transferor)

- (2) 1. Shri L. Dharmarajan, S/o Lakshminarayana.
2. Smt. Sundari Ammal, W/o L. Dharmarajan. South Street, Kizha Ambur, Ambasamudram talu, Tirunelveli Dt.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Agricultural lands measuring 5 acres and 1 cent in survey Nos. 423/2 (32 cents), 424/2 (2.49 acres) and 425-A/1B2 (2.29 acres) with two wells, pumpset, pumpset room and wood at Punai Mazhi Marichankulam, Mannarkoil village, Tirunelveli district.

G. RAMANATHAN
Competent Authority
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I, Madras-6

Date: 10-2-1977

Seal:

FORM ITNS

(1) Shri R. Jawantraj, No. 101, Narayana Mudali Street, Madras-1
(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE

INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

(2) Smt. Kanchan Devi Saphal Raj Surana, W/o Shri Saphalraj Surana, No. 10, Venkataroyar Street, Park Town, Madras-3.
(Transferee)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE-I

5. Plasto Agencies.
1. I. S. Joshua,
2. G. Gnanadorai,
3. Panachand Kanaji.
4. R. S. Sukal,
5. Plasto Agencies.
(Person in occupation of the property)

Madras-6, the 10th February 1977

Ref. No. 78/JULY/76-77.—Whereas, I, G.
RAMANATHAN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. 10, situated at Venkataroyar Street, Park Town, Madras-3, (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Madras (Doc. No. 3117/76) on 1-7-1976, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning is given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land measuring 1,556 sq. ft. with building thereon at door No. 10 (R.S. No. 855), Venkataroyar Street, Park Town, Madras-3.

G. RAMANATHAN
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I, Madras-6

Date : 10-2-1977

Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE-I
MADRAS-6

Madras-6, the 10th February 1977

Ref. No. 106/JUNE/76-77.—Whereas, I, G. RAMANATHAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing situated Oduvangurichi village, Salem district, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Namagiripettai (Doc. No. 446/76) on June 1976, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(1) Shri Palaniappa Goundar, S/o Kollangadu Nallaya Goundar, Shri P. Rajan, S/o Kollangadu Nallaya Goundar, Smt. Baby Kamalam, W/o Shri Rajan, Oduvankurichi, Rasipuram taluk, Salem district.

(Transferor)

(2) Shri N. Rangasamy Goundar, S/o Kollangadu Nallaya Goundar, Oduvankurichi, Rasipuram taluk, Salem district.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other persons interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Agricultural lands measuring 4 acres and 18 $\frac{1}{2}$ cents in Survey Nos. 12/6 (0.39 acre), 12/5 (1.10 acres), 15/4 (0.99 acre), 16/3 (0.52 acre), 16/1 (0.19 $\frac{1}{4}$ acre), 16/5 (0.91 acre), 16/4 (0.02 $\frac{1}{4}$ acre), (with half share in 5 HP motor pumpset), 16/3 (0.01 acre), 16/1 (0.04 acre with well and building) at Oduvankurichi village, Rasipuram taluk, Salem district.

G. RAMANATHAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I, Madras-6

Date : 10-2-1977
Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE-I, MADRAS-6.

Madras-6, the 10th February 1977

Ref. No. 108/JUNE/76-77.—Whereas, I B. RAMANATHAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing S. No. 206 situated at Edanganasalai village, Salem district, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering officer * at Magudanchavadi (Doc. No. 569/76) on June 1976 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transfer to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

22—486GI/76

(1) 1. Shri K. Butusami Chettiar.
2. Shri M. Soundarajan (minor) by father and guardian Shri Muthusami Chettiar, Kadayampatti, Edanganasalai village, Sankaridurg taluk, Salem district.

(Transferor)

(2) Shri K. Ekambara Mudaliar, S/o. Shri Kuppanna Mudaliar, Kadayampatti, Edanganasalai village, Sankaridurg taluk, Salem district.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Agricultural land measuring 4 acres and 72 cents in R. 9. No. 206 (with undivided half share in well and 5 HP motor pumpset) at Edanganasalai village, Salem district.

G. RAMANATHAN,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-I, Madras-6.

Date : 10-2-1977.

Seal :

FORM ITNS—

(1) 1. M/s. V. M. Kandasami Pillai, 2. K. Mani,
Appasami Pillai Street, Shevapet, Salem.
(Transferor)

**NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)**

(2) Shri P. Nallamuthu, S/o K. C. Palaniappa Chettiar,
No. 44/306, Sandapettai Main Road, Salem-2.
(Transferee)

**OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE-I, MADRAS-6.**

Madras-6, the 10th February 1977

Ref. No. 110/JUNE/76-77.—Whereas, I B. RAMANATHAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. No. R.S. No. 59/2, situated at Annadhanapatti village, Salem district (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Salem (Doc. No. 1872/76) on June 1976 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

Land measuring 10,000 sq. ft. with building and machinery thereon at survey No. 59/2 (dor No. 2/187E), Annadhanapatti village, Salem district.

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

G. RAMANATHAN,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-I, Madras-6.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of the notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 10-2-1977.
Seal :

FORM ITNS**NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)****GOVERNMENT OF INDIA****OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE-I, MADRAS-6.**

Madras-6, the 10th February 1977

Ref. No. 111/JUNE/76-77.—Whereas, I, G. RAMANATHAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 52/1B1, situated at Thengalpalayam village, Salem district (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Rasipuram (Doc. No. 703/76) on 18-6-1976 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely :—

(1) 1. Shri Karuppanna Goundar
2. Kandasamy (minor) by father & guardian Karuppanna Goundar,
3. Smt. Pavayammal, W/o. Karuppanna Goundar,
Thengalpalayam village. Rasipuram taluk, Salem district.

(Transferor)

(2) Shri Periathambi Udayar, S/o Nallathambi Udayar, Thengalpalayam village, Rasipuram taluk, Salem district.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Agricultural land measuring 3 acres in survey No. 52/1B1 (with well and pumpset) Thengalpalayam village, Salem District.

G. RAMANATHAN,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-I, Madras-6.

Date : 10-2-1977.
Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE-I, MADRAS-6.

Madras-6, the 10th February 1977

Ref. No. 113/JUNE/76-77.—Whereas, I, G. RAMANATHAN,
 being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 51/5, 2 & 4, 54/2 & 4, situated at Ariyagoundampatti village, Salem district (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Namagiripettai (Doc. No. 423/76) on June 1976 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) 1. Shri Ramasamy Goundar, S/o Komara Goundar,
 2. Smt. Sivakami Ammal, W/o Ramasamy Goundar,
 3. Shri Varadappan alias Natarajan, S/o Gounder,
 4. Smt. Pavayee Ammal, W/o Natarajan,
 5. Shri Seralathan, S/o Natarajan,
 6. Shri Ganapathi, S/o Natarajan,
 7. Shri Komarasamy (minor) by father & guardian
 Shri Varadappan alias Nataraja Gounder Ariyagoundampatti village, Salem district.

(Transferor)

- (2) Smt. Ammani Ammal, W/o Shri A. K. Nallianpan, Ariyagoundampatti village, Rasipuram taluk, Salem district.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Agricultural lands measuring 6 acres and 74 $\frac{1}{2}$ cents in survey Nos. 51/5 (2.03 acres), 51/2 (11 $\frac{1}{2}$ cents), 54/4 (9 cents with well, pumpset), 54/2 (3.49 acres) and 51/4 (1.02 acres with building) at Ariyagoundampatti village, Salem district.

G. RAMANATHAN,
 Competent Authority
 Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
 Acquisition Range-I, Madras-6.

Date : 10-2-1977.

Seal :

FORM ITNS—**NOTICE UNDER SECTION 269(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)****GOVERNMENT OF INDIA**

**OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE-I, MADRAS-6**

Madras-6, the 15th February 1977

Ref. No. 2/JUNE/76-77.—Whereas, I G. RAMANATHAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000 and bearing No. 123/5B, 129/6 & 123/7, situated at Solor village, Ambur, North Arcot district (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Ambur (Doc. No. 754/76) on JUNE 1976, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefore by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object :—

- (1) M/s. South East Tanning Co., by partners :
 1. A Hafeezur Rahman,
 2. T. Rafeeq Ahmed,
 3. Smt. K. Najma Begum,
 4. Smt. T. Rahima Bi,
 5. Smt. T. Safiya Bi,
 4/5, Vepery High Road, Madras-3.

(Transferor)

- (2) Shri T. Abdul Wahid, No. 18, Vepery High Road, Madras-3.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Land measuring 6 acres and 39 cents with buildings thereon at survey Nos. 123/5B, 123/6 and 123/7, Solor village, Ambur, North Arcot district.

G. RAMANATHAN,
Competent Authority

Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I, Madras-6.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 15-2-1977.

Seal :

FORM ITNS —

(1) Mrs. Krishnabai Jhaver, W/o. late Shri Srikrishna Jhaver, 366, T.J.L. Road, Madras-600081.
(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

- (2) 1. Shri Vasantraj Khatod,
2. Smt. V. Amia Bai, W/o. Sl. No. 1,
3. Shri V. Anandmal Khatod,
4. Smt. A. Sushila Bai, W/o. Sl. No. 3, West Mada. Street, Acharapakkam Madurantakam taluk.

(Transference)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE-I, MADRAS-6

Madras-6, the 15th February 1977

Ref. No. 9/JUNE/76-77.—Whereas, I, G. RAMANA-THAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 436, situated at Mint Street, Sowcarpet, Madras (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Madras (Doc. No. 2924/76) on JUNE 1976 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefore by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in this Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

THE SCHEDULE

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Land measuring 1 ground and 2,028 sq.ft. with building thereon at door Nos. 436 Mint Street, Madras-1 and No. 2 Perumal Mudali Street, Madras-1 (R.S. No. 10681).

G. RAMANATHAN,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-I, Madras-6.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 15-2-1977.

Seal :

FORM ITNS

(1) M/s. R. Palanisamy & R. Jayaprakash, sons of A. Rathnavel Gounder, Alagapuram Main Road, Salem-4.

(Transferor)

**NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME
TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)**

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE-I, MADRAS-6

Madras-6, the 15th February 1977

Ref. No. 42/JUNE/76-77.—Whereas, I G. RAMANATHAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing situated at Pattipadi village, Yercaud, Salem district (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Salem (Doc. No. 1842/76) on June, 1976 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the application of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter, XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Agricultural lands measuring 125 acres and 94 cents at Pattipadi village, Yercaud, Salem district bearing the following survey numbers :

S. No. 29	0-63
" 54/1	17-87
" 61/2	34-48
" 71	22-34
" 72/1	0-82
" 72/2	18-82
" 75	4-68
" 65	26-30
<u>Acres 125-94 cents</u>	

G. RAMANATHAN,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-I, Madras-6.

Date : 15-2-1977.

Seal :

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely :—

FORM ITNS

(1) Smt. Gandhimathi Ammal, W/o. Shri A. V. Subramania Iyer, No. 42, Ramamurthy Colony, Perambur, Madras-82.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE-I, MADRAS-6

Madras-6, the 15th February 1977

Ref. No. 59/JUNE/76-77.—Whereas, I, G. RAMANATHAN,
being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. T.S. No. 955, situated at Melaradha Veedhi, Chikka Narasayan village, Tirunelveli district (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Tirunelveli (Doc. 841/76) on JUNE 1976 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

THE SCHEDULE

Land measuring 5,512 sft. with building thereon at door No. 76 (T.S. No. 955), Melaradha Veedhi, Chikkanarasayan village, Tirunelveli district.

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

G. RAMANATHAN,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-I, Madras-6.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 15-2-1977.

Seal :

FORM ITNS

(1) Shri V. Sankaranarayana Iyer, "Gomathi Vilas", Veerakeralavarmapuram (River Street), Shencottai.
(Transferor)

(2) 1. Shri Sudalai Madan alias Pandaram Pandian,
2. Smt. Pitchammal, South of Annavi Rice Mill,
Jameen Vallam, Tenkasi taluk.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I, MADRAS-6

Madras-6, the 15th February 1977

Ref. No. 93/JUNE/76-77.—Whereas, I G. RAMANATHAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 143/1,2,4 & 5, situated at Vadavettikadu village, Tirunelveli district (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Shencottah (Doc. No. 1455/76) on JUNE, 1976 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer, and/or
- (b) facilitating the concealment of any income of any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

23—486GI/76

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Agricultural lands measuring 8 acres and 32 cents in survey No. 143/1 (1.66 acre), 143/2 (2.07 acres), 143/4 (3.89 acres) and 143/5 (0.70 acre) at Vadavettikadu village, Tirunelveli district.

G. RAMANATHAN,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-I, Madras-6.

Date : 15-2-1977,

Seal :

FORM ITNS

(1) Shri S. Subramaniam, S/o V. Sankaranarayana Iyer,
"Gomathi Vilas", Veerakeralavarmapuram (River
Street), Shencottai.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

(2) Shri Sudalaimadan alias Pandaram Pandian, Smt.
Pitchammal, South of Annai Rice Mill, Jameen
Vallam Tenkasi taluk.

(Transferee)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE-I, MADRAS-6

Madras-6, the 15th February 1977

Objections, if any, to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

Ref. No. 94/JUNE/76-77.—Whereas, I G. RAMANATHAN,
being the Competent Authority under Section 269B
of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter
referred to as the 'said Act'), have reason to believe that
the immovable property, having a fair market value
exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

No. 143/3, situated at Vadavettikadu village, Tirunelveli
district

(and more fully described in the Schedule annexed hereto),
has been transferred under Registration Act, 1908 (16 of
1908) in the Office of the Registering Officer at
Shencottah (Doc. No. 1405/76) on JUNE, 1976
for an apparent consideration which is less than the
fair market value of the aforesaid property and I have
reason to believe that the fair market value of the property
as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by
more than fifteen per cent of such apparent consideration and
that the consideration for such transfer as agreed to between
the parties has not been truly stated in the said instrument of
transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the
liability of the transferor to pay tax under the
said Act, in respect of any income arising from the
transfer; and/or

THE SCHEDULE

(b) facilitating the concealment of any income or
any moneys or other assets which have not been
or which ought to be disclosed by the transferee
for the purposes of the Indian Income-tax Act,
1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-
tax Act, 1957 (27 of 1957);

Agricultural land measuring 6 acres and 64 cents in survey
No. 143/3, Vadavettikadu village, Tirunelveli district.

G. RAMANATHAN,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-I, Madras-6.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the
aforesaid property by the issue of the notice under sub-section
(1) of Section 269D of the said Act, to the following
persons, namely :—

Date : 15-2-1977,

Seal :

FORM ITNS

- (1) 1. M/s. Tholan (alias) Perumal,
2. D. Govindasamy,
3. Chinnapillai, Thindal village, Palacode taluk.

(Transferor)

**NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)**

GOVERNMENT OF INDIA
**OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE-I, MADRAS-6**

- (2) Shri B. S. Kripakaran, S/o B. C. Sundarappa Chetty,
Karimangalm, Palacode taluk.

(Transferee)

Madras-6, the 16th February 1977

Ref. No. 57/JUNE/76-77.—Whereas, I G. RAMA-NATHAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 204 & 205, situated at Thindal village, Dharmapuri Dt., (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Kaveripattinam (Doc. No. 673/76) on JUNE, 1976 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

THE SCHEDULE

Agricultural lands measuring 5 acres and 36 2/3 cents in survey Nos. 204 (2.72 2/3 acres) and 205 2.64 acres) at Thindal village, Dharmapuri district.

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

G. RAMANATHAN,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-I, Madras-6.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 16-2-1977.

Seal :

FORM ITNS

- (1) The Non-such Tea Estates Ltd. Ritz Buildings, Coonoor-2
(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(I) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER

**OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE-II, MADRAS-6**

Madras-6, the 15th February 1977

Ref. No. 2987/76.—Whereas, I, S. RAJARATNAM, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as in the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. TERRAMIA ESTATE, and 3.98 Acres (R.S. No. 426) in Balacola, Workers' Quarters & Bungalows. (and more fully described in the schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering officer at Coonoor (Doc. No. 450/76) on 1-6-1976 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (2) Mr. John Thomas No. 28/6 Pantheon Road, Madras-8. Mr. M. S. Sivaraj No. 6/2 Harley's Road, Madras-10.
(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the 'said Act' shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

699.51 acres bearing R.S. Nos. 68/1, 69, 70/2, 71/2, 71/3, 71/4, 72/1, 72/6, 73, 74, 75, 76, 81/1, 81/2, 81/3, 82, 83, 84, 85/3, 85/4, 88, 90/4, 265, 266/2, 266/3, 266/6, 267/1, 267/3, 268/3, 268/5, 268/6, 269, 270, 303/5, 303/6, 390, 391/1, 436/2, 438/1, 438/3, 438/4, 438/5, 439, 440, 442/1 & 86/3, factory and buildings in "TERRAMIA" Estate.

AND
3.98 acres (R.S. No. 426) in Balacola, Workers' Quarters and Bungalows.

S. RAJARATNAM,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II, Madras-6

Date : 15-2-1977.

Seal :

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

FORM ITNS

(1) Smt. Sangammal, W/o late Renganatha Rao No. 49,
West Chitrai Street, Srirangam, Trichy-6.
(Transferor)

(2) Shri S. M. Palaniappa Chettiar No. 11 Rutland Gate
2nd St. Madras-6.
(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

**OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX
ACQISITION RANGE-II, MADRAS-6**

Madras-6, the 15th February 1977

Ref. No. 3634/76-77.—Whereas, I, S. RAJARATNAM, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 17 (T.S. No. 2568), situated at N.S.B. Road, Trichy.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering officer at JSR III Trichy (Doc. No. 1427/76) on 22-6-1976 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land admeasuring 4896 Sq.ft. (with building) situated at Door No. 17 (Old Door No. 3) Block No. 28, N.S.B. Road, Trichy (Doc. No. 1427/76).

S. RAJARATNAM,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-II, Madras-6.

Date : 15-2-1977.

Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269-D (1) OF THE
INCOME-TAX, ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMIS-
SIONER OF INCOME-TAX
ACQISITION RANGE-II, MADRAS-6

Madras-6, the 17th February 1977

Ref. No. 3626/76-77.—Whereas, I, S. RAJARATNAM, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. S. 44, 45, 43, 48, 49, 46, 47 & 45 Keezappattampakkam (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Nelliukuppam (Doc. No. 761/76) on June, 1976 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (1) 1. Louis Rajapathar;
2. Jeevat Rosammal, W/o Louis Rajapathar;
3. A. A. Hameed;
4. Ammal, W/o Mr. Sami Joseph, Pondy
5. Suguna Ammal, W/o Shri Joseph
6. Hanamandas. (Sub Judge Court, Cuddalore).
(Transferor)

- (2) Shri A. V. Krishnaswami Solavalli.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Keezappattampakkam

S. No.	Extent Acre-Cent
44	0-11
45	3-81
43	1-31
48	1-25
49	6-94
46	0-96
47	1-16
45	1-23

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

S. RAJARATNAM,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-II, Madras-6.

Date : 17-2-77.

Seal :

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely :—

FORM ITNS

(1) Shri R. Sunderraj, Janaki Nilayam 6/7 Race course,
Coimbatore-18.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 296D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX,

ACQISITION RANGE-II, MADRAS-6

Madras-6, the 17th February 1977

Ref. No. 4018/76-77.—Whereas, I S. RAJARATNAM, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 1/3rd share in D. 17/860, situated at Big Bazaar St., Coimbatore (8 cents) (with building) (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at JSR III Coimbatore (Doc. No. 1944/76) on 18-6-1976 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated In the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-Section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(2) Smt. S. Thangammal No. 79, S.R.P. Nagar Saibaba Colony Coimbatore-11.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

1/3rd share in 8 cents (with building) situated at Big Bazaar Street, Coimbatore (Door No. 17/860) (T.S. No. 2/1205).

S. RAJARATNAM,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II, Madras-6.

Date : 17-2-77.

Seal :

FORM ITNS—

(1) Shri C. K. Moidu No. 52-A Nethaji Road, Pappa-naickenpalayam, Coimbatore.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Smt. S. Thangammal No. 79 S.R.P. Nagar, Saibaba Colony, Coimbatore-11.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE-II, MADRAS-6

Madras-6, the 17th February 1977

Ref. No. 4018/76-77.—Whereas, I, S. RAJARATNAM, being the Competent Authority, under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 1/3rd share in D. No. 17/860 situated at Big Bazaar St. Coimbatore (8 cents) (with building) (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at JSR III Coimbatore (Doc. No. 1945/76) on 18-6-1976 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

THE SCHEDULE

1/3rd share in 8 cents (with building) situated at Big Bazaar St., Coimbatore (D. No. 17/860) (T.S. No. 2/1205).

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

S. RAJARATNAM,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-II, Madras-6.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 17-2-77.

Seal :

FORM ITNS

(1) Smt. Geetha Rajakumari Thiagarajan No. 31 Coral Merchant St. Madras-1.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE-II, MADRAS-6

Madras-6, the 17th February 1977

Ref. No. 4035/76-77.—Whereas, I S. RAJARATNAM, being the competent authority under Section 269B of the Income tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the said Act), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Site No. 47 (D. No. 14/47-1) situated at First Layout, Dr. Sivananda Nagar, Coimbatore, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Gandhipuram (Doc. No. 1561/76) on 26-6-1976 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

6241 Sq.ft. (with building) situated at Site No. 17, First Layout, Dr. Sivanandanagar, Coimbatore (Door No. 14/47-1).

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

S. RAJARATNAM,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-II, Madras-6.

Now, therefore, in pursuance of section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-Section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—
24—486GI/76

Date : 17-2-77.

Seal :

FORM ITNS**NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)****GOVERNMENT OF INDIA**

**OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE-II
MADRAS-6**

Madras-6, the 17th February 1977

Ref No. F.5269/76-77.—Where, I, S. RAJARATNAM, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. No. 12, situated at Narasingapuram St., Madras-2. (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Triplicane (Doc. No. 385/76) on June 1976, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) 1. Shri S. Radhakrishnan;
2. S. Venkatakumar;
3. Smt. Lata Murali;
4. Champakavalli Srinivasaraghavan
No. 113 Mowbrays Road, Madras-18.
5. Shri S. Rangarajan
No. 9 Parthasarathy Gardens, Madras-18
6. Kasturi Estates P. Ltd.
201-A Mount Road, Madras-2.

(Transferor)

- (2) Smt. Rokkaiya Ammal
Shri Anwar Badsha
Shri Ahmed Badsha (Minor)
Mohamed Bari "
Aboobucker "
Syed Abta "
Minors represented by Smt. Rokkaiya Ammal
No. 21 Nalu Dhonnai St., Thirumizhisai
Chingleput Dist.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

1 Ground & 1996 Sq. ft. (with building)
situated at No. 12 Narasingapuram Street,
Madras-2 (R. S. No. 3247, C. C. No. 859).

S. RAJARATNAM
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-II, Madras-6.

Date : 17-2-77,

Seal :

FORM ITNS—

1. Shri Munawar Ali, H. No. 3.4-883 at Barakatpura,
Hyderabad.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT.
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE,
HYDERABAD

Hyderabad, the 17th February 1977

Ref. No. RAC. No. 227/76-77.—Whereas, I, K. S. VENKATARAMAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 3-5-1051 & 1052 situated at Narayanguda, Hyderabad, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Hyderabad on 19.7.1976 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

2. Smt. Nirmala Bai, W/o Mukunddas, H. No. 3-5-1051 and 1052 at Narayanguda, Hyderabad.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

All that building consisting of Ground floor and first floor bearing M. No. 3-5-1051 and 1052 at Narayanguda, Hyderabad, Registered in the Office of the Joint Sub-Registrar Hyderabad vide Doc. No. 1220/76.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

K. S. VENKATARAMAN
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Hyderabad

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 17-2-77.

Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)
GOVERNMENT OF INDIA

**OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
BANGALORE-560001
OF INCOME-TAX.**
ACQUISITION RANGE-II

Bangalore-560001, the 14th February 1977

C. R. No 62/6029/76-77/ACQ/B.—Whereas, I, M. Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Bangalore, being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. All that price and parcel of the land and building known as "ISMALIA", bearing No. 148, (old) No. 43, Infantry Road situated at Bangalore-560001 (Divn. No. 59), (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Shivajinagar, Bangalore. Document No. 432/76-77 on 14-6-1976

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefore by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) Ms. Maryam Khaleeli (formerly Miss. Maryam Mirza), W/o Mr. Zai Khaleeli and D/o. Padmashri Humayun Mirza, residing at Karachi, Pakistan and camped at "Cubbon Lodge" No. 3, Rajbhavan Road (formerly Cubbon Road), Bangalore- 560001.
- (2) Padmashri Humayun Mirza, S/o. Late Amin-ul-Mulk Sir Mirza M. Ismail residing at "Cubbon Lodge", No. 3, Rajbhavan Road, (Formerly Cubbon Road), Bangalore-560001.
- (3) Mrs. eebunnisa Begum Humayun Mirza, W/o. the Second Vendor and mother of the First Vendor and residing with her husband in the above Address.

(Transferor)

(2) M/s. G. S. Hotels Private Limited Registered office at No. 148, Infantry Road, Civil Station, Bangalore-560001 and represented by two of their Directors namely (1) Sri M. V. Gopinath, S/o. Late Sri G. A. Manjaya, 'Lakshmi Nivas', No. 23, Nanjappa Road, Shantinagar, Bangalore (2) Sri S. N. Subramanya Rao (S. N. S. Rao), S/o. Late Sri S. Narayana Rao No. 31, Shantinagar (Church Street), Bangalore.

(Transferee)

(3) Hotel Avishkar, by M/s. G. S. Hotels Private Limited. No. 148, Infantry Road, Bangalore-560001. (Person(s) in occupation of the property)

(4) (1) M/s. Monarch Corporation a registered partnership firm having their Regd. office at No. 10, Sankey Road, Bangalore-560001. represented herein by all the partners namely (a) N. Gangaram/- No. 10, Sankey Road, Bangalore (b) Sri G. Devi Prasad, (c) Sri G. Atmaram, (d) Shri G. Chaturbju (e) Shri G. Prakash (a) to (d) sons of Shri N. Gangaram and all residing an same premises.

(2) Mr. Asker Mirza, LONDON

/- S/o. Nanumal (Person(s) whom the undersigned knows to be interested in the property).

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

(Registered Document No. 432/76-77 Dated 14-6-1976)
All the piece and parcel of the land and building known as "ISMALIA", bearing No. 148, (old) No. 43, Infantry Road, Bangalore-560001 in Municipal Division No. 59, Wherein at present Hotel Avishkar is being run.

Boundries
East : Premises No. 149, Infantry Road belonging to Sri Saleh Ahmed.
West : Premises No. 147, Infantry Road in the occupation of L. R. D. E.
North : Infantry Road,
South : Property belonging to All India Radio and premises No. 3, Rajbhavan Road (formerly Cubbon Road)
and the Compound walls on the Western and Northern side, and half of the Eastern side.

M. HARIHARAN
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Bangalore.

Date : 14.2.1977

Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE-II
BANGALORE-560001

Bangalore-560001, the 9th February 1977

C. R. No. 62/6053/76-77/ACQ/B.—Whereas, I, M. HARIHARAN,

Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Bangalore, being the competent authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act) have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. 11, IVth Block 'T',
situated at Jayanagar, Bangalore-11
(and more fully described in the Schedule annexed
hereto) has been transferred under the
Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the
Registering

at Jayanagar, Bangalore. Document No. 163/76-77 on
9.6.1976

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

(1) Shri S. Chandrasekhar,
S/o A. N. Siddalingappa,
No. 14, Narayanaswamy Iyengar Street,
Kumarapark West, Bangalore.

(Transferor)

(2) Shri B. N. Nanjappa,
S/o. Late B. N. Nanjappa,
No. 11, Jayanagar, T-Block,
Bangalore-11.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

(Registered Document No. 163/76-77 Dated 9.6.1976)
Residential house bearing No. 11, situated at IV Block, T, Jayanagar, Bangalore-11

Boundaries :

East : Site No. 10,
West : House No. 12,
North : 33rd Cross Road, and
South : House No. 22.

M. HARIHARAN
Competent Authority,
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Bangalore.

Dated : 9-2-1977

Seal :

FORM ITNS.—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE-II
BANGALORE-560001

Bangalore-560001, the 4th February 1977

C. R. No. 62/6086/76-77/ACQ/B.—Whereas, I, M. HARIHARAN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'Said Act') have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. Premises bearing Corporation old No. A-3, New No. 10, situated at Infantry Road Cross, Civil Station, Bangalore. (Division No. 59)

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer

at Shivajinagar, Bangalore. Document No. 504/76.77 on 25.6.1976

for an apparent consideration, which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated

in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

(1) Shrimati Radha Ammal alias V. Radha, W/o, Late Dr. M. Varadarajan, No. 19, Chellammal Street, Shenoy Nagar, Madras-30

(Transferor)

(2) Shri B. Mittulal Siyal
S/o. Sri B. Siyal,
New No. 10, Infantry Road Cross,
Civil Station, Bangalore.

(Transferee)

(3) Sri B. Siyal
(Person(s) in occupation of the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the 'said Act' shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

(Registered Document No. 504/76.77 Dated 25.6.1976)
Premises bearing Corporation Old No. A-3, New No. 10, Infantry Road Cross, Civil Station, Bangalore (Division No. 59)

Boundaries :

East : Premises bearing Corporation No. 11, Hospital Road
West : Infantry Road Cross
North : Premises bearing Corporation old No. 3, New No. 9, Infantry Road Cross and,
South : Premises bearing Corporation No. 11, Infantry Road Cross.

M. MARIHARAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Bangalore.

Dated : 4.2.1977

Seal :

FORM ITNS

(1) Smt. Radha Ammal alias V. Radha,
W/o. Dr. M. Varadarajan,
No. 19, Chellammal Street,
Shenoy Nagar, Madras-30

(Transferor)

(2) Shri R. Mohammed Ashrof,
S/o. Late Abdul Rehman,
No. 143, Stephens Square North Block,
Bangalore-51.

(Transferee)

(3) Shri Mr. Uthappa
(Person(s) in occupation of the property)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA
OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE,
BANGALORE-560001

Bangalore-560001, the 5th February 1977

C. R. No. 62/6087/76-77/ACQ/B.—Whereas, I, M HARIHARAN,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Bangalore,
being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. Northern portion of premises bearing Corporation old No. 3, New No. 9,
situated at Infantry Road Cross, Civil Station, Bangalore.
(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Shivajinagar, Bangalore, Document No. 505/76.77 on 25.6.1976

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

(Registered Document No. 505/76-77 Dated 25-6-1976)
Northern portion of premises bearing Corporation Old No. 3, New No. 9, Infantry Road Cross, Civil Station, Bangalore.

Boundaries :

East : Premises bearing Corporation New No. 11, Hospital Road.
West : Infantry Road Cross.
North : Shops premises bearing Corporation No. 11/1 to 11/9, Hospital Road and,
South : Southern portion of premises bearing Corporation old No. 3, New No. 9, Infantry Road Cross sold this day to Mr. A. Javid.

The wall to the South shall be common to the schedule property and the adjacent Southern portion of premises old No. 3, New No. 9, Infantry Road Cross, Civil Station, Bangalore sold this day to Mr. A. Javid.

M. HARIHARAN
Competent Authority.
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Bangalore.

Date : 5.2.77

Seal :

FORM ITNS**NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)****GOVERNMENT OF INDIA**

**OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE-II
BANGALORE**

Bangalore-560001, the 5th February 1977

C. R. No. 62/6088/76-77/ACQ/B.—whereas, I, M. HARIHARAN, being the competent authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Southern portion of premises bearing Corporation Old No. 3, New No. 9, situated at Infantry Road Cross, Civil Station, Bangalore. (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Shivajinagar, Bangalore. Document No. 506/76.77 on 25.6.1976 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Smt. Radha Ammal alias V. Radha, W/o. Dr. M. Varadarajan, No. 19, Chellammal Street, Shenoy Nagar, Madras-30.

(Transferor)

(2) Shri A. Jayid, S/o. A. Jabbar Shariff, No. 30/31, Broadway Road Cross, Bangalore-51.

(Transferee)

(3) Mr. Uthappa
(Person(s) in occupation of the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned —

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

(Registered Document No. 506/76-77 Dated 25-6-76)
Southern portion of premises bearing Corporation old No. 3, New No. 9, Infantry Road Cross, Civil Station, Bangalore.

Boundaries :

East : Premises bearing Corporation No. 11, Hospital Road,

West : Infantry Road Cross,

North : Northern portion of the premises bearing Corporation old No. 3, New No. 9, Infantry Road Cross, sold this day to Mr. R. Mohammed Asrof and

South : Premises bearing Corporation old No. A 3 and New No. 10, Infantry Road Cross.

The wall of North shall be common to the schedule property and adjacent northern portion of the premises old No. 3, New No. 9, Infantry Road Cross, Civil Station, Bangalore sold this day to Mr. R. Mohammed Asrof.

M. HARIHARAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Bangalore.

Date : 5.2.77

Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE,
BANGALORE-27

Bangalore-27, the, 2nd February 1977

C. R. No. 62/6216/76-77/ACQ/B.—whereas, I, M. HARIHARAN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. 15, situated at 3rd Main Road, 2nd cross, New Tharagupet, Bangalore,

(and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Basavanagudi, Bangalore, Doc. No. 349/76-77 on 8-7-76 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or;

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

(1) Sri. G. Ghanda,
S/o. G. Rama Naidu,
No. 30, 5th Main road, 7th cross,
Devanathachar Street, Chamrajpet, Bangalore-18.
(Transferor)

(2) Sri. B. S. Viswanatha,
S/o. K. R. Srirangappa,
No. 43,
Nagappa Street, Sheshadripuram, Bangalore-20.
(Transferee)

(3) —NIL—
(Person(s) in occupation of the property)

(4) —NIL—
(Person (s) whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

[Registered Document No. 3491/76-77 Dated 8-7-76]
Property bearing No. 15, 3rd Main road, 2nd cross, New Tharagupet, Bangalore.

Boundaries :

E. Shop belonging to Sri. B. Gangappa and sons.
W. Oil Mills of Sri. P. Venkatachalamathy.
N. Govt. road (II cross of 3rd Main road) and
S. M/s. Vishranthi Bhavan.

M. HARIHARAN
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Bangalore.

Date : 2.2.1977.

Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(1) (1) Shri V. P. Deena Dayal Naidu,
S/o. Late V. Papaiah Naidu,
(2) D. Venkatesh,
S/o. Sri V. P. Deena Dayal Naidu,
Both residing at : No. 22, Nandidurga Road,
Jayamahal, Bangalore-46

(Transferor)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE, BANGALORE

Bangalore-560001, the 5th February 1977

(2) Shri M. Krishna Reddy,
S/o. Late Muniswamy Reddy,
No. 45, Mission Road, Bangalore. 27.

(Transferee)

(3) —NIL—

(Person(s) in occupation of the property)

(4) —NIL—

(Person (s) whom the undersigned knows to be interested
in the property)Objections, if any, to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette of a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

[Registered Document No. 452/76-77 Dated 2-3-76]
Building premises bearing No. 2, Eagles Street, Longford
Town, Bangalore-25.

Boundries :

East : Hajee Mohammed Hussain and Hajee Latif's pro-
perty
West : Eagles Street,
North : Berlie Street and
South : Property No. 3, belonging to Sri.. Sadashiva
Mudaliar.

M. HARIHARAN
Competent Authority.

Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Bangalore.

Date : 5.2.77

Seal :

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the 'said Act', to the following persons, namely :—

FORM ITNS—

(1) Shri Dewan Chand s/o Shri Neba Ram, r/o A-47
Subhdara Colony, Sarai Rohilla, Delhi as Regd.
General Attorney of Sh. Piara Lal s/o Sh. Sawan
Mal.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-

TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER

OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II,
4/14A, ASAFA ALI ROAD,
NEW DELHI-1(11001)

New Delhi, the 8th February 1977

Ref. No. IAC/Acq.II/1234/76-77.—Whereas, I, M. S.
GOELA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

Govt. Built Qr. No. B-171 situated at Sarai Rohilla, Delhi, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Delhi in September, 1976

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reasons to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the 'said Act', in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(2) Shri Mohinder Pal s/o Sh. Dewan Chand r/o B-171 Subhdara Colony, Delhi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

One Govt. Built Quarter No. B171 Subhdara Colony Sarai Rohilla, Delhi with the lease hold rights of land under the said quarter and bounded as under :—

North : Road
South : G.B.P.
West : Gali.
East : Rasta and Park.

M. S. GOELA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II, New Delhi.

Dated : 8-2-1977

Seal

